Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Tuesday, 14 January 2025 ● Year : 03 ● Issue : 02 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

उस व्यक्ति ने अमरत्व प्राप्त कर लिया है, जो किसी सांसारिक वस्तु से व्याकुल नहीं होता।
– स्वामी विवेकानंद

Anushka Sharma
At Getway Of...

SARAFA

सोना	:	7,495
चांदी	:	101.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

10 आईपीएस को लेवल 12 वेतनमान में प्रोन्नति

RANCHI : झारखंड कैडर के 10 आईपीएस को लेवल 12 वेतनमान में प्रोन्नति मिली है। प्रोन्नति पाने वाले आईपीएस अधिकारियों में ऋषभ कुमार झा, अंजनी अंजन, सौरभ, अमित रेणु, शंभू कुमार सिंह, अजय कुमार सिन्हा, सहदेव साव, अमित कुमार सिंह, मुकेश कुमार और पूज्य प्रकाश शामिल हैं। इस प्रोन्नति से इन आईपीएस अधिकारियों का वर्तमान प्रतिस्थापन प्रभावित नहीं होगा। साथ ही इस शर्त के साथ प्रोन्नति दी गई है कि वे अगले प्रशिक्षण स्लॉट में एमसीटीपी फेज-3 का प्रशिक्षण पूरा करेंगे। इस संबंध में गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है।

दक्षिण-पश्चिमी जापान में 6.9 तीव्रता का भूकंप

NEW DELHI : दक्षिण-पश्चिमी जापान में सोमवार को 6.9 तीव्रता का भूकंप का झटका महसूस किया गया। देश की मौसम विज्ञान एजेंसी ने यह जानकारी दी। एजेंसी के अनुसार, स्थानीय समयानुसार रात नौ बजकर 19 मिनट पर भूकंप आने के तुरंत बाद, दक्षिण-पश्चिमी द्वीप क्यूशू में मियाजाकी प्रांत के साथ-साथ पास के कोची प्रांत के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई। भूकंप का केंद्र मियाजाकी प्रांत में था। फिलहाल किसी तरह के नुकसान का पता नहीं चल पाया है। भूकंप की दृष्टि से बेहद संवेदनशील रिंग ऑफ फायर पर स्थित होने के कारण जापान में अक्सर भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं।

दिल्ली हवाई अड्डे पर 1.41 करोड़ का सोना जब्त

NEW DELHI : दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर तस्करी कर लाया गया 1.41 करोड़ रुपये मूल्य का सोना जब्त कर इस सिलसिले में आरोपी दंपती को गिरफ्तार किया गया है। सीमा शुल्क विभाग ने सोमवार को यह जानकारी दी। सीमा शुल्क विभाग के मुताबिक, रविवार को बहरीन से आने के बाद दंपति को हवाई अड्डे पर रोक लिया गया। सीमा शुल्क विभाग ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सीमा शुल्क अधिकारियों ने 1.5 किलोग्राम सोना (जिसकी कीमत 1.11 करोड़ रुपये है) बरामद किया। तस्करी कर लाए गए सोने को पुरुष यात्री द्वारा ले जाए जा रहे ट्रॉली बैग के अंदर चांदी के रंग के धातु के 15 तारों के रूप में छिपाया गया था।

अमृत स्नान : महाकुंभ मेला शुरू, पहले दिन 1.60 करोड़ श्रद्धालुओं ले लगाई डुबकी

संगम की रेती पर उमड़ा आस्था का सागर

MAHAKHUMBH NAGAR @ PTI : सोमवार को विश्व के सबसे बड़े समागम महाकुंभ का श्रीगणेश पौष पूर्णिमा के अवसर पर पहले स्नान के साथ हो गया। प्रयागराज के संगम की रेती पर ऐसा प्रतीत हो रहा मानो आस्था का सागर लहरा रहा हो। लाखों श्रद्धालु अमृत स्नान के लिए बढ़ते हुए दिखे। मेला प्रशासन के मुताबिक, सोमवार को शाम चार बजे तक 1.60 करोड़ श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में आस्था की डुबकी लगाई। करीब तीन बजे भोर से ही पतित पाविनी गंगा, यमुना एवं अदृश्य सरस्वती नदियों के संगम पर डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या सुबह साढ़े 9 बजे तक 60 लाख और 11 बजे तक 80 लाख को पार गई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी श्रद्धालुओं, संत महात्माओं, कल्पवासियों और आगंतुकों का स्वागत करते हुए महाकुंभ के प्रथम स्नान की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने महाकुंभ को भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक गरिमा का प्रतीक बताया।

पौष पूर्णिमा के साथ एक महीने तक चलने वाला कल्पवास भी हो गया प्रारंभ

मुख्यमंत्री योगी ने सभी श्रद्धालुओं और संत-महात्माओं को दी शुभकामनाएं

किन्नर संतों का ले रहे आशीर्वाद

मेला क्षेत्र में स्नान के बाद लोगों की भीड़ अखाड़ों में नागा साधुओं का आशीर्वाद लेती हुई दिख रही है। वहीं, सेक्टर-16 में स्थित किन्नर अखाड़ा में भी भारी संख्या में लोग किन्नर संतों का आशीर्वाद लेने पहुंच रहे हैं। राजस्थान के बालोत्रा जिले से 11 लोगों की टोली लेकर किन्नर अखाड़ा पहुंचे दिलीप कुमार ने बताया कि वह पहली बार इस मेले में आए हैं और किन्नर अखाड़ा का बोर्ड देखकर अपने साथियों के साथ यहां पहुंचे हैं। उन्होंने कहा, किन्नर अखाड़ा में साधु-संतों को सनातन धर्म का प्रचार करते देख अच्छा लग रहा है। यह समाज काफी समय से उपेक्षित रहा, लेकिन कुंभ ने इन्हें संत के रूप में अपनाया, जो सराहनीय है। मुंबई से पहली बार किन्नर अखाड़े में आए लाल जी भाई भानुशाली ने बताया कि उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से इस शिविर के बारे में पता चला। भानुशाली ने कहा कि मुंबई और कच्छ (गुजरात) से 1,500 लोग उनके साथ महाकुंभ में आए हैं और बारी-बारी से ये सभी लोग किन्नर अखाड़े को देखने जा रहे हैं।

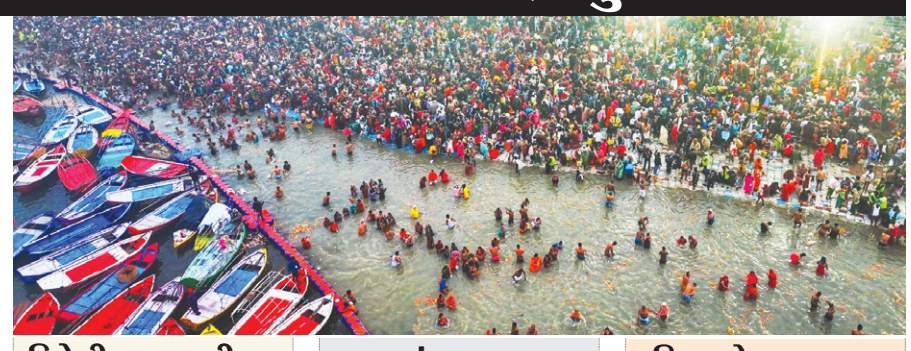

विदेशी श्रद्धालु भी हुए महाकुंभ के मुरीद

संगम तट पर देश-विदेश के श्रद्धालुओं का तांता देखने को मिला। साउथ कोरिया से आए यू-ट्यूबर दल महाकुंभ के विभिन्न शॉट्स को कैमरे में कैप्चर करते दिखे तो जापान से आए पर्यटक महाकुंभ में अपार जनसैलाब को देखकर स्थानीय गाइडों से जानकारी लेते दिखे। रूस-अमेरिका समेत विभिन्न देशों से आए सनातनी श्रद्धालुओं ने सोमवार को आस्था और एकता के इस महापर्व का साक्षात्कार करने के साथ ही पुण्य की डुबकी लगाई।

महाकुंभ सनातन विरासत का प्रतीक

प्रधानमंत्री नरेंद मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, भारतीय मूल्यों और संस्कृति को धारण करने वाले करोड़ों लोगों के लिए एक विशेष दिवस महाकुंभ 2025 प्रयागराज में प्रारंभ हो चुका है, जहां असंख्य लोग आस्था, समर्पण और संस्कृति के एक पवित्र संगम में एकत्र हो रहे हैं। महाकुंभ भारत की सनातन विरासत का प्रतीक है।

बिहार के राज्यपाल तीन दिन रहेंगे मेले में

बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सोमवार को कहा कि वह हर 12 साल में आयोजित होने वाले महाकुंभ में शामिल होने के लिए प्रयागराज जाएंगे और इस भव्य धार्मिक समागम में तीन दिन बिताएंगे। खान ने उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता विजय कुमार सिन्हा की ओर से आयोजित एक समारोह के इतर पत्रकारों से संक्षिप्त बातचीत के दौरान यह जानकारी दी।

मोदी अपने वादों को पूरा करेगा, सही समय पर सही चीजें होंगी : प्रधानमंत्री

SRINAGAR @ PTI : सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वह जम्मू कश्मीर के लोगों से किए गए अपने वादों को पूरा करेंगे। परोक्ष रूप से उनका यह इशारा मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा राज्य का दर्जा बहाल करने की जोरदार मांग की ओर था। मोदी यहां कश्मीर को सोनमर्ग से जोड़ने वाली 6.4 किलोमीटर लंबी रणनीतिक सुरंग का उद्घाटन करने के बाद एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस सुरंग का निर्माण 2700 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है।

पीएम ने कश्मीर को सोनमर्ग से जोड़ने वाली सुरंग का किया उद्घाटन

सुरंग के अंदर गए मोदी

मोदी ने पिछले वर्ष 20 अक्टूबर में यहां जेड-मोड़ सुरंग के पास हुए आतंकवादी हमले में मारे गए सात लोगों को भी श्रद्धांजलि अर्पित की। सुरंग का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री इसके अंदर गए और परियोजना से जुड़े अधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने उन निर्माण श्रमिकों से भी मुलाकात की, जिन्होंने सुरंग का निर्माण पूरा करने के लिए कठिन परिस्थितियों में काम किया।

इससे पहले अपने संबोधन के दौरान अब्दुल्ला ने पिछले साल सितंबर में विधानसभा चुनावों से पहले प्रधानमंत्री द्वारा किए गए वादे के अनुसार जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने पर जोर दिया और कहा, मेरा दिल मानता है कि आप जल्द ही इस वादे को पूरा करेंगे।

मथुरा शाही ईदगाह विवाद पर कल सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई

NEW DELHI : उत्तर प्रदेश के मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद से जुड़ी एक याचिका पर उच्चतम न्यायालय 15 जनवरी को सुनवाई करेगा। मस्जिद प्रबंधन समिति ने उसकी याचिका खारिज किये जाने के खिलाफ न्यायालय में अपील की है। पिछले साल एक अगस्त को इलाहाबाद उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने शाही मस्जिद ईदगाह ट्रस्ट की प्रबंधन समिति की याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें मथुरा में मंदिर-मस्जिद विवाद से संबंधित 15 मामलों की पोषणीयता को चुनौती दी गई थी। उच्च न्यायालय ने कहा था कि शाही ईदगाह के ह्लधार्मिक चरित्र को निर्धारित करने की आवश्यकता है। उच्चतम न्यायालय की वेबसाइट के अनुसार, प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने पिछले साल नौ दिसंबर को इस मामले में अंतिम सुनवाई शुरू की थी।

चीन से पूर्वी लद्दाख के डेप्सांग और डेमचोक में विवाद सुलझा मणिपुर में शांति : सेना प्रमुख

NEW DELHI @ PTI : भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मानेकशा सेंटर में सालाना प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मणिपुर की स्थिति, भारत-म्यांमार सीमा, कश्मीर घाटी में सीमा पार से आतंकी घुसपैठ, चीन सीमा पर डेप्सांग और डेमचोक में पेट्रोलिंग शुरू होने, बांग्लादेश की स्थिति के मुद्दों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि डेप्सांग और डेमचोक के दोनों क्षेत्रों में पारंपरिक चराई शुरू हो गई है। साथ ही मणिपुर के बारे में उन्होंने कहा कि सुरक्षाबलों के समन्वित प्रयासों और सक्रिय सरकारी पहलों ने स्थिति को नियंत्रण में ला दिया है। भारत-म्यांमार सीमा पर निगरानी बढ़ाई गई है, ताकि सीमा पर अभी तक हो रही अशांति के फैलाव से बचा जा सके। सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने राष्ट्रीय सुरक्षा और देश की विभिन्न सीमाओं के बारे में खुलकर सवालों के जवाब दिए। उन्होंने मणिपुर के बारे में कहा कि आज मणिपुर में जनजातीय समुदाय मजबूत रुख अपना रहा है, लेकिन हमें पूरे देश के साथ सुलह करने के लिए काम करना होगा। मुझे वहां तैनात किये नए राज्यपाल से भी बहुत उम्मीद है कि वे इस दिशा में कदम उठाएंगे। आपसी तालमेल के सवाल पर सेना प्रमुख ने भरोसा दिलाया कि समन्वय की बिल्कुल भी कमी नहीं है, लेकिन हमें यह समझना होगा कि कौन सा पक्ष कहां है। जब मई 2023 में यह समस्या आई, तो डीजीपी ने आदेश जारी किए कि आप जिस भी समुदाय से हैं, उसके निकटतम पुलिस स्टेशन जाएं, लेकिन बाहरी ताकतों के सवालों को खारिज नहीं किया जा सकता।

● भारत-म्यांमार सीमा पर बढ़ी निगरानी, कश्मीर घाटी में आतंकी घुसपैठ पर कड़ी नजर

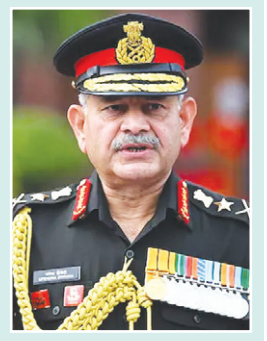

80 फीसद आतंकी पाकिस्तानी मूल के

भारतीय सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने कश्मीर घाटी के बारे में कहा कि पिछले साल मारे गए आतंकवादियों में से 60 फीसद आतंकी पाकिस्तानी मूल के थे। आज घाटी और जम्मू क्षेत्र में बचे आतंकी लगभग 80 फीसदी या उससे अधिक पाकिस्तानी मूल के हैं, लेकिन जम्मू-कश्मीर की स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

अभी और सताएगी सर्दी, 2-4 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है पारा

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को रांची सहित झारखंड के विभिन्न जिलों में ठंड के बीच अचानक मौसम में बदलाव देखने को मिला। सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। वहीं ठंडी हवाओं ने कनकनी का एहसास कराया। मौसम विभाग के मुताबिक, ठंड से फिलहाल राहत नहीं मिलेगी। न्यूनतम तापमान में अगले तीन दिनों तक ज्यादा गिरावट की संभावना नहीं है। लेकिन, ठंडी हवाएं लोगों को परेशान करेंगी। ऐसे में झारखंड के लोगों को एक हफ्ते के बाद ही ठंड से राहत मिल सकती है। सुबह के समय कोहरा और दिन में कनकनी का एहसास होगा। मौसम विभाग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, 18 जनवरी तक आसमान में आंशिक बादल छाए रहेंगे। न्यूनतम तापमान में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा। उत्तर पश्चिम भाग में अगले एक दो दिनों में न्यूनतम तापमान में 2-4 डिग्री गिरावट होने की संभावना है।

● तापमान में कमी को लेकर मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

रांची में अधिकतम तापमान 21.8 डिग्री सेल्सियस

नामकुम में न्यूनतम तापमान 9.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया, जबकि डाल्टनगंज में उच्चतम तापमान 28.2 डिग्री सेल्सियस रहा। राजधानी रांची में न्यूनतम तापमान 12.4 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 21.8 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम केंद्र के अनुसार, सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है, जिसके बाद दिन में आंशिक बादल रहेंगे। इसके परिणामस्वरूप ठंड और अधिक महसूस हो सकती है। कनकनी वाली ठंड के कारण शाम होते ही लोग घरों में दुबक जा रहे हैं।

भारत ने बांग्लादेश के कार्यवाहक उच्चायुक्त को किया तलब

NEW DELHI : सोमवारको भारत ने बांग्लादेश के कार्यवाहक उच्चायुक्त नूर-अल-इस्लाम को तलब किया और उन्हें बताया कि भारत ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच सीमा पर बाड़ लगाने के निर्माण में सभी निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन किया है। बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को पड़ोसी देश के विदेश मंत्रालय द्वारा तलब किए जाने और सीमा सुरक्षा बल की ह्यशगतिविधियों पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त करने के एक दिन बाद भारत ने यह कदम उठाया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि नूर-अल-इस्लाम को बताया गया कि भारत ने सीमा पर सुरक्षा उपायों के संबंध में दोनों सरकारों के बीच सभी प्रोटोकॉल और समझौतों का पालन किया है। भारत ने उम्मीद जताई कि बांग्लादेश द्वारा पूर्व में दोनों देशों के बीच बनी सभी सहमतियों को लागू किया जाएगा।

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए सुझाव दें एमपी-एमएलए : इरफान

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने महत्वपूर्ण बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए कई अहम निर्णय लिए। उन्होंने कहा कि झारखंड का आगामी बजट ऐतिहासिक होगा। पूरी तरह से राज्य की जनता को समर्पित होगा। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए सांसदों और विधायकों से अपने क्षेत्रों की वास्तविक जरूरतों पर आधारित सुझाव मांगे, ताकि बजट को जनहितकारी और प्रभावी बनाया जा सके। उन्होंने भाजपा सरकार द्वारा झारखंड में फैलाए गए भ्रष्टाचार और लूट की संस्कृति को खत्म करने का संकल्प लिया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार के लिए 'स्वास्थ्य ही धन है' के सिद्धांत पर आधारित योजनाएं बनाई जाएंगी।

● स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि झारखंड का आगामी बजट होगा ऐतिहासिक

न्यू रिसर्च : पृथ्वी के घूमने का ऑक्सीजन बनने से है संबंध

बड़ा संकेत दे रही धीरे-धीरे कम होती धरती की गति

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : दिल धड़कता है तो जिंदगी है। दिल मचलता है तो विशेष खुशी है। दिल तड़पता है तो विशेष वेदना है। जरा सोचिए, यह सब तभी संभव है, जब पृथ्वी की जीवंतता कायम है। पृथ्वी धरती माता इसलिए है, क्योंकि यह सभी जीवों का समान भाव से पालन-पोषण करती है। इसकी प्रकृति में दया और करुणा। अगर इसकी प्रकृति बदलती है, तो इसका सभी जीवों के जीवन पर असर पड़ता है। अच्छा भी और बुरा भी। वैज्ञानिक दृष्टि से पृथ्वी की गति प्रकृति के अनुरूप है। वास्तव में पृथ्वी सौरमंडल का दिल है। सौरमंडल में सूर्य स्थिर है और उसका ग्रह पृथ्वी गतिमान है। पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करती है और अपनी धुरी पर भी घूमती है। पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा से मौसम परिवर्तन होता है, तो अपनी धुरी पर पृथ्वी की गति से दिन और रात का परिवर्तन होता है। हम जानते हैं कि सभी प्राणी ऑक्सीजन छोड़ते हैं और इसका इस्तेमाल पेड़-पौधे करते हैं। पेड़-पौधों के उत्पादों में ही प्राणियों के लिए ऑक्सीजन और ऊर्जा का स्रोत निहित होता है।

प्राणियों के छोड़े गए कार्बन डाईऑक्साइड का इस्तेमाल करते हैं पेड़-पौधे

अर्थ से जुड़े ऑक्सीकरण के पैटर्न पर दिन की लंबाई का पड़ता है असर

- गति में परिवर्तन प्रकृति के संतुलन को करता है प्रभावित
- सभी प्राणियों का अस्तित्व ऑक्सीजन की उपलब्धता पर है निर्भर
- पेड़-पौधों के उत्पाद में ही निहित है प्राणियों के लिए ऊर्जा का स्रोत

हर शताब्दी में लंबा हो रहा दिन

साइंस अलर्ट की रिपोर्ट बताती है कि पृथ्वी के घूमने का धीमा होना और महाऑक्सीकरण दो अलग-अलग घटनाएं हैं, जो आपस में जुड़ी हुई प्रतीत होती हैं। पहली घटना पृथ्वी के घूमने का धीमा होना है, जो चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण बल की वजह से होता है। जीवाश्म रिकॉर्ड से पता चलता है कि 1.4 अरब साल पहले दिन केवल 18 घंटे लंबे थे और 70 मिलियन साल पहले आज की तुलना में आधे घंटे छोटे थे।

4.5 अरब वर्ष पहले हुआ निर्माण

हाल में हुए रिसर्च से यह विशेष जानकारी मिली है कि पृथ्वी के 4.5 अरब वर्ष पहले निर्माण के बाद से ही पृथ्वी का घूमना धीरे-धीरे धीमा हो रहा है। इसके करण दिन लंबे होते जा रहे हैं। धरती के घूमने का ऑक्सीजन के पैदा होने से भी संबंध है। ये दिलचस्प संबंध चांद, सूक्ष्म जीवों और हमारे वायुमंडल में ऑक्सीजन को आपस में जोड़ता है। धरती के घूमने का धीमा होना पृथ्वी के वायुमंडल में ऑक्सीजन के स्तर में वृद्धि से जुड़ा है। विशेष रूप से 2.4 अरब साल पहले नीले-हरे शैवाल का उदय इसका कारण है।

चंद्रमा का गुरुत्वाकर्षण बल

नए शोध से पता चला है कि सूक्ष्म जीवों के कारण चांद पृथ्वी पर गुरुत्वाकर्षण बल लगाता है। इससे भी पृथ्वी का घूमना धीमा हो जाता है, क्योंकि चांद धीरे-धीरे दूर जा रहा है। पृथ्वी का घूमना और दिन की लंबाई पृथ्वी के ऑक्सीकरण के पैटर्न और समय को प्रभावित करती है।

महाराष्ट्र के नासिक में सड़क हादसे में पांच युवकों की गई जान

MUMBAI : महाराष्ट्र के नासिक जिले में नासिक-मुंबई हाईवे पर बीती रात टेंपो-ट्रक की टक्कर में पांच युवकों की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए। घायल सभी युवकों को नासिक सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। यह जानकारी भद्रकाली पुलिस ने दी। हादसे की जानकारी मिलते ही मंत्री गिरीश महाजन ने आज सुबह घटनास्थल का दौरा किया और अस्पताल में जाकर घायलों युवकों का हालचाल जाना। गिरीष महाजन ने कहा कि मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी । घायलों का इलाज मुफ्त होगा।पुलिस के अनुसार रविवार रात में लोहे की सरियों से भरा ट्रक धुले से मुंबई की ओर जा रहा था। युवकों का एक समूह टेंपो से धरणगांव से नासिक लौट रहा था। अचानक द्वारका फ्लाइ ओवर पर टेंपो ने ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। अतुल मंडलिक, संतोष मंडलिक, दर्शन घर्टे, यश घर्टे और चेतन पवार की मौके पर मौत हो गई।

वीमेंस हॉकी इंडिया लीग मैच का दूसरा दिन

सूरमा हॉकी क्लब ने श्रची रार बंगाल टाइगर्स को 4-1 से हराया

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को महिला हॉकी इंडिया लीग मैच के दूसरे दिन जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम में श्रची रार बंगाल टाइगर्स और सूरमा हॉकी क्लब के बीच मैच खेला गया। इस दौरान दोनों ही टीमों ने जोर लगाया। सातवें मिनट में बंगाल टाइगर की हाना कोटर ने पहला गोल दागकर टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद सूरमा हॉकी क्लब ने पूरा डिफेंड किया। सामने वाली टीम को बढ़ने नहीं दिया। हालांकि पहले और दूसरे क्वार्टर में सूरमा हॉकी क्लब को कोई सफलता नहीं मिली। इस दौरान मैच अपने रोमांच पर था। दोनों ही टीमों के खिलाड़ी गेंद के पीछे भाग रहे थे। हर शॉट के बाद दर्शकों का उत्साह देखने लायाक था।

47वें मिनट में चौथा गोल

मैच को लेकर सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए है। चप्पे-चप्पे से पुलिस के जवान स्टेडियम पर नजर रख रहे है। वहीं पास की ऊंची इमारतों से भी निगरानी की जा रही है। इस बीच तीसरे क्वार्टर में 38वें मिनट में ओलिविया शानोन ने सूरमा टीम की ओर से पहला होल किया। इसके बाद 42वें मिनट में सूरमा की खिलाड़ी टारलोट एंगलबर्ट ने दूसरा गोल किया। थोड़ी ही देर में 44वें मिनट में सलीमा टेटे ने टीम की ओर से तीसरा गोल कर दिया।

हजारीबाग के कोषागार कर्मचारी पिंटू नायक की गोली मारकर हत्या

छुट्टी में आया था अपने घर, अपराधियों ने मां के सामने ही मार दी गोली

PHOTON NEWS BOKARO : बोकारो जिले के कसमार थाना क्षेत्र अंतर्गत मधुकरपुर गांव में रविवार रात को पिंटू कुमार नायक नामक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पिंटू नायक हजारीबाग जिले के कोषागार विभाग में कर्मचारी था। वह शनिवार को हजारीबाग से अपने गांव लौटा था। स्थानीय लोगों ने बताया कि रात लगभग 12 बजे गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग पहुंचे और पिंटू को अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया, पर उसकी रास्ते में ही मौत हो गई। जैना मोड़ रेफरल अस्पताल के चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पाकर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। वह सभी बिंदुओं पर

मृतक की फाइल फोटो

जांच कर रही है। पिता सकुल नायक ने बताया कि बेटा पिंटू ने रविवार को घर का काम कराया। इसके बाद परिवार के सभी सदस्यों ने रात में एक साथ भोजन किया। इसके बाद पिंटू सोने चला गया। अपराधी बगल के घर की छत के रास्ते उनके घर के आंगन में उतर गए। अपराधी पिंटू के बेडरूम में पहुंचे और गोली चला दी। अपराधियों ने जब पिंटू को पहली गोली मारी तो आवाज सुनकर मां सरस्वती देवी जाग गई और दौड़कर बेटे कमरे में पहुंची। उसके सामने ही अपराधियों ने दूसरी गोली मार दी। जब तक सरस्वती कुछ समझ पाती, तब तक अपराधी पीछे के रास्ते से भाग निकले। पिता सकुल ने बताया कि उनके तीन बेटे में से एक बेटे दुखन नायक की बहुत पहले मृत्यु हो गई थी । दूसरा बेटा चरकू नायक विक्षिप्त हो गया था और घर छोड़कर चला गया। उसकी पत्नी अलग रहती है। हम दोनों का सहारा एकमात्र पिंटू ही था। वर्ष 2023 में उसकी नौकरी लगी थी। प्रत्येक शनिवार को बेटा आता था।

मां को बचाने गए किशोर की करंट लगने से मौत

KODERMA : जिले के सतगावां थाना क्षेत्र अंतर्गत टेहरो पंचायत के ग्राम भूताही में सोमवार की दोपहर दो बजे के करीब अपनी मां को बचाने गए 15 वर्षीय किशोर की करंट लगने से घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। वहीं मां गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजनों एवं ग्रामीणों ने आनन फानन में गंभीर रूप से घायल महिला को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतगावां में भर्ती कराया है। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर देखते हुए उसे कोडरमा रेफर किया गया। ग्रामीणों ने घटना की सूचना सतगावां पुलिस को दी। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए कोडरमा भेज दिया। जानकारी के अनुसार पंचायत टेहरो के भूताही गांव में संजय राजवंशी के घर के समीप एक ही पोल में 11 हजार व 440 वोल्ट का तार लगा है। बल्ब जलाने के लिए टोका गया हुआ था, इसी दौरान विद्युत तार शॉट सर्किट हो गया। घर में मौजूद महिला रिंकू देवी (45) शॉट सर्किट देखकर छुड़ाने गयी। इसी दौरान वह तार के चपेट में आ गयी और जोर-जोर से चिलाने लगी। उसे बचाने के लिए पहुंचा छोटा पुत्र 15 वर्षीय रोहित कुमार भी करंट की चपेट में आ गया। उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। पड़ोसी और ग्रामीणों ने देख तत्काल मौके पर पहुंच कर तार को घायल महिला से अलग करते हुए मृतक के मां को बचा लिया। घायल महिला की स्थिति भी चिंताजनक बतायी जा रही है।

सुजीत सिन्हा गैंग के छह अपराधी गिरफ्तार

PALAMU : पलामू पुलिस ने कुख्यात अपराधी सुजीत सिन्हा गिरोह के छह सदस्यों को मेदिनीनगर के हाउसिंग कॉलोनी से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए अपराधियों में तीन बिहार, दो गढ़वा और एक पलामू के रहने वाले हैं। ये सभी क्रशर व्यवसायियों से रंगदारी वसूली की योजना बना रहे थे। एसपी रीष्मा रमेशन ने सोमवार बताया कि रविवार रात को पुलिस को सूचना मिली कि अपराधी हाउसिंग कॉलोनी में केके मेमोरियल स्कूल के पास एक अर्धनिर्मित भवन में ठहरे हुए हैं। शहर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर देवव्रत पोद्दार के नेतृत्व में की गई छापेमारी में पुलिस ने मौके से सभी छह अपराधियों को गिरफ्तार किया। वहीं दो लोडेड पिस्टल, खाली मैगजीन, गोलियां और 10 हजार रुपए बरामद किए। गिरफ्तार अपराधियों में बिहार के औरंगाबाद का प्रिंस कुमार (25), गया का अमित कुमार शर्मा उर्फ सोनू (26), सौरभ सिंह (24), गढ़वा का अमित चौधरी उर्फ ऋतिक, धर्मेंद्र कुमार पांडेय उर्फ बबलू पांडेय (37) और मेदिनीनगर के पोखराहा खुर्द के समीर अंसारी उर्फ नसरू (33) शामिल हैं।

मनरेगा में सुस्ती पर नाराज हुई उपायुक्त नैन्सी सहाय

समाहरणालय सभागार में उपायुक्त नैन्सी सहाय व अन्य ● फोटोन न्यूज

HAZARIBAG : उपायुक्त नैन्सी सहाय की अध्यक्षता में सोमवार को ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत मनरेगा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक हुई। समाहरणालय सभाकक्ष में हुई बैठक में उपायुक्त ने प्रधानमंत्री आवास योजना, अंबेडकर आवास योजना, अबुआ आवास योजना, मनरेगा अंतर्गत बिरसा कूप संवर्धन योजना, डोभा, आंगनबाड़ी योजना की प्रगति, बिरसा हरित ग्राम योजना, बागवानी योजना, वीर शहीद पोटो हो खेल विकास योजना, पीड़ी जेनरेशन, जिओ टैगिंग, जनमन योजना, पंचायती राज, एबीपीएस की स्तिथि, जेएसएलपीएस के तहत संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उपायुक्त ने मनरेगा योजनाओं की प्रगति में औसत से कम प्रदर्शन करने वाले प्रखंडों पर अप्रसन्नता जाहिर की। उन्होंने निम्न प्रदर्शन करने वाले प्रखंडों के बीडीओ को कार्य की प्रगति में सुधार करने और क्रियान्वित योजनाओं को ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कटकमदाग बीडीओ को पीडी जेनरेशन में सुधार करने और डाडी बीडीओ को टारगेट अचीव करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी बीडीओ को पोटो हो खेल विकास योजना पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों से समन्वय बनाकर काम करने और इस योजना को शीघ्र पूर्ण करने और डोभा निर्माण में सत्यापन करते हुए योजना का कार्य शुरू करने का निर्देश दिया।

BRIEF NEWS

डीटीओ ने चलाया जांच अभियान, वसूला जुर्माना

RAMGARH : सड़क सुरक्षा माह के तहत जिला परिवहन पदाधिकारी मनीषा वत्स लगातार अभियान चला रही हैं। सोमवार को उन्होंने जांच अभियान के दौरान भारी वाहनों की भी जांच की। इस दौरान उनके दस्तावेज और फिटनेस को लेकर उन्होंने सख्त हिदायद दी । जांच के दौरान तीन ऐसी गाड़ियां मिली जो फिटनेस के मानक पर खरी नहीं उतर रही थी। उन्होंने तीनों गाड़ियों से कुल एक लाख 4 हजार 300 रुपए का जुमार्ना वसूला है। डीटीओ ने बताया कि जांच अभियान के दौरान ट्रक संख्या (ओडी 09 वी 4739.), (जेएच 02 बीएस 5875.) और (सीजी 15 डीएम 4181 .)से यह जुमार्ना वसूला गया है।

बिरहोर टोला में बांटे गए तिलकुट, गुड़ व चूड़ा

HAZARIBAG : भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण, नई दिल्ली के प्रतिष्ठित पहल सेव फूड, शेयर फूड व शेयर ज्वॉय के दिशा-निर्देश के आलोक में उपायुक्त नैन्सी सहाय के निर्देश पर 13 जनवरी को बिरहोर टोला, डेमोटांड़, हजारीबाग में खाद्य सुरक्षा अधिकारी, हजारीबाग द्वारा तिलकुट, गुड़ लाई, चूड़ा आदि का वितरण किया गया। इस मौके पर खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी प्रकाश चंद्र गुग्गी द्वारा हेल्पिंग इंडिया फीडिंग इंडिया संस्था के साथ मिलकर मकर संक्रांति कार्यक्रम का आयोजन डेमोटाड बिरहोर टोला में किया गया। बिरहोरों को स्वस्थ भोजन और सही भोजन की जानकारी भी दी गई। उन्हें भोजन को किसी भी सूरत में बर्बाद करने से रोकने का संदेश दिया गया। वितरण में स्वयंसेवी पायल जैन, तरुण कुमार, करण, रोशन और आकृति की उपस्थिति रही।

विधायक की पहल पर होगी झील की सफाई

HAZARIBAG : सदर विधायक प्रदीप प्रसाद सोमवार को शहर के ऐतिहासिक झील परिसर पहुंचे और क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विधायक ने झील की सफाई के लिए करोड़ों की लागत से खरीदी गई मशीनों की स्थिति का जायजा लिया। यह पाया गया कि मशीनें लंबे समय से खराब पड़ी थीं, जिससे झील में जलकुंभी और गंदगी की समस्या बढ़ रही थी। विधायक ने मौके पर ही नगर निगम के नगर आयुक्त योगेंद्र प्रसाद को बुलाया और मशीनों की तत्काल मरम्मत सुनिश्चित कराने को कहा। मशीनों के ठीक होने के बाद झील से जलकुंभी और गंदगी हटाने का कार्य शुरू करने का निर्देश दिया। प्रसाद ने इस पर कहा की झील हमारी सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहर है। इसे साफ और सुंदर बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है। झील परिसर के निरीक्षण के बाद विधायक ने नगर निगम क्षेत्र की अन्य प्रमुख समस्याओं पर भी नगर आयुक्त से चर्चा की। इसमें सब्जी मंडी में गंदगी और कचरे की समस्या पर ध्यान दिलाते हुए नियमित सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

धरना देते मृतक के परिजन व स्थानीय लोग ● फोटोन न्यूज

एसडीओ अशोक कुमार की गिरफ्तारी को लेकर धरना

HAZARIBAG : हजारीबाग के पूर्व एसडीओ अशोक कुमार की गिरफ्तारी को लेकर सोमवार को समाहरणालय के मुख्य द्वार पर एसडीओ के ससुराल वालों ने उनकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर एकदिवसीय धरना दिया। धरने में करीब सैकड़ों महिला पुरूष शामिल थे। उल्लेखनीय हो कि गत 26 दिसंबर को अपनी पत्नी अनिता कुमारी को जलाकर मारने का आरोप है। और इस मामले में मामला भी दर्ज किया गया है। फिर भी प्रशासन के जरिये उनकी गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। गिरफ्तारी नहीं होने से गुस्साए लोगों ने सोमवार को धरना के माध्यम से प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जाहिर की है। एसडीओ के पत्नी के भाई राजू साव ने पत्रकारों से कहा कि पूर्व एसडीओ अशोक कुमार कितने बड़े अधिकारी हैं कि एक थानेदार उनको गिरफ्तार नहीं कर पा रहे है। इससे साफ जाहिर होता है कि पूरे प्रशासन की टीम उनके साथ मिली हुई है।

कुख्यात अपराधी राहुल तुरी का दामोदर घाट पर हुआ अंतिम संस्कार, भाई ने दी मुखाग्नि

अंतिम संस्कार के दौरान उपस्थित परिजन ● फोटोन न्यूज

AGENCY RAMGARH : रामगढ़ और हजारीबाग पुलिस के ज्वाइंट ऑपरेशन में मारे गए कुख्यात अपराधी राहुल तुरी उर्फ आलोक का अंतिम संस्कार हो गया। सोमवार दोपहर उसके शव का रामगढ़ के दामोदर नदी घाट पर परिवार वालों ने अंतिम संस्कार किया।

राहुल के भाई सत्यम कुमार तुरी ने उसे मुखाग्नि दी। इस दौरान उसके परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। राहुल के शव को उसके भाई सत्यम कुमार तुरी, मामा गणेश तुरी और एक अन्य रिश्तेदार विजय कुमार ने पोस्टमार्टम हाउस से रिसीव किया। वे लोग शव को अपने पैतृक गांव नहीं ले जाना चाहते थे। इस वजह से उसका अंतिम संस्कार रामगढ़ में ही किया गया। अंतिम संस्कार में रामगढ़ पुलिस के द्वारा भी उन्हें सहयोग किया गया है।

अंतिम संस्कार में नहीं शामिल हो पाया राहुल का पिता छोटन तुरी

भाई का अंतिम संस्कार करने के बाद सत्यम कुमार तुरी ने बताया कि बाकी की प्रक्रिया वह अपने पैतृक गांव से ही करेगा। उसने बताया कि अपनी भाई की हरकतों की वजह से उसका पूरा परिवार बिखर गया। पहले उसके पिता छोटन तुरी उर्फ बादल तुरी ने अपराध जगत में कदम रखा था। उसपर दर्ज हुए दर्जनों प्राथमिकी की वजह से आज वह जेल में है। बेटे के अंतिम संस्कार में भी उसे शामिल होने का मौका नहीं मिला। दामोदर घाट पर पहुंची माता संगीता देवी और परिवार के अन्य सदस्यों ने भी अपराध को लेकर छोटन दूरी को ही जिम्मेदार ठहराया। उसने कहा कि पिता की वजह से ही राहुल तुरी भी अपराध जगत में कदम रख चुका था। पिछले एक वर्षों से वह लगातार फरार चल रहा था। बाप-बेटे जब आपराधिक दुनिया से बाहर नहीं निकले, तो पूरे परिवार को पिछले एक साल से भगोड़े की तरह ही जिंदगी जीनी पड़ी।

पारा टीचर को धमकी देने वाले दो आरोपी किए गए गिरफ्तार

AGENCY GIRIDIH : गिरिडीह जिले के भेलवाघाटी क्षेत्र के गुनियाथर पंचायत के मुखिया पति-पारा टीचर सफदर अली अहमद के घर पर पैसे की मांग को लेकर नक्सल पर्चा छोड़ने वाले और फोन कर धमकी देने वाले दो आरोपियों को झारखंड और बिहार के अलग अलग इलाकों में छापेमारी कर गिरफ्तार किया गया है। एक समय दोनों कुख्यात माओवादी सिद्धो कोडा दस्ते से जुड़े रहे हैं। इस संबंध में सोमवार को संवाददाता सम्मेलन कर गिरिडीह एसपी डॉ विमल कुमार ने बताया कि विगत 12 दिसंबर को मुखिया के पति के घर पर नक्सल पर्चा छोड़ा गया था। इसके साथ ही अगले दिन फोन पर भी धमकी देते हुए लेवी की मांग की गई थी। इस मामले में आवेदक की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी और आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए उनके निर्देश के बाद एक टीम का गठन किया गया था, जिसमें अभियान एएसपी, खोरीमहुआ एसडीपीओ, भेलवाघाटी थाना प्रभारी एवं गुनियाथर ओपी प्रभारी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया था।

मामले की जानकारी देते एसपी डॉ. विमल कुमार ● फोटोन न्यूज

इस मामले में गठित टीम के जरिये झारखंड और बिहार के अलग अलग स्थानों पर छापेमारी कर बिहार के बटिया थाना क्षेत्र के बुढ़ियालापर निवासी अनवर अंसारी एवं बुद्धन मुर्मू को गिरफ्तार किया। इस दौरान धमकी देने के लिए प्रयोग के लिए मोबाइल फोन को भी जब्त किया गया है। साथ ही उन्होंने बताया कि दोनों गिरफ्तार आरोपी बिहार के सिद्धु कोड़ा के दस्ते के सदस्य थे और उनके विरुद्ध चरकापत्थर थाना में पहले भी कांड दर्ज है और गिरफ्तार कर जेल भी भेजा गया है।

ईंट लदे वाहन के धक्के से हुई बुजुर्ग की मौत

CHATRA : चतरा-इटखोरी मुख्य मार्ग में उंटा मोड़ के समीप सड़क दुर्घटना में एक वृद्ध व्यक्ति की मौत हो गई है। मृतक की पहचान उंटा गांव निवासी रामसेवक दांगी (62) के रूप में हुई है। लोगों ने बताया कि ईंट लदे एक टर्बो गाड़ी की चपेट में आने से रामसेवक दांगी की घटना स्थल पर ही मौत हो गई है। टर्बो तेज रफ्तार से आकर सड़क पार कर रहे व्यक्ति को टक्कर मार दी। नाराज लोगों ने चतरा इटखोरी मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। पुलिस ने ड्राइवर और गाड़ी को कब्जे में ले ली है। ग्रामीणों ने बताया कि यहां स्पीड ब्रेकर नहीं रहने से आए दिन दुर्घटनाएं होते रहती है।

झारखंड में जल, जमीन व जंगल की मची है लूट : भुवनेश्वर मेहता

पत्रकारों को संबोधित करते भुवनेश्वर मेहता ● फोटोन न्यूज

HAZARIBAG : झारखंड में जल, जमीन और जंगल की लूट मची हुई है। केवल हजारीबाग जिला में 25 हजार एकड़.से अधिक गैर मजरुआ एवं वनभूमि की बन्दोवस्ती हुई है। एसआईटी की जांच एवं रिपोर्ट के बाद भी भू- माफिया एवं पदाधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। उक्त बातें पूर्व सांसद और झारखंड राज्य विस्थापित संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि 23 लाख हेक्टर जमीन को भूमि बैंक में डालने से लाखों किसान का रसीद कटना बन्द हो गया है। कल-कारखानों, खनन एवं पथ में अधिग्रहण किए जा रहे गैर मजूरवा जमीन जिसका बन्दोवस्ती है, घर और खेत बना हुआ है उसका मुआवजा का भुगतान नहीं होता है। 22 अप्रैल 2023 से चतरा जिला के सिमरिया में किसानों का धरना सिंहपुर, कठौतिया रेलवे लाइन एवं भारत माला रोड के मुआवजा के भुगतान के लिए धरना दे रहे हैं।

मेडिकल कॉलेज में दो जगह पर ओपीडी, लेकिन एक दवा वितरण केंद्र होने से हो रही थी परेशानी

पीजी ब्लॉक में खुलेगा दवा वितरण केंद्र, दो फार्मासिस्ट प्रतिनियुक्त

PHOTON NEWS DHANBAD : शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज-अस्पताल के पीजी बिल्डिंग ओपीडी में नया दवा वितरण केंद्र खोला जाएगा। अस्पताल प्रबंधन की ओर से दवा वितरण केंद्र के लिए दो फार्मासिस्ट की प्रतिनियुक्ति भी कर दी गई है। अब जल्द यहां पर आने वाले मरीजों के लिए निशुल्क में दवा वितरण किए जाएंगे। मेडिकल कॉलेज में फिलहाल दो जगह पर ओपीडी चल रहा है। एक ओपीडी मुख्य बिल्डिंग में चलाया जा रहा है। यहां दवा वितरण केंद्र स्थापित है, जबकि दूसरा ओपीडी पोस्ट ग्रेजुएट बिल्डिंग में चल रहा है। यहां नेत्र रोग, मनोचिकित्सा रोग, दंत रोग, नशा विमुक्ति केंद्र चल रहे हैं। ऐसे में यहां के मरीजों को दवा लेने के लिए मुख्य बिल्डिंग के दवा वितरण केंद्र पर जाना पड़ रहा था। इसे यहां आने वाले मरीजों को परेशानी हो रही थी। इसे देखते हुए मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने एक और दवा वितरण केंद्र खोलने की तैयारी शुरू की है। अधीक्षक डॉ. संजय कुमार चौरसिया ने नया दवा वितरण केंद्र खोलने के लिए दो फार्मासिस्ट की प्रतिनियुक्ति की है। इसमें फार्मासिस्ट पप्पू निरंजन गुप्ता और राकेश कुमार की प्रतिनियुक्ति हुई है।

हर दिन ओपीडी में आते हैं 1400 मरीज

शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के ओपीडी में हर दिन औसतन 1400 मरीज ओपीडी के लिए पहुंचते हैं। इसमें 300 से ज्यादा मरीज पीजी बिल्डिंग में जाते हैं। अस्पताल प्रबंधन की मानें तो मरीजों की संख्या में हर दिन इजाफा हो रहा है। पहले जहां 1200 मरीज पहुंचते थे, अब 1400 से ऊपर आ रहे हैं।

> पोस्ट ग्रेजुएट बिल्डिंग में नया दवा वितरण केंद्र खोला जाएगा। इसके लिए कर्मचारियों की तैनाती की गई है। मरीजों को दवा के लिए मुख्य बिल्डिंग में नहीं आना होगा। आगे और भी सुविधा प्रदान की जाएगी।
>
> -डॉ. एसके चौरसिया
> अधीक्षक, मेडिकल कॉलेज

रेडक्रॉस का होगा अपना डायलिसिस केंद्र व ब्लड बैंक

DHANBAD : रेडक्रॉस सोसाइटी धनबाद का अपना डायलिसिस केंद्र और ब्लड बैंक होगा। जिला प्रशासन और रेडक्रॉस सोसाइटी की ओर से इसकी तैयारी की जा रही है। ब्लड बैंक के लिए रेडक्रॉस परिसर में जगह चिह्नित किया गया है। जल्द इसकी रिपोर्ट बनाकर राज्य मुख्यालय को समर्पित की जाएगी। डायलिसिस केंद्र के लिए यहां 10 बेड लगाए जाएंगे। धनबाद में डायलिसिस मरीजों को समय पर सेवा नहीं मिल पाती है। मेडिकल कॉलेज और सदर अस्पताल के डायलिसिस केंद्र में काफी भीड़ रहती है। लोगों को कई दिनों तक इंतजार करना पड़ता है। रेडक्रॉस में सरकारी स्तर पर डायलिसिस केंद्र खुलने से ऐसे मरीजों को काफी राहत मिलेगी। इसके लाइसेंस की प्रक्रिया के लिए जल्द आवेदन किया जाएगा। रेडक्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष कौशलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि इस दिशा में तेजी से कम हो रहे हैं।

ब्लड बैंक के लिए जिला स्तर पर निकाली जाएगी बहाली

रेडक्रॉस सोसाइटी भवन में ब्लड बैंक बनाने के लिए मैनपावर की बहाली जिला प्रशासन से की जाएगी। इसके लिए डॉक्टर के साथ तकनीशियन और कर्मचारी यहां पर बहाल किए जाएंगे। पिछले दिनों रेडक्रॉस की बैठक में इसके बारे में चर्चा की गई है। इसके साथ ही रेडक्रॉस में सदस्यों की संख्या बढ़ाने को लेकर भी अभियान की शुरूआत की जाएगी। लगभग 6000 सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

जल्द शुरू होगा दिव्यांग के लिए बोर्ड

रेडक्रॉस सोसाइटी भवन में इसके साथ ही दिव्यांगों के लिए मेडिकल बोर्ड की भी शुरूआत की जाएगी। इस दिशा में भी रेडक्रॉस की ओर से तैयारी शुरू की गई है। कौशलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि विभिन्न प्रकार के दिव्यांगों का यहां मेडिकल बोर्ड करके प्रमाणपत्र दिए जाएंगे। इसका लाभ दिव्यांगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं में मिल सकेगा।

सड़क के निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विधायक ने जताई नाराजगी

AGENCY KHUNTI : तोरपा के विधायक सुदीप गुड़िया ने खूंटी-तोरपा-कोलेबिरा सड़क के निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गहरी नाराजगी जताते हुए कहा कि संवेदक सड़क के मजबूतीकरण और सुंदरीकरण के नाम पर सरकारी पैसे की बंदर बांट कर रहा है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता अत्यंत ही घटिया है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में वे मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव को पत्र लिखकर इसकी जांच करने का आग्रह करेंगे।

विधायक सोमवार को कल्याण गुरुकुल केंद्र के कार्यक्रम में भाग लेने के बाद तोरपा लौटने के क्रम में खूंटी- कोलेबिरा के नवनिर्मित सड़क को टूटा हुआ देखकर, वाहन से उतरकर इसकी जांच की। उन्होंने कहा कि लगभग 53 करोड रुपये की लागत से इस सड़क का निर्माण कराया जा रहा है और गुणवत्ता इतनी खराब है कि निर्माण के दौरान ही सड़क टूटने लगी है। विधायक ने कहा कि इसके पूर्व भी उन्होंने सड़क की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता को गुणवत्ता में सुधार लाने का निर्देश दिया था, लेकिन गुणवत्ता में कोई सुधार नहीं हुआ। निर्माण के दौरान जहां-जहां सड़क टूटी है, ठेकेदार द्वारा उसे चिपी साटकर छोड़ दिया गया। इसके कारण सड़क की गुणवत्ता खराब है। उन्होंने कहा कि रोडके बीच-बीच में टूटे रहने से दुर्घटनाएं भी हो रही हैं।

तोरपा में बनी सड़क का निरीक्षण करते विधायक सुदीप गुड़िया ● फोटोन न्यूज

BRIEF NEWS

मकर संक्रांति पर गरीबों में बांटे गए कंबल

RANCHI : मकर संक्रांति के अवसर पर रांची के समाजसेवी सह भाजपा नेता आदित्य विक्रम जायसवाल ने चुटिया के द्वारकापुरी और सरोवर नगर पिस्का मोड़ में जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरित किया। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति के अवसर पर ऐसे कार्य करने चाहिए। गरीबों और असहायों की मदद करना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। असहायों की सेवा करना भगवान की पूजा करने के समान है। रांची में ठंड काफी पड़ रही है। ऐसे में कई लोग कंबल के अभाव में परेशान हैं। इस छोटे से प्रयास से हम उन लोगों की मदद करने का प्रयास कर रहे हैं। चुटिया की पुष्पा देवी, ममता देवी, ललिता ओझा ने भी इस पहल की सराहना की। वहीं उनकी टीम के साथ मिलकर महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम चलाने की बात कही। जरूरतमंद महिलाओं को निःशुल्क ब्यूटीशियन कोर्स और सिलाई केंद्र की सुविधा देने का प्रयास करेंगे। इस दौरान अनिल सिंह, स्मिता सिंह, मीना सिंह, अमृता सिंह, पुष्पा देवी, रवि लोहरा, पाजी समेत अन्य लोग मौजूद थे।

विधायक भूषण बाड़ा ने डीसी से की मुलाकात

RANCHI : सिमडेगा के विधायक भूषण बाड़ा ने सोमवार को रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री से मुलाकात की। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त से यह उनकी शिष्टाचार मुलाकात थी।

मेदांता हॉस्पिटल ने ब्रेन डैमेज युवक की बचाई जान

RANCHI : मेदांता हॉस्पिटल ने सड़क दुर्घटना में ब्रेन डैमेज हुए 35 वर्षीय युवक की जान बचाई। दुर्घटना के 4-6 घंटे के भीतर हॉस्पिटल में भर्ती किए जाने के बाद डॉक्टरों ने गोल्डेन पीरियड में उसका इलाज किया। युवक की ब्रेन सर्जरी, रीढ़ की हड्डी की नस की सर्जरी और टूटे हुए हड्डियों को दुरुस्त किया गया। 30 दिन तक बेहोश रहने के बाद युवक पूरी तरह से स्वस्थ हो गया और उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। हॉस्पिटल के न्यूरो क्रिटिकल केयर हेड डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि ट्रॉमा केयर टीम में न्यूरो सर्जन डॉ आनंद कुमार, प्लास्टिक सर्जन डॉ अरविंद प्रकाश और हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ नीलेश मिश्रा ने इलाज किया। उन्होंने कहा कि समय पर इलाज और सही सर्जरी से मरीज के होश में आने में मदद मिली।

मकर संक्रांति : दूध-दही व चूड़ा-तिलकुट की जमकर हुई खरीदारी

PHOTON NEWS RANCHI : ज्योतिषीय गणना के अनुसार, आज मंगलवार (14 जनवरी 2025) को मकर संक्रांति है। राजधानी रांची में मकर संक्रांति के कई दिन पहले से दूध-दही, चूड़ा-गुड़ और तिल-तिलकुट आदि का बाजार सज गया था। बाजार में बिहार के गया का तिलकुट और भागलपुर का सुगंधित चूड़ा यहां के लोग सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। बाजार में इनकी उपलब्धता है और लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं। सोमवार को दुकानों पर लोगों की भीड़ देखी गई। पहले से ही अतिरिक्त दूध का इंतजाम कर दही जमाया गया है और बाजार से भी दही की खरीदारी खूब हो रही है। अन्य दिनों की अपेक्षा दूध और दही की अधिक खपत होती है। इसलिए दूध के केंद्रों पर अधिक इंतजाम है और मिठाई की दुकानों पर भी दूध-दही की जमकर बिक्री हो रही है।

आज के दिन नदी में स्नान कर दान-पुण्य का है विशेष महत्व, दूध केंद्रों पर किया गया अतिरिक्त इंतजाम

खरीदने के लिए लगी रही भीड़, खत्म हो जाएगा खरमास व शुरू हो जाएंगे सभी प्रकार के मांगलिक कार्य

₹300 किलो तिलकुट

रांची के विभिन्न चौक-चौराहों पर लगे बाजार में लोग खरीदारी कर रहे हैं। बाजार में स्थानीय तिलकुट के साथ गया

के गुप्ता तिलकुट भी मिल रहे हैं। खोवा के तिलकुट की वेराइटी की भी डिमांड काफी है। साथ ही गजक, स्पेशल गजक, रेवड़ी और तिल पापड़ी भी ग्राहक खरीद रहे हैं। कोकर के तिलकुट भंडार के संचालक जोगेश्वर ने कहा कि 300 रुपये किलो तिलकुट बेच रहे हैं। इस बार तिल का लड्डू 100 रुपये पैकेट (200 ग्राम), गजक 340 रुपये, रेवड़ी 220 रुपये और तिलपट्टी 280 रुपये है।

खिचड़ी और गर्म कपड़ों का दान

मकर संक्रांति को लेकर सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस दिन स्नान, ध्यान और चूड़ा, दही और तिलकुट खाने के पहले दान-पुण्य का भी विशेष महत्व होता है। मकर संक्रांति के दिन गंगा या किसी अन्य पवित्र नदी में स्नान करना काफी पुण्यकारी माना जाता है। इस दिन स्नान करने से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। इसके साथ ही कहा जाता है कि जन्म-मरण के बंधन से मुक्ति मिलती है। मकर संक्रांति के दिन लोग गुड़, तिल, खिचड़ी और गर्म कपड़े आदि का दान करते है। ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि 14 जनवरी को सूर्य देव धनु राशि से निकालकर मकर राशि में प्रवेश करते हैं। सूर्य का मकर राशि में प्रवेश करते ही खरमास समाप्त हो जाता है और मंगलिक कार्य शुरू हो जाएंगे। मकर संक्रांति नए साल का पहला त्योहार होता है। इस दिन सूर्य उत्तरायण होता है, जिसका अर्थ है सूर्य उत्तर दिशा की तरफ बढ़ता है।

न भूलें यह शुभ मुहूर्त

मकर संक्रांति पुण्य काल- सुबह 07 बजकर 33 मिनट से शाम 06 बजकर 56 मिनट तक। मकर संक्रांति महा पुण्य काल- सुबह 07 बजकर 33 मिनट से सुबह 09 बजकर 45 मिनट तक। मकर संक्रांति का क्षण- सुबह 07 बजकर 33 मिनट। मकर संक्रांति के पर्व को कहीं-कहीं उत्तरायण भी कहा जाता है। इस दिन गंगा स्नान, व्रत, कथा, दान और भगवान सूर्य देव की उपासना करने का विशेष महत्व माना जाता है। जो लोग इस दिन दान करते हैं, उनके लिए यह दिन अक्षय फलदायी होता है। इस दिन शनि देव के लिए प्रकाश करना भी शुभ होता है। मान्यता है कि मकर संक्रांति के शुभ मुहूर्त में गंगा नदी में स्नान करने से व्यक्ति को अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। गंगा मैया की कृपा पाने के लिए गंगा स्तुति का पाठ करना एक बेहतर उपाय माना गया है।

₹120 में मलाई वाला घेवर

बरियातू में दुकानदार मुन्ना कुमार ने कहा कि तिलकुट 280 रुपये किलो गया का गुप्ता तिलकुट, गुड बादाम 240 रुपये किलो, तिल लड्डू 400 किलो, चूड़ा 60, 100, 70 50 और 120 रुपये किलो, भूरा 100 रुपये, गुड 60 किलो, चूड़ा लड्डू 160 रुपये किलो, चावल लड्डू 160 किलो के भाव से बिक्री हो रही है। पंजाब स्वीट के स्टाफ अनिल ने कहा कि इस बार लोग घी वाले घेवर अधिक खरीद रहे हैं। एक घेवर की कीमत 120 रुपये है। इसमें मलाई डाला गया है। इसके अलावा प्रीमियम गुड रेवड़ी 440 रुपये किलो, स्पेशल खोवा तिलकुट 500 रुपये किलो, तिल रोल 400 रुपये किलो, गुड़ तिलकुट 360-400 रुपए किलो, स्पेशल तिलपट्टी 380 रुपये किलो और स्पेशल तिलकुट 360 किलो है।

एनफोर्समेंट टीम में पुराने स्टाफ की हुई वापसी, रेवेन्यू बढ़ाने पर जोर

निगम ने तैयार किया प्लान अब रात में भी कटेगा चालान

PHOTON NEWS RANCHI : रांची नगर निगम अब सख्ती के मूड में है। इसके लिए अधिकारियों ने एक्शन प्लान तैयार किया है। इसके तहत अब रात में भी लोगों का चालान काटा जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों को अब किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। इससे साफ है कि अब लोगों को अपनी आदतों को सुधार लेना होगा। नहीं तो उन्हें भारी भरकम जुमार्ना भरना होगा। बता दें कि रांची नगर निगम की एनफोर्समेंट टीम में 28 पुराने स्टाफ की वापसी हो गई है। टीम में अब 45 अधिकारी हो गए है। वहीं रेवेन्यू बढ़ाने पर सरकार का जोर है। टीम में पुराने स्टाफ की वापसी के बाद तीन शिफ्ट में ड्यूटी लगाई गई है। एक टीम सुबह से दोपहर तक, दूसरी टीम दोपहर से शाम और तीसरी टीम रात को शहर में भ्रमण करेगी। ये लोग नियमों का उल्लंघन करने वालों का आन स्पॉट चालान काटेंगे। वहीं इसका पेमेंट भी आनलाइन या पॉश मशीन से लेंगे। किसी भी हाल में कैश में फाइन वसूली पर रोक लगा दी गई है। वहीं जो लोग बाद में फाइन भरेंगे उन्हें टीम चालान देकर चली जाएगी। पूरे शहर को चार जोन में बांटा गया है। इसके लिए 40 इंफोर्समेंट अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। वहीं सभी को नियमों का सख्ती से पालन कराने को कहा गया है। वहीं इसकी रिपोर्ट भी हर दिन संबंधित अधिकारियों को उपलब्ध कराने का निर्देश है। इसके अलावा एक टीम इमरजेंसी शिकायतों के डिस्पोजल के लिए बनाई गई है। यह टीम शिकायत दर्ज कराने के बाद तत्काल कार्रवाई करेगी।

नियमों के उल्लंघन पर होगी कार्रवाई, केवल ऑनलाइन वसूली

अतिक्रमण के खिलाफ मिला टास्क

नगर निगम ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान को तेज करने का निर्देश इंफोर्समेंट टीम को दिया है। कचहरी चौक से सर्जना चौक तक के नो वेंडिंग जोन को अतिक्रमणमुक्त रखने के लिए इन्फोर्समेन्ट टीम को एक्टिव रहने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा निगम की संपतियों पर अतिक्रमण रोकने की जिम्मेदारी संबंधित जोन की टीम की होगी। अतिक्रमण मुक्त अभियान के तहत अभियान की शुरुआत से पहले इंफोर्समेंट टीम संबंधित क्षेत्र में इसकी सूचना प्रचार के माध्यम से देगी। वहीं अभियान से पूर्व स्थानीय थाना को भी सूचित किया जाएगा। मुख्य मार्गों पर यातायात पुलिस के साथ समन्वय बनाकर टीम कार्रवाई करेगी।

शाम ढलने से पहले समाधान

टीम सुनिश्चित करेगी कि सभी शिकायतों का समाधान सूर्यास्त से पहले किया जाए। इसके साथ ही सीओटीपीए एक्ट के उल्लंघन पर दुकानदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सड़क किनारे निर्माण सामग्री और अपशिष्ट सामग्री पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों को चेतावनी दी जाएगी। इसके बाद उनके खिलाफ एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी। वहीं सामान को जब्त कर लिया जाएगा। इसके अलावा निगम के क्षेत्र में डस्टबीन की कमी या प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग की स्थिति में संबंधित इन्फोर्समेन्ट टीम जवाबदेह होगी। जलाशयों और तालाबों में गंदगी डालने वालों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

रांची में धूमधाम से मना नमो पतंग उत्सव

RANCHI : श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति के तत्वावधान में सोमवार को रातू रोड ओटीसी ग्राउंड के मैदान में धूमधाम से नमो पतंग उत्सव मनाया गया। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने पतंग उड़ाकर उत्सव की शुरूआत की। उन्होंने युवाओं और बच्चों के बीच नमो पतंग, लटेर और धागे का वितरण किया। साथ ही महिलाओं और बुजुर्गों को कंबल भी दिया। संजय सेठ ने कहा कि हिंदू भारतीय संस्कृति में आने वाली पीढ़ियों को जागृत करने के लिए हिंदू धर्म के संग हमारी भारतीय संस्कृति का पूर्ण निर्वाह करते हुए हम आज भी पतंग उत्सव, मकर संक्रांति, लोहड़ी और टुसू सहित अन्य त्योहारों को बड़े ही धूमधाम से मनाते आ रहे हैं। पतंग की उड़ान के संग हम चाहते हैं कि आज देश के युवा भी अपनी प्रगति पर ऐसी उड़ानों के साथ देश और समाज का भविष्य तय करें। समिति के अध्यक्ष मुकेश काबरा ने कहा कि नमो पतंग उत्सव का भव्य आयोजन 2006 से समिति के जरिये किया जा रहा है, जो निरंतर आज तक चल रहा है। आयोजन के प्रायोजक प्रेमसंस मोटर है। इस अवसर पर लोगों के बीच खिचड़ी के महाभोग सहित तिलकुट, मूडी लड्डू, टॉफी, खिलौना का भी वितरण किया गया।

रिम्स के आउटसोर्सिंग कर्मियों ने किया प्रदर्शन

रिम्स कैंपस में प्रदर्शन करते कर्मी। ● फोटोन न्यूज

- छह महीने से पगार नहीं मिलने पर जताई नाराजगी
- आउटसोर्स पर काम कर रहे हैं 300 से अधिक स्टाफ
- हॉस्पिटल के अलग-अलग विभागों में हैं कार्यरत

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को रिम्स के आउटसोर्सिंग कर्मियों ने वेतन न मिलने को लेकर डायरेक्टर ऑफिस के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। 300 से अधिक कर्मी रिम्स डायरेक्टर के कार्यलय के बाहर इकट्ठा हो गए और अपनी मांगें जोर-शोर से उठाईं। कर्मियों ने आरोप लगाया है कि उन्हें पिछले छह महीनों से वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। इसके कारण उनकी आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो गई है। इसके अलावा कुछ कर्मियों को तो 10 महीने से भी वेतन का भुगतान नहीं हुआ है। कर्मचारियों का कहना है कि वे समय पर अपने कार्यों को पूरी निष्ठा से निभाते आ रहे हैं, लेकिन प्रबंधन द्वारा वेतन का भुगतान न किया जाना उनके जीवन यापन में परेशानी बन रहा है। प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों ने ये भी आरोप लगाया कि कई बार संबंधित अधिकारियों से वेतन की मांग की गई, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। उन्होंने कहा कि रिम्स प्रबंधन को कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से लेना चाहिए और शीघ्र पेमेंट किया जाना चाहिए। वहीं प्रबंधन की ओर से कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि वेतन का भुगतान जल्द ही कर दिया जाएगा।

नहीं मिल रहा मिनिमम वेज

रिम्स में सन फैसिलिटी ने आउटसोर्स के तहत मैनपावर उपलब्ध कराया है। 300 से अधिक स्टाफ अलग-अलग विभागों में तैनात हैं। उन्हें सरकार द्वारा तय मिनिमम वेज भी नहीं मिल रहा है। वहीं पेमेंट में देरी ने उनकी परेशानी बढ़ा दी है। इतना ही कई कर्मियों को रेंट नहीं भरने की स्थिति में मकान मालिक ने घर खाली करने तक कह दिया है। ऐसे में स्टाफ को समझ नहीं आ रहा कि वे क्या करे।

लोगों के साथ दुर्व्यवहार करने वाले कर्मियों के खिलाफ होगी कार्रवाई

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को समाहरणालय स्थित सभागार में डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने जिला के वरीय पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण मीटिंग की। इसमें रांची जिले के विकास, प्रशासनिक कार्यों और शहरी योजनाओं को लेकर अहम मुद्दों पर चर्चा की गई। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने आईकार्ड लगाकर कार्य करें, ताकि आम जनता उन्हें पहचान सके और पारदर्शिता बनी रहे। उन्होंने यह भी कहा कि सभी अधिकारी और कर्मचारी समय पर कार्यालय पहुंचे और बायोमीट्रिक अटेंडेंस अनिवार्य रूप से दर्ज करें। आम लोगों की समस्याओं का त्वरित और निष्पक्ष समाधान किया जाए। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि लोगों के साथ दुर्व्यवहार की शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने अंचल अधिकारियों को दाखिल-खारिज मामलों को ससमय निपटाने का निर्देश दिया।

अधिकारियों के साथ बैठक करते डीसी। ● फोटोन न्यूज

रांची में ब्राउन शुगर के तीन धंधेबाज गिरफ्तार

RANCHI : जिले की सुखदेवनगर थाना पुलिस ने ब्राउन शुगर कारोबार से जुड़े तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में युवराज कुमार, कुंदन वर्मा और सौरभ गुप्ता शामिल हैं। इनके पास से 15.7 ग्राम ब्राउन शुगर और दो मोबाईल फोन बरामद किया गया है। एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने तीनों को गिरफ्तार किया है। कोतवाली डीएसपी ने सोमवार को बताया कि सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के मुक्तिधाम पुल के पास अवैध नशीले पदार्थों का खरीद-बिक्री होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद छापेमारी कर तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गये तीनों युवकों के जरिये स्वयं स्वीकार किया गया है।

रांची में अफीम की गैरकानूनी खेती करने के आरोपी को पुलिस ने पकड़ा

PHOTON NEWS RANCHI : शहर की दशमफॉल थाना पुलिस ने अफीम की गैरकानूनी खेती करने के एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। इसके पास से दो मोटर, सिंचाई पंप, दो एलईडी लाइट और 10 अफीम का पौधा बरामद किया गया है। वह दशमफॉल थाना के कडरूडीह गांव का रहने वाला है। ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि डीआईजी सह एसएसपी को गुप्त सूचना मिली कि दशमफॉल थाना क्षेत्र के कडरूडीह ग्राम के आसपास

के क्षेत्र में वृहत पैमाने पर अफीम की खेती की गयी है। सूचना के बाद एसडीओ बुंडू के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कडरूडीह गांव के आस-पास के वन क्षेत्र में लगे करीब पांच एकड़ अफीम की खेती को ट्रैक्टर चलाकर नष्ट किया। एसपी ने बताया कि इस संबंध में दशमफॉल थाना में कांड अंकित कर अफीम की खेती करने के आरोपित मेघनाथ मुण्डा को गिरफ्तार किया गया। मामले में फरार चार अन्य आरोपितों के विरुद्ध गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। एसपी ने बताया कि छापेमारी टीम में बुंडू एसडीपीओ ओमप्रकाश, दशमफॉल थाना प्रभारी प्रशांत गौरव, गणेश कुमार यादव, अनिल कुमार मोहली, अनिल कुमार यादव सहित सशस्त्र बल शामिल थे।

नई व्यवस्था : शिक्षा विभाग ने पीएम-जनमन पहल के तहत तैयार की है कार्ययोजना

विलुप्त जनजातियों को 10 स्कूलों में मिलेंगी आवासीय सुविधाएं

PHOTON NEWS RANCHI : विलुप्त हो रही जनजातियों के लिए झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद राज्य के 10 स्कूलों में आवासीय सुविधाएं विकसित करेगी। शिक्षा विभाग द्वारा तैयार इस कार्ययोजना के तहत पहले चरण में 10 जिलों के एक-एक स्कूल का चयन किया गया है और छात्रावास का निर्माण शुरू कर दिया गया है। इन आवासीय विद्यालयों में पीएम-जनमन योजना के तहत असुर, बिरहोर, हो, बिरजिया, कोरवा और माल पहाड़िया जैसे आदिवासी समुदायों के बच्चे, जो या तो विलुप्त होने के कगार पर हैं या शैक्षिक अवसरों से वंचित हैं, उन्हें नामांकन का अवसर मिलेगा। यह पहल प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान यानी पीएम-जनमन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसका उद्देश्य दूरदराज के आदिवासी क्षेत्रों में बच्चों के बीच शिक्षा की पहुंच को सुलभ और सरल बनाने का है। प्रधानमंत्री विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) विकास मिशन का लक्ष्य अत्यधिक कमजोर जनजातीय समूहों की जीवन स्थितियों में सुधार करने का है। इस पहल के तहत पीवीटीजी समुदायों के लिए सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और पोषण तक बेहतर पहुंच के साथ-साथ बेहतर सड़क और दूरसंचार बुनियादी ढांचे और स्थायी आजीविका के अवसरों जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान की जाएंगी। पीएम-जनमन योजना के तहत राजधानी समेत राज्य के असुर, बिरहोर, हो, बिरजिया, कोरवा और माल पहाड़िया जैसे आदिवासी समुदायों के बच्चे, जो या तो विलुप्त होने के कगार पर हैं या शैक्षिक अवसरों से वंचित हैं, का नामांकन इन स्कूलों में किया जाएगा। इन छात्रों को उनकी शिक्षा के लिए अनुकूल माहौल सुनिश्चित करते हुए आवासीय सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। यहां पढ़ाई के साथ-साथ भोजन पानी व आवासन की समुचित व्यवस्था उपलब्ध होगी। इस पहल के लिए 3.5 करोड़ रुपये का बजट भी आवंटित कर दिया गया है।

झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की ओर से विशेष इंतजाम का किया गया निर्णय

पहले चरण में इन स्कूलों का हुआ है चयन

चयनित स्कूलों में हंटरगंज (चतरा) में राम नारायण प्रायोजित हाईस्कूल, सरयू में प्लस टू हाईस्कूल गुडू (लातेहार), इचाक (हजारीबाग) में प्लस टू केएन हाईस्कूल, मुरकुंडा (गुमला) में गवर्नमेंट हाईस्कूल, बेसिक मिडिल स्कूल अमरापाड़ा (पाकुड़), प्लस टू एसएस हाईस्कूल किस्को (लोहरदगा), प्लस टू हाईस्कूल भंडरिया (गढ़वा), पीवीटीजी प्लस टू हाईस्कूल लखोरिया (देवघर), हाईस्कूल कारिंदा रामगढ़ (दुमका) और एमएस स्कूल सिजुआ (गिरिडीह) का नाम शामिल हैं।

राजद कार्यालय पहुंचे मंत्री संजय यादव कार्यकर्ताओं से मिले

RANCHI : सोमवार को झारखंड प्रदेश राजद के महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने राज्य सरकार के श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव का राजद कार्यालय में स्वागत किया। विभिन्न जिलों से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से उन्होंने मुलाकात की। इस दौरान मंत्री संजय यादव ने कोडरमा, लोहरदगा, गुमला, रामगढ़ चैनपुर और एचईसी धुर्वा से आए कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए कहा कि राजद एक मजबूत पार्टी है। पार्टी की विचारधारा से प्रेरित होकर लोग भारी संख्या मंत्री राजद से जुड़ रहे हैं। राजद सुप्रीमो लालू यादव और युवा नेता तेजस्वी यादव के सिद्धांतों ने पार्टी को नई दिशा दी है। हेमंत सरकार में मंत्री बनने के बाद लोगों की आशाएं हमसे बढ़ी है। हम उनके आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए समर्पित हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि पार्टी कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ होते हैं और उनका सम्मान करते हुए संगठन को मजबूत बनाना है।

सीएफ एंड्रयूज इंग्लिश स्कूल में मनाया गया विश्व युवा दिवस

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को सीएफ एंड्रयूज मेमोरियल इंग्लिश स्कूल में विश्व युवा दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें प्रिंसिपल अनिमा बोस और स्कूल की सचिव दीप्तिमान बोस ने स्वामी विवेकानंद के जीवन और उनके योगदान पर प्रकाश डाला। प्रिंसिपल अनिमा बोस ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने बहुत कम उम्र में अपने जीवन के सिद्धांतों और विचारों से समाज को प्रभावित किया। उनका योगदान आज भी प्रेरणा का स्रोत है। शिकागो विश्व धर्म महासभा में उनका भाषण पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हुआ और उन्होंने अपनी बातें सभी के दिलों तक पहुंचाई। कार्यक्रम का संचालन अनीशा बागची ने किया। स्कूल के सभी शिक्षिकाओं ने युवाओं को प्रोत्साहित करने वाले अपने विचार साझा किए। विशेष रूप से सवी वर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया मनमोहक गीत, जो युवाओं को जागरूक और प्रेरित करने के लिए था।

समाचार सार

बुरु मागे में खूब थिरके मंत्री दीपक बिरुवा

KHARSAWAN : सरायकेला-खरसावां जिले के खरसावां स्थित प्रसिद्ध मां आकर्षणी मंदिर शक्तिपीठ में सोमवार को आयोजित बुरु मागे पूजा में

राज्य के मंत्री दीपक बिरुवा भी शामिल हुए। बिरुवा व खरसावां विधायक दशरथ गागराई के आगमन पर पूजा पूजा कमेटी के सदस्यों ने ढोल-मांदर से उनका भव्य स्वागत किया। मंदिर परिसर में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में मंत्री भी मांदर बजाते हुए जमकर थिरके। इस अवसर पर खरसावां के अंचलाधिकारी कप्तान सिंकू, पूजा कमेटी के पदाधिकारी एवं सदस्य तथा क्षेत्र के गणमान्य मौजूद थे।

भाषण व निबंध प्रतियोगिता के विजेता घोषित

GHATSILA : घाटशिला कॉलेज में स्वामी विवेकानंद जयंती पर

आयोजित तीन दिवसीय युवा उत्सव में भाषण, निबंध व चित्रांकन प्रतियोगिता हुई थी। 11-13 जनवरी तक हुई प्रतियोगिता में 346 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया था। प्राचार्य डॉ. आरके चौधरी ने कहा कि सभी विजेता गणतंत्र दिवस पर पुरस्कृत किए जाएंगे।

इंटरनेशनल कराटे चैंपियनशिप में जाएंगे 22 खिलाड़ी

CHAIBASA : जेके एआई 42वीं राष्ट्रीय सीनियर कराटे चैंपियनशिप

राष्ट्रीय कराटे ट्रेनिंग कैंप वेटरन नेशनल कराटे चैंपियनशिप सह 17वीं क्यू लेवल नेशनल कराटे चैंपियनशिप एवं प्रथम इन्विटेशनल इंटरनेशनल कराटे चैंपियनशिप हैदराबाद में 18-22 जनवरी तक होगी, जिसमें जेकेएआई झारखंड के 22 खिलाड़ी भाग लेंगे।

डिमना चौक में लगी तिलका माझी की पत्थलगड़ी

JAMSHEDPUR : तिलका माझी शहीद स्मारक समिति ने सोमवार को

शहादत दिवस समारोह में बाबा तिलका माझी के नाम की पत्थलगड़ी डिमना चौक के गोलचक्कर पर लगाई। इस अवसर पर माझी बाबा रमेश मुर्मू और दीपक रंजीत ने कहा कि समिति जल्द ही बाबा तिलका माझी की विशाल प्रतिमा स्थापित करेगी। कार्यक्रम में राखाल सोरेन, रमेश मुर्मू, दीपक रंजीत, लखु तंतुबाई, सुनील रजक, कामेश्वर महतो, नविन सोरेन, हौंडा दास, पाडु गोराई आदि उपस्थित थे।

मधुसूदन सोसाइटी व ट्रस्ट ने बांटे वस्त्र

CHAKRADHARPUR : मधुसूदन मेमोरियल एजुकेशनल सोसाइटी व

सरस्वती देवी मेमोरियल एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा मकर संक्रांति व टुसु परब पर मधुसूदन विद्यालय परिसर आसनतलिया में जरूरतमंदों के बीच नए वस्त्र का वितरण किया गया। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम में सोसाइटी व ट्रस्ट ने 250 लोगों में वस्त्र बांटे।

फोटो खिंचाने आए युवक ने स्टूडियो मालिक को मार दी गोली, हुई मौत

चांडिल चौक पर सोमवार की सुबह हुई घटना से मची अफरातफरी, नहीं पता चला कारण

PHOTON NEWS SERAIKELA : जिले के चांडिल स्थित कल्पना स्टूडियो में सोमवार की सुबह फोटो खिंचवाने के बहाने भीतर घुसे बदमाशों ने उसके मालिक दिलीप की गोली मारकर हत्या कर दी। बताया जाता है कि युवक बाइक से स्टूडियो आए थे। घटना को अंजाम देने के बाद बाइक पर सवार होकर भाग निकले। गोली लगने के बाद घायल दिलीप को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल ले जाया गया था, लेकिन वहां से उसे टीएमएच ले जाने की सलाह दी गई।

टीएमएच में चिकित्सकों ने जांचोपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही चांडिल थाना प्रभारी दिलसोन गिरूवा दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन में जुट गए। किस

मृतक की फाइल फोटो

कारण घटना को अंजाम दिया गया। इसका अभी पता नहीं चल सका है।

पुलिस इसकी जांच कर रही है। मृतक के परिवार के लोग भी कुछ बता नहीं पा रहे हैं। वहीं दिन-दहाड़े गोली मारकर हत्या किए जाने की घटना के बाद से क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है।

ताजुद्दीन हत्याकांड को लेकर सरायकेला पहुंची आयोग की टीम

PHOTON NEWS JSR : आदित्यपुर थाना क्षेत्र के सपड़ा में पिछले साल दिसंबर में हुए ताजुद्दीन हत्याकांड की जांच अल्पसंख्यक आयोग ने शुरू कर दी है। आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्ला खान के नेतृत्व में चार सदस्यीय टीम सोमवार को सरायकेला पहुंची। टीम ने जिले के अधिकारियों के साथ सर्किट हाउस में मीटिंग की, जिसमें अब तक हुई कार्रवाई का ब्योरा लिया। इस मीटिंग में आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम, सदस्य वारिश कुरैशी और कारी बरकत अली भी शामिल थे। ताजुद्दीन के परिजन भी मीटिंग में मौजूद रहे। मीटिंग के बाद पत्रकारों से बात करते हुए हिदायतुल्ला खान ने कहा कि जांच में सामने आया है कि ताजुद्दीन हत्याकांड मॉबलिंचिंग का मामला है। टीम इसकी बारीकी से जांच कर रही है। इसके तकनीकी पहलुओं को देखकर अंतिम रिपोर्ट तैयार की

जाएगी। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक आयोग पीड़ित के परिजनों को आर्थिक सहायता दिलाने के लिए भी प्रयासरत है। इसके लिए सरकार से अनुशंसा की जाएगी। मीटिंग में एसडीओ चांडिल, सीओ चांडिल, डीएसपी चांडिल, सरायकेला के इंस्पेक्टर राजीव कुमार, कपाली के ओपी प्रभारी आदि मौजूद रहे।

परिजन के घर भी पहुंची टीम : अल्पसंख्यक आयोग की टीम मृतक ताजुद्दीन के घर पहुंची। परिजनों से मामले की जानकारी ली है। गौरतलब है कि 8 दिसंबर को अज्ञात लोगों ने शेख ताजुद्दीन की बेरहमी से तब हत्या कर दी थी, जब वह फेरी करने सपड़ा गांव गया था। इस मामले में चार आरोपियों ने अदालत के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था।

असम राइफल के जवान की सड़क दुर्घटना में मौत

CHAIBASA : असम राइफल के जवान पांड्रासाली के दोपाइ गांव निवासी 42 वर्षीय बागुन तियु की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। वे मुफस्सिल थाना अंतर्गत सुपलसाइ में रहते थे। जानकारी के अनुसार, रविवार रात को जवान बादेया गांव से फुटबॉल मैच देखकर सुपलसाइ अपने घर लौट रहा था। रास्ते में बडा टोन्टो के पास किसी अज्ञात वाहन ने पीछे से धक्का मार दिया।

इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। उन्हें देर रात को ही मुफस्सिल थाना की पुलिस ने सदर अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां चिकित्सकों ने मृत्यु घोषित कर दिया। सोमवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया। परिजनों ने बताया कि वह असम राइफल में कार्यरत था और लद्दाख में तेनात थे। 2 जनवरी को छुट्टी लेकर घर आया था, उसके पड़ोसी के साथ जमीन विवाद चल रहा था और वह मामले को सुलझाने के लिए ही आया था। पुलिस ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है।

एसडीओ ने की छापेमारी, स्कूल के पास तंबाकू उत्पाद बेचते 5 दुकानदार धराए

स्कूल परिसर के 100 मीटर दायरे में बेचने पर प्रतिबंध

PHOTON NEWS JSR : एसडीओ, धालभूम शताब्दी मजूमदार ने सोमवार को साकची में स्कूलों के आसपास स्थित दुकानों में छापेमारी की। इस दौरान पांच दुकानों में तंबाकू उत्पाद मिले। इन सभी पर एसडीओ ने एक-एक हजार रुपये जुमार्ना लगाया। छापामारी के दौरान जांच दल में एसडीओ के अलावा कार्यपालक दंडाधिकारी चंद्रजीत सिंह और खाद्य सुरक्षा अधिकारी मंजर हुसैन भी शामिल थे। जिला प्रशासन महीने भर से नशे के खिलाफ अभियान चला रहा है। इसी कड़ी में स्कूलों के आसपास तंबाकू उत्पाद बेचने वाले दुकानदारों पर शिकंजा कसा जा रहा है। साकची, कदमा और

साकची में जांच करतीं एसडीओ शताब्दी मजूमदार ● फोटोन न्यूज

इन स्कूलों के आसपास हुई छापामारी

एसडीओ ने आमबगान क्षेत्र में शारदामणि स्कूल और राजस्थान विद्या मंदिर के आसपास की दुकानों में छापामारी की है। इलाके के दुकानदारों को पहले से चेतावनी जारी कर दी गई थी कि वह स्कूलों के पास तंबाकू उत्पाद की बिक्री न करें। इसके बावजूद दुकानदार नहीं माने और वह लगातार तंबाकू उत्पाद बेच रहे थे। मुखबिर की सूचना पर एसडीओ ने यह छापामारी की है।

बिष्टुपुर समेत शहर के विभिन्न इलाकों में दुकानों के आसपास पहले भी छापामारी हुई थी। कई दुकानदारों पर जुमार्ना लगाया गया है। इसके बावजूद दुकानदार मान नहीं रहे हैं। स्कूलों के आसपास तंबाकू उत्पाद बेचने का सिलसिला जारी है।

नाना-नानी के साथ मेला गई नाबालिग लापता

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के गुवा थाना क्षेत्र के जाटा हाटिंग के रहने वाले करणहारो की 14 वर्षीय नाबालिग बच्ची लापता हो गई है। परिजनों ने थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। सोमवार को थाने में पिता ने बताया कि

14 वर्षीय मेरी बेटी ममता होरो 8 जनवरी को बड़ाजामदा में बाजार करने के लिए अपने नाना और नानी के साथ गुवा से सेल की बस से निकली थी। बड़ाजामदा पहुंचकर अपने नाना से मोबाइल फोन लेकर गेम खेलते खेलते नाना-नानी से बिछड़ गई। काफी खोजबीन के बाद भी उसका पता नहीं चला। उसका मोबाइल भी स्विचऑफ बता रहा है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

मालिकाना मुद्दे को उलझाने में नीतियां जिम्मेदार : सरयू

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने शहर की 86 बस्ती के मालिकाना हक को लेकर अपना मुंह खोला है। उन्होंने कहा कि मालिकाना हक का मुद्दा काफी महत्वपूर्ण था। लेकिन, यह इसलिए नहीं हो सका, क्योंकि इसके पीछे पुरानी सरकार की नीतियां जिम्मेदार हैं। पुरानी सरकार से उनका मतलब रघुवर सरकार से है। विधायक सरयू राय ने कहा कि उन्होंने मोहरदा जलापूर्ति योजना, मालिकाना हक और नगर निगम के मुद्दे को जनहित के हिसाब से सुलझाने का प्रयास किया था। लेकिन, सरकार ने कहा है कि जो पुरानी सरकार थी, उस वक्त इन दोनों मुद्दों को लेकर एक निर्णय हो गया है। सरयू राय ने कहा कि अब सरकार इस मामले को लेकर हुए पुराने निर्णय को बदलना नहीं चाहती है। इसलिए ये दोनों मुद्दे

नहीं सुलझ पाए।

मानगो में नगर निगम नोटिफाइड एरिया से बदतर : विधायक सरयू राय ने कहा कि मानगो में स्थिति अधिक दयनीय है। मानगो नगर निगम नोटिफाइड एरिया कमेटी से भी बदतर है। मानगो नगर निगम का अपना कार्यालय तक नहीं है। नगर निगम का चुनाव होगा। मेयर और डिप्टी मेयर जीत कर आएंगे। नगर निगम में उनके बैठने तक की व्यवस्था नहीं है। मानगो नगर निगम को कार्यालय उपलब्ध कराना। मानगो में कचरा प्रबंधन और पेयजल व्यवस्था ठीक करना उनका प्राथमिक मकसद है।

बिद्युत ने 4 नई ट्रेनों की मांग रखी, तो जोबा मांझी ने कहा- कोरोना पूर्व के स्टॉपेज शुरू किए जाएं

दक्षिण पूर्व रेलवे जोन के तहत चक्रधरपुर व रांची मंडल की संयुक्त बैठक आयोजित

PHOTON NEWS JSR: दक्षिण पूर्व रेलवे जोन के तहत चक्रधरपुर-रांची मंडल की संयुक्त कमेटी की बैठक सोमवार को हाईवे स्थित होटल वेव इंटरनेशनल में हुई। बैठक की अध्यक्षता सांसद बिद्युत बरण महतो ने की। बैठक में चक्रधरपुर और रांची मंडल के अंतर्गत 11 सांसद उपस्थित थे, 9 अनुपस्थित रहे। सबसे पहले दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा ने चालू वित्तीय वर्ष के लिए माल ढुलाई और यात्री सुविधा विकास की जानकारी दी। इस दौरान सांसदों ने यात्रियों के लाभ के लिए ट्रेन सेवाओं, ठहराव, सफाई, रेलवे परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने आदि से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर रेलवे प्राधिकरण को सलाह दी। उन्होंने नई ट्रेनें, मौजूदा ट्रेनों के नए ठहराव, स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं का प्रावधान, ट्रेनों में समय की पाबंदी आदि का अनुरोध किया है। नई लाइनों, सड़क ओवरब्रिज, अंडरपास, ट्रेनों की आवृत्ति में वृद्धि, सेवा का विस्तार, स्टेशनों के उन्नयन आदि के निर्माण और पूरा होने पर चर्चा हुई। सांसदों ने अपने क्षेत्र में चलने वाले रेल की योजनाओं, विकास कार्यों व रेलवे सुविधाओं को लेकर अधिकारियों से चर्चा की। इसके साथ ही अधिकतर सांसदों ने कोरोना से पहले कई ट्रेनों के स्टेशनों पर ठहराव को बंद करने के बाद ठहराव शुरू नहीं होने की शिकायत की। सिंहभूम सांसद जोबा मांझी ने इसे प्रमुखता से उठाया। बैठक में लोहरदगा सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा और ट्रेनों के समय से परिचालन सुनिश्चित करने में रेलवे के फेल होने का मामला उठाया। वहीं इस दौरान जमशेदपुर के सांसद बिद्युत बरण महतो ने जमशेदपुर संसदीय क्षेत्र के तहत आने वाली मांगों को प्रमुखता से रखा।

सिंहभूम की सांसद ने रखी 32 मांगें

CHAKRADHARPUR : सिंहभूम की सांसद जोबा मांझी सोमवार को जमशेदपुर के होटल द वेव इंटरनेशल में आयोजित चक्रधरपुर और रांची रेल मंडल के अंतर्गत सांसदों की डिवीजनल कमेटी की बैठक में शामिल हुईं। यहां उन्होंने चाईबासा से रांची तक सीधी ट्रेन चलाने की मांग रखी। इस दौरान सांसद ने रेल जीएम अनिल कुमार मिश्रा, चक्रधरपुर के डीआरएम तरूण हुरिया सहित रेलवे के वरीय अधिकारियों के समक्ष अपने संसदीय क्षेत्र से संबंधित यात्री सुविधाओं की करीब 32 मांगें रखीं।

आधा दर्जन कर्मचारियों का बीडीओ ने काटा वेतन

GHATSILA : मकर संक्रांति के एक दिन पहले सोमवार को हाफ डे काम करने के बाद प्रखंड कार्यालय के विभिन्न कार्यालय कक्ष में कर्मचारी नदारद थे। शाम 3:30 बजे के बाद से कई कर्मचारी तथा अनुसेवी बिना किसी सूचना के कार्यालय से गायब थे। इसके कारण कई लोग को परेशानी का सामना करना पड़ा। लोगों की शिकायत मिलने पर इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी युनिका शर्मा ने बताया कि कुछ देर के लिए कार्यालय से बाहर निकले थे। वापस लौटने पर जब रिपोर्ट बनाने के लिए कर्मचारियों को खोजा गया तो पता चला कि कर्मचारी गायब है। इस तरह से काम में लापरवाही साफ नजर आ रही है। इसके कारण 6 कर्मचारियों का एक दिन का वेतन काटते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि किसी भी कर्मचारी द्वारा इस तरह बिना सूचना के कार्यालय से बाहर निकल जाना पूरी तरह लापरवाही दर्शाता है। बीडीओ ने कहा कि कम से कम कार्यालय में प्रधान लिपिक उपस्थित थे, उन्हें सूचना देकर जाना चाहिए था, परंतु उन लोगों ने किसी तरह की जानकारी देना उचित नहीं समझा। कई तरह की रिपोर्ट बनानी थी, वह नहीं बन सकी। मंगलवार को मकर संक्रांति की छुट्टी है। जानकारी के अनुसार बताया जाता है कि 6 महिला कर्मी आधे दिन काम करने के बाद बिना सूचना के कार्यालय से गायब थीं।

पूर्वी सिंहभूम के 18 फीसद शिक्षकों ने ई-विद्यावाहिनी से नहीं बनाई हाजिरी

ऐसे शिक्षकों की तैयार की जा रही सूची, होगी कार्रवाई

PHOTON NEWS JSR : पूर्वी सिंहभूम जिले में सरकारी स्कूलों के टीचर ई-विद्यावाहिनी के जरिए अटेंडेंस दर्ज करने में कोताही बरत रहे हैं। दिसंबर में 18 प्रतिशत शिक्षकों ने ई-विद्या वाहिनी के जरिए अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं कराई है। इन शिक्षकों पर कार्रवाई का खाका तैयार हो रहा है। ऐसे शिक्षकों की सूची तैयार की जा रही है। इसी तरह 29 फीसद बच्चों ने भी ई-विद्यावाहिनी के जरिए अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं कराई है। डीसी अनन्य मित्तल ने सोमवार को डीसी ऑफिस में शिक्षा और कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक की। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी शिक्षकों और छात्रों की हाजिरी ई-विद्यावाहिनी के जरिए बनाई जाए।

समाहरणालय सभागार में बैठक करते उपायुक्त अनन्य मित्तल

कई विद्यार्थियों के बैंक खाते में त्रुटि

समीक्षा में पता चला कि स्कूलों में पोशाक का वितरण 93% हुआ है। इसे 100% करने का निर्देश दिया गया। छात्र-छात्राओं के बैंक खाते में खामी की वजह से उन्हें विभिन्न योजना के लाभ की रकम खाते में नहीं दी जा रही है। बैंक खाते की त्रुटि दूर करने का निर्देश दिया गया। जनवरी के अंत तक यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि सभी विद्यार्थियों को साइकिल उपलब्ध हो जाए। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 7366 विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री विशेष स्कॉलरशिप योजना के तहत राशि दी जानी है। अभी तक कक्षा 1 से 8 तक के 32 फीसद विद्यार्थियों और कक्षा 9 से कक्षा 12 तक 15 फीसद विद्यार्थियों को यह रकम नहीं दी गई है। वंचित विद्यार्थियों को डीबीटी के जरिए जल्द राशि देने के निर्देश दिए गए हैं।

17 हजार 255 विद्यार्थियों का नहीं खुला खाता

जिले में कुल 1 लाख 74 हजार 727 विद्यार्थी हैं। इनमें से 17 हजार 255 विद्यार्थियों का खाता अब तक नहीं खुल पाया है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने डीसी को बताया कि 6896 बच्चों के फॉर्म बैंक में जमा कराए गए हैं।

ओडिशा-झारखंड सीमा स्थित वैतरणी नदी तट पर लगेगा मेला, वनवास के दौरान इस नदी के तट पर श्रीराम ने की थी शिवलिंग की पूजा

मकर संक्रांति के अवसर पर आज हजारों श्रद्धालु लगाएंगे डुबकी

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला के जगन्नाथपुर अनुमंडल में झारखंड और ओडिशा सीमा पर स्थित मोक्षदायिनी वैतरणी नदी में 14 जनवरी को हजारों श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाएंगे। यह स्थान रामेश्वर शिव मंदिर, रामतीर्थ भगवान राम और शिव की याद दिलाता है। भक्तों का मानना है कि जब भगवान राम 14 वर्ष के वनवास में थे, तब इसी समय वैतरणी नदी के रामतीर्थ में कुछ समय बिताया था। यहां शिवलिंग स्थापित कर पूजा-अर्चना कर अपने मार्ग पर निकल गए थे। यहां आज भी मंदिर परिसर में भगवान राम के पदचिह्न हैं। इस मंदिर में प्रभु राम, माता सीता, भाई लक्ष्मण, हनुमान और जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा

वैतरणी नदी के तट पर भोले बाबा का मंदिर व श्रीराम के पदचिह्न ● फोटोन न्यूज

प्रभु आदि की मूर्तियां स्थापित हैं। रामेश्वर शिव मंदिर के पूर्वी छोर पर पहरेदार के रूप में नंदी भगवान विराजमान हैं। यहां भगवान शिव की पूजा-अर्चना के लिए बेलपत्र, धतूरा पुष्प, भांग, ओड़हुल, कराट, बेर के पेड़ आदि उपलब्ध हैं। रामेश्वर शिव मंदिर प्रकृति के सौंदर्य का अनुपम उदाहरण है।

यहां हर वर्ष 14 जनवरी के दिन मकर संक्रांति पर भव्य मेला लगता है। यहां भक्त पूजा-अर्चना के बाद वैतरणी नदी टट पर कुछ क्षण बिताते हैं, जहां बहते पानी की कल-कल करती आवाजें बड़े-बड़े पत्थरों का नजारा देखते हुए लोग गर्म-ठंडी रेत पर बैठकर आनंद उठाते हैं। इस कारण भक्तों में एक अलग ही मन की शांति, शरीर में एक अलौकिक शांति, भक्ति की भावना जागृत होती है। यहां झारखंड, ओडिशा, बिहार व बंगाल से भी लोग पहुंचते हैं। रामेश्वर महादेव मंदिर के दर्शन कर पूजा-अर्चना कर भोग आदि ग्रहण कर करते हैं। यहां का मनोरम दृश्य पिकनिक के लिए भी एक खास जगह है। बता दें कि रामेश्वर मंदिर रामतीर्थ का शिवलिंग काफी प्राचीनकाल से विराजमान है। कहा जाता है कि यहां शिवलिंग का प्राकृतिक प्रादुर्भाव हुआ था। इस जगह के पास देवगांव के दिउरी को सपने में संकेत मिला था, जिसके बाद दिउरी वैतरणी नदी पर जाकर शिव की अद्भुत दृश्य देख पूजा-अर्चना शुरू की। यह परंपरा सदियों से चलती आ रही है।

कैसे पहुंचें

चाईबासा से सड़क मार्ग द्वारा जैंतगढ़ होते हुए रामतीर्थ रामेश्वर की दूरी 68 किलोमीटर है। जैंतगढ़ से नोवामुंडी मुख्य सड़क स्थित देवगांव से 1 किलोमीटर जाना पड़ता है। क्योंझर, ओडिशा से सड़क मार्ग द्वारा चंपुआ होते हुए रामेश्वर मंदिर की दूरी 64 किमी है। चंपुआ शहर के मुस्लिम बस्ती रोड होते हुए 4 किमी जाना पड़ता है। रेल मार्ग से चाईबासा बड़बिल पैसेंजर ट्रेन से डांगुवापोसी स्टेशन पर उतरना पड़ता है। यहां से वाहन पकड़कर 12 किमी की दूरी तय कर मंदिर पहुंचा जा सकता है।

रामेश्वर महादेव की पूजा-अर्चना करने प्रत्येक सोमवार को सैकड़ों भक्त-श्रद्धालु आते हैं, जो वैतरणी नदी से जल लेकर जलाभिषेक करते हैं। सावन में हजारों की संख्या में भीड़ होती है।

समस्त नदियां हमारी माता अत्याचार बंद हो : दिनेश मिश्र

दोमुहानी संगम उत्सव में नृत्य करतीं छात्राएं ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR : हिंदू उत्सव समिति और उम्मीद : एक अभियान द्वारा आयोजित दो दिवसी दोमुहानी संगम महोत्सव के पहले दिन रविवार को पर्यावरण गोष्ठी हुई। इसमें देश के जाने-माने पर्यावरणविद डॉ. दिनेश मिश्र ने स्वर्णरेखा नदी की वर्तमान स्थिति एवं इसके इतिहास संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विश्व की समस्त नदियां हमारी माताएं हैं, परंतु वर्तमान में हम अपनी इस माता पर कई प्रकार के अत्याचार कर रहे हैं, जो निश्चित ही हमारे भविष्य पर प्रभाव डालेगी। पर्यावरणविद ओर सेंट्रल यूनिवर्सिटी की प्रो. डॉ. कविता परमार ने कहा कि नदियों को गंदा करना पाप है, हम कूड़ा-करकट नदी में डालकर इसे गंदा करते हैं और मां भी बोलते हैं। इसलिए जिसे मां मानते हैं, उसे गंदा न करें और घर में जो भी प्लास्टिक हो उसे नदी में न डालें।

ठंड के मौसम में डैंड्रफ से हैं परेशान तो इन आसान उपाय को अपनाकर पाएं छुटकारा

ठंड के मौसम में डैंड्रफ होने की समस्या आम हो जाती है। ये सिर्फ हमारे बालों को नुकसान ही नहीं पहुंचाती बल्कि शर्मिंदा भी करती है। इसे दूर करने के लिए कैमिकल युक्त शैम्पू, कंडीशनर का ज्यादा इस्तेमाल करने के बजाय कुछ अन्य उपाय किए जाएं, तो बालों को होने वाले नुकसान से बचाया जा सकता है आइए जानते हैं कुछ टिप्स.

नारियल का तेल

नारियल का तेल रूसी के लिए एक बेहतरीन उपाय है। नहाने से पहले 4-5 चम्मच नारियल के तेल से मालिश करें और 1-2 घंटे बाद बालों को धो लें। रातभर लगाकर भी छोड़ सकते हैं। इससे डैंड्रफ में राहत मिलती है। ऐसा शैम्पू भी इस्तेमाल कर सकते है जिसमें नारियल तेल हो।

शैम्पू करने से पहले डैड्रफ को साफ करने के लिए नमक बहुत कारगर है। नमक को स्कैल्प पर डालकर हल्कें हाथों से रगड़ें इससे मृत त्वचा निकलने लगेगी। कुछ देर रगड़ने के बाद शैम्पू कर लें। आप पाएंगे कि डैंड्रफ पहले से काफी कम हो रहे है। जब भी शैम्पू करें इस प्रक्रिया को अपनाएं कुछ ही समय में डैंड्रफ से काफी हद तक छुटकारा मिल जाएगा।

नींबू का रस

दो चम्मच नींबू के रस को अपने बालों के स्कैल्प पर रगड़कर इससे अच्छी तरह से मालिश करें। फिर एक कप पानी में एक नींबू का रस मिलाएं अब इस पानी से अपने बालों को साफ करें। ऐसा आप हफ्ते में 3 बार करें।

नारियल और नींबू का रस

नारियल के तेल में एक चम्मच नींबू का रस डालकर इन्हें हल्का गर्म कर लें। अब इस तेल से अपने बालों की मसाज करें। फिर शैम्पू से अपने बालों को धो लें। ये प्रक्रिया आप हफ्ते में कम से कम 2 बार जरूर करें।

कुर्ते से लगें स्मार्ट

कुर्ते आज भी उतने ही लोकप्रिय हैं, जितने पहले थे। बस, इसकी स्टाइल में थोड़ा बदलाव जरूर देखने को मिल रहा है। आजकल पाकिस्तानी सूट ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। लड़कियां जोधपुरी शैली के सलवार कुर्ते भी बनवाना पसंद करती हैं। ये कुर्ते ढीले-ढाले और कई रंगों में उपलब्ध होते हैं। आम तौर पर लोगों की राय है कि आज के आधुनिक युग में लड़कियां जींस आदि पहनना ही पसंद करतीं हैं और सलवार कुर्ते तथा अन्य पारंपरिक कपड़ों का चलन कम हो रहा है, लेकिन फैशन डिजाइनरों की राय इससे अलग है। उनका कहना है कि आज भी लड़कियां सलवार कमीज बनवाना पसंद करतीं हैं और अब तो इसमें रेट्रो फैशन की झलक भी देखने को मिल रही है। आजकल तो लड़कियां जींस के साथ भी लांग और शार्ट कुर्ते पसंद करतीं हैं। सलवार के साथ शार्ट कुर्ते या अनारकली स्टाइल के कुर्ते ज्यादा देखे जा रहे हैं। संगीता का कहना है कि कुर्ते को जींस, लेगिंस और जेगिंस, मतलब डेनिम स्टाइल की जींस की तरह दिखने वाली सलवार के साथ पहनने का फैशन काफी प्रचलन में है। केवल सलवार कमीज ही नहीं, दुल्हन के लहंगों में भी आधुनिकता और पारंपरिकता का मिश्रण देखने को मिल रहा है। सलवार कमीज का जादू कुछ और ही होता है। इस आउटफिट में थोड़ी सी तब्दीली करते ही इसे इंडो वेस्टर्न लुक दिया जा सकता है। आइए जानते हैं सलवार-कुर्ते से जुड़े कुछ टिप्स-

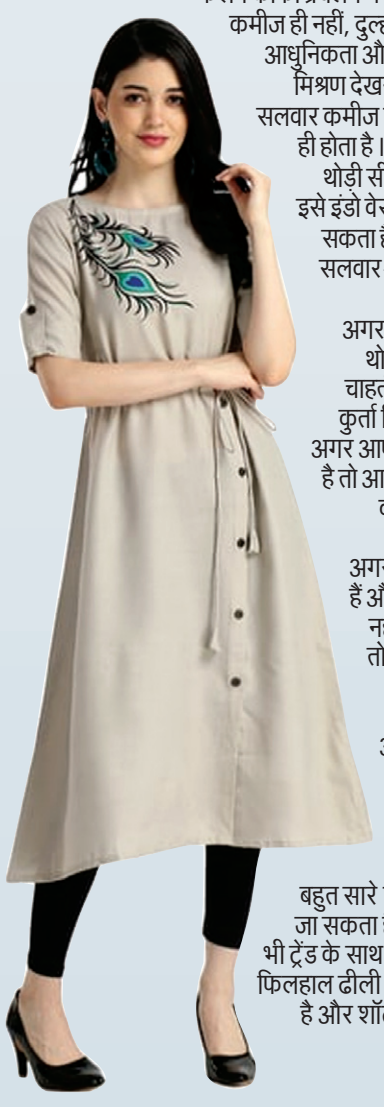

अगर आप अपनी हाइट थोड़ी ज्यादा दिखाना चाहती हैं, तो थोड़ा लंबा कुर्ता सिलवाएं। मसलन अगर आपकी हाइट 5 '3'' है तो आपको 47-48 इंच का कुर्ता सिलवाना चाहिए।

अगर आपके हाथ मोटे हैं और आप स्लीवलेस नहीं पहन सकती हैं, तो 5 इंच की स्लीव्स बनवा लें। इससे आपके हाथ का अतिरिक्त मांस भी छिप जाएगा और आपके हाथ दुबले दिखेंगे। सलवार को बहुत सारे स्टाइल्स में पहना जा सकता है। इनका स्टाइल भी ट्रेंड के साथ बदलता रहता है। फिलहाल ढीली सलवार फैशन में है और शॉर्ट कुर्ते ने एक बार फिर एंट्री की है।

शादी के बाद एक लड़की को अपने पति से ही नहीं बल्कि अपनी सास-ससुर से भी अच्छा तालमेल बनाने की जरूरत है। लेकिन तब क्या हो जब आप घर और ऑफिस की जिम्मेदारियों के चलते बिल्कुल भी समय नहीं निकाल पा रही हों।

कामकाजी महिलाओं को हमेशा रखना चाहिए इन बातों का ध्यान

वो जमाना गया जब महिलाएं घर की चार दीवारी में रहकर ही अपना पूरा जीवन काट देती थीं। आज की महिलाएं न केवल अपने अधिकारों को लेकर स्वतंत्र हैं बल्कि पुरुषों की तरह घर से बाहर निकल अपनी एक अलग पहचान बनाने में भी कामयाब हो रही हैं। हां, वो बात अलग है कि लाख-पढ़ी लिखी होने के बाद भी लड़कियों को ससुराल जैसी पारंपरिक भूमिकाओं से गुजरना पड़ता है, जिसके लिए उन्हें न केवल अपने पति के दिल में जगह बनानी होती है बल्कि अपने सास-ससुर संग एक अच्छे रिश्ते की शुरूआत करना भी उन्हीं की जिम्मेदारी में से एक है। लेकिन सबसे ज्यादा दिक्कत कामकाजी महिलाओं के साथ है, जिन्हें हर पल इस बात की चिंता सताती रहती है कि घर और ऑफिस के बीच क्या वह अपनी संतुलन भूमिकाएं निभा भी पाएंगी या नहीं?

खैर, हम इस तर्क-वितर्क से किसी नतीजे पर पहुंचें उससे पहले आपको बता दें कि जहां कुछ महिलाओं ने एक संयुक्त परिवार में रहने के कई दोष बताएं हैं तो वहीं इसके विपरीत कई कामकाजी महिलाओं का ऐसा कहना है कि एक संयुक्त परिवार में रहना आपके लिए एक मजबूत समर्थन बन सकता है बशर्ते आपको काम और घर के बीच बैलेंस बनाना आता हो। ऐसे में अगर आप भी चाहती हैं कि कम समय में ही आप सभी की लाडली बन जाए तो आपको इन बातों का हमेशा ध्यान रखें।

काम के साथ घर को भी प्राथमिकता

हम इस बात को अच्छे से समझते हैं कि एक लड़की के लिए उसका करियर कितना महत्व रखता है लेकिन शादी के बाद आपको यह भी समझना चाहिए कि अब आप अकेले नहीं है आपका अपना एक परिवार है, जिसके हिसाब से भी अब आपको चीजों को मैनेज करना होगा। शादी से पहले जहां घंटों-घंटों आप ऑफिस में काम करती थीं तो वहीं अब आपको अपने परिवार के लिए भी समय निकालना होगा साथ ही साथ घर खर्च के हिसाब से लेकर पार्टनर के माता-पिता की देखरेख करने तक आपको कई बातों को भी ध्यान रखना होगा।

सुनें और समझें

अगर आप वाकई में चाहती हैं कि आप काम के साथ-साथ अपने परिवार की भी लाडली बनी रहीं तो सबसे पहले बातों को सुनने और समझने की आदत डालें। ऐसा करने से न केवल आप अपने सास-ससुर के मन की बातों को जान पाएंगी बल्कि वह भी आपके काम के महत्व को समझेंगे। यही नहीं, अपने परिवार के हर सदस्यों को जानने की कोशिश करें। यही नहीं, साथ ही साथ उन्हें यह भी बताएं कि घर की जिम्मेदारी को निभाने में आपके लिया क्या संभव है और क्या नहीं।

पति से हो खुलकर बातचीत

किसी ने ठीक ही कहा है कि सबसे अच्छी शादी वह होती है जिसमें पति-पत्नी एक-दूसरे के सबसे अच्छे दोस्त हों। अपने सबसे अच्छे दोस्त के साथ प्यार करने से बेहतर कुछ भी नहीं है। ऐसे में कोशिश करें कि आप और आपके पति के बीच एक स्वस्थ दोस्ती का रिश्ता हो। इसके बाद आपको अपनी शादीशुदा जिंदगी में खुद फर्क समझ आ जाएगा। वह न केवल आपको समझेंगे बल्कि आपको घर-परिवार की जिम्मेदारी का एहसास होगा।

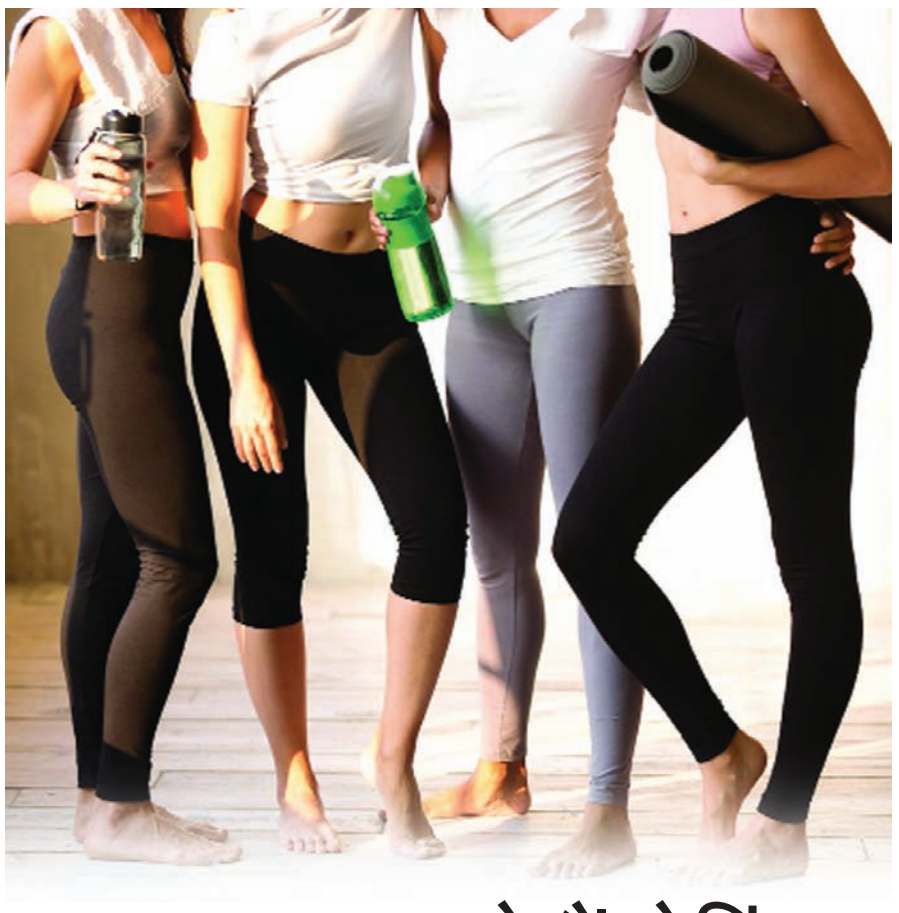

क्या आप जानते हैं लेगिंग्स पहनने का सही तरीका

जब भी कम्फर्ट की बात आती है तो सबसे पहले हम लेगिंग्स के बारे में सोचते हैं, क्योंकि लेगिंग्स काफी आरामदायक होती है। लेकिन इसे पहनने में हम कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं जिसके कारण हम हंसी के पात्र बन जाते हैं।

क्या आप जानती हैं लेगिंग्स पहनने का सही तरीका? अगर हां तो यह बहुत बढ़िया बात है और यदि आपका जवाब ना है तो इस लेख को पढ़कर आप इस बारे में पूरी जानकारी पा सकते हैं।

हमने अक्सर ऐसी कुछ महिलाओं को देखा है, जो लेगिंग्स के साथ क्रॉप टॉप ट्राई कर लेती हैं। लेकिन यदि आप भी ऐसी गलती करती हैं तो इसे छोड़ दें, क्योंकि लेगिंग्स के साथ कभी भी क्रॉप टॉप नहीं पहना जाता। यह दिखने में बहुत भद्दा लगता है।

ये तो बात हुई क्रॉप टॉप कि लेकिन अगर आप छोटे टॉप पर लेगिंग्स पहनने का विचार कर रही हैं तो इसे बिलकुल भी ट्राई न करें, भले ही आप कितनी भी स्लीम ट्रीम क्यों न हों, पर छोटे टॉप के साथ लेगिंग्स की यह स्टाइल आप पर बिलकुल अच्छा नहीं लगेगी। आपको ऐसी अंडरवियर पहनना चाहिए जिसमें हेमलाइन लेगिंग्स के ऊपर नजर न आए। ऐसे लेगिंग्स पहनने में बहुत अजीब सा लगता और आप इसमें कम्फर्टेबल भी नहीं रह सकती हैं।

प्रिंटेड लेगिंग्स को न करें ट्राई

आप प्रिंटेड लेगिंग्स ट्राई न ही करें तो बेहतर है, क्योंकि ये पहनने में बिलकुल भी अच्छे नहीं लगते। इसलिए अगर आप लेगिंग्स लेने जा रही हैं, तो प्रिंटेड लेगिंग्स न ही लें तो बेहतर है।

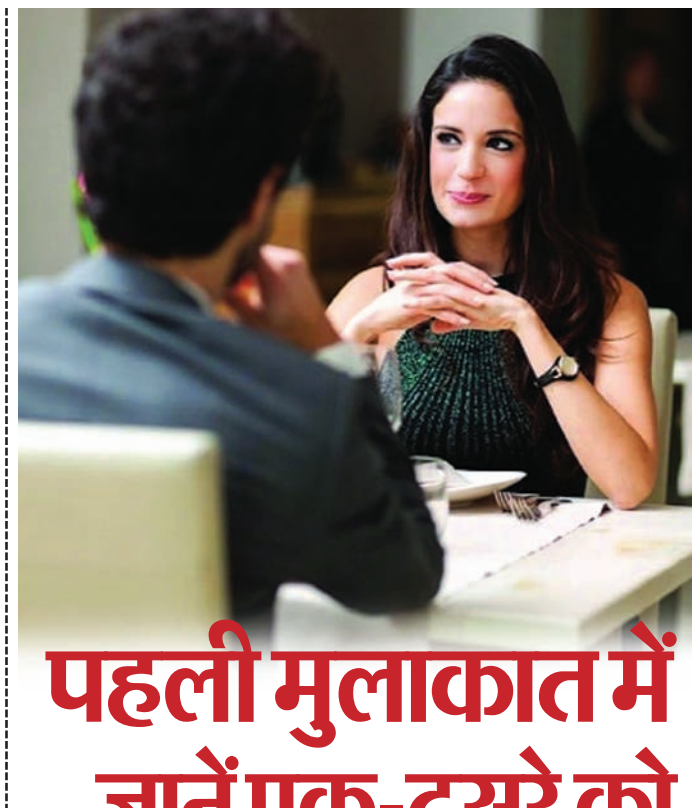

पहली मुलाकात में जानें एक-दूसरे को

जब भी कपल्स एक-दूसरे से मिलने के बारे में सोचते हैं, तो सबसे पहले जेहन में ये बात जरूर आती है कि आखिर पहली मुलाकात में हम बात क्या करेंगे? यही सवाल हमें परेशान करता रहता है और वैसे भी पहली-पहली मुलाकात तो बहुत खास होती है, जो हमेशा याद रहती है।

लेकिन इस मुलाकात में हम एक-दूसरे से बात ही न कर पाएं या यूं कहें कि उस समय क्या बात करें? ये समझ ही न आए तो क्या करें? क्योंकि हमने आमतौर पर देखा है कि हमारे मन में बातें तो ढेरों रहती हैं, लेकिन पहली मुलाकात पर वे बातें जुबान पर आ ही नहीं पातीं और हम शांत बैठे रह जाते हैं। और यहां-वहां देखकर बस यही सोचते रह जाते हैं कि बातें करें तो क्या? आखिर क्या बातें फर्स्ट मीटिंग में करें? कैसे बातों से एक-दूसरे को समझने में आसानी हो सकती है? ऐसी कौन सी बातें हैं, जो आपके पार्टनर को बोर नहीं होने देंगी? आइए जानते हैं।

जब भी किसी के साथ पहली मुलाकात के लिए जाएं तो बातों की शुरुआत आप उनके प्रोफेशन से कर सकते हैं, क्योंकि अधिकतर लोगों को इसमें इंट्रेस्ट जरूर आता है। चाहे प्रोफेशन के बारे में गॉसिप अच्छी हो या बुरी, इस बारे में बात करना लोग काफी पसंद करते हैं। पार्टनर के फेवरेट एक्टर या एक्ट्रेस के बारे में आप पूछ सकते हैं या अभी रिसेंट उन्होंने कौन सी मूवी देखी है? इस बारे में भी आप बात कर सकते हैं। तारीफ किसको पसंद नहीं आती? जनाब तो कॉम्प्लीमेंट करना बिलकुल भी न भूलें। उन्हें नोटिस करें और उनकी तारीफ कीजिए। आप उनके ड्रेसिंग सेंस की तारीफ कर सकते हैं। दोस्तों के बारे में बात करें, क्योंकि लड़का हो या लड़की- सभी को अपने दोस्तों के बारे में बात करना पसंद आता है। तो आप पूछ सकते हैं कि आपके फ्रेंड्स कैसे हैं? किस फ्रेंड्स से अपनी बातें शेयर करते हैं? इस तरह की बातें आपकी मुलाकात को और इंट्रेस्टिंग बनाएंगी। वीकेंड के बारे में पूछें कि उनके इस वीकेंड क्या प्लान हैं? यदि कोई प्लान नहीं हैं, तो आप प्लान कर सकते हैं जिससे कि एक-दूसरे को अच्छे से समझने के लिए और समय मिल सके। अगर बातें बोरिंग हो रही हैं तो आप हंसी-मजाक कर सकते हैं कि उनके साथ ऐसा वाकया कब हुआ, जब उनकी हंसी रुक ही नहीं रही थी। ऐसी कोई फनी बात, जो आपके साथ हुई हो तो वह बात भी आप उनसे शेयर कर सकते हैं।

पाएं हाई हील्स की तकलीफ से छुटकारा

अधिकतर लड़कियां हिल्स पहनना तो चाहती है, लेकिन उन्हें लगता है कि इसे पहनना काफी तकलीफभरा हो सकता है, लेकिन एक अच्छी और स्टाइलिश ड्रेस के साथ हिल्स काफी अच्छी लगती है पर पैरों की तकलीफ के कारण इसे नहीं चुनते हैं। लेकिन हम यहां आपको कुछ ऐसे टिप्स बता रहे है जिन्हें अपनाकर आप हाई हिल्स में कंफर्टेबल हो सकती है हम ये नहीं कहते कि हिल्स में आप बहुत आरामदायक महसूस करेंगी लेकिन कुछ टिप्स को अपनाकर आप हाई हिल्स पहनने से होने वाली दिक्कतों से बच सकती हैं.तो आइए, जानते हैं कि हाई हील्स पहनने के दौरान होने वाली परेशानी को आप कैसे कम कर सकती हैं

सैंडिल के सही साइज का चुनाव करें

हील्स वाली सैंडिल में आपके पैर आगे की ओर पुश होते हैं, ऐसे में अपने लिए सही साइज की सैंडिल का चुनाव करें।

अपना फुट टाइप पहचानें

सभी के फुट अलग-अलग होते हैं, किसी के पैर के पंजे चौड़े तो किसी के पतले होते हैं। अपने पंजे के अनुसार सैंडिल के आगे की डिजाइन चुनें, जिससे कि आपके पैर आगे से दबे नहीं।

मोटी हील को प्राथमिकता दें

मोटी हील आपके पैरों को ज्यादा कवरेज और सपोर्ट देती हैं। इसे पहनने से आपकी एड़ियों पर कम दबाव पड़ेगा, जिससे पैरों में दर्द भी कम होगा।

ब्रेक लें

पार्टी व किसी खास अवसर पर ही हाई हील्स पहनें। यदि इसके अलावा भी पहनें तो कभी-कभी फ्लेट चप्पल पहनें और अपने पैरों को थोड़ा ब्रेक दें।

हील की पोजीशन का ख्याल रखें

आपके जूते ऐसे होने चाहिए जिसमें बॉडी का भार पंजों और हील दोनों पर रहे। वरना पंजो या फिर हील पर ज्यादा प्रेशर पड़ेगा। ऐसा होने पर पैरों में दर्द शुरू हो सकता है। इसलिए हील की पोजीशन का ख्याल जरूर रखें।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में मध्यमवर्गीय परिवारों को देनी होगी राहत

प्रहलाद सबनानी

भारत में भी हाल ही के वर्षों में मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या में भारी वृद्धि दर्ज हुई है। परंतु, मुद्रा स्फीति, कर का बोझ एवं इन परिवारों की आय में वृद्धि दर में आ रही कमी के चलते इन परिवारों की खर्च करने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है, जिससे कई कम्पनियों का यह आंकलन सामने आया है कि विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में उपभोग की जाने वाली वस्तुओं की मांग में कमी दृष्टिगोचर हुई है।

किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में मध्यमवर्गीय परिवारों की प्रमुख भूमिका रहती है। देश में ही निर्मित होने वाले विभिन्न उत्पादों की मांग इन्हीं परिवारों के माध्यम से निर्मित होती है। गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे परिवार जब मध्यमवर्गीय परिवारों की श्रेणी में शामिल होते हैं तो उन्हें नया स्कूटर, नया फ्रिज, नया एयर कंडिशनर, नया टीवी एवं इसी प्रकार के कई नए पदार्थों (उत्पादों) की आवश्यकता महसूस होती है। साथ ही, नए मकानों की मांग भी मध्यमवर्गीय परिवारों के बीच से ही निर्मित होती है। इसीलिए यह कहा जाता है कि जिस देश में मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या जितनी तेजी से बढ़ती है उस देश का आर्थिक विकास भी उतनी ही तेज गति से आगे बढ़ता है। भारत में भी हाल ही के वर्षों में मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या में भारी वृद्धि दर्ज हुई है। परंतु, मुद्रा स्फीति, कर का बोझ एवं इन परिवारों की आय में वृद्धि दर में आ रही कमी के चलते इन परिवारों की खर्च करने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है, जिससे कई कम्पनियों का यह आंकलन सामने आया है कि विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में उपभोग की जाने वाली वस्तुओं की मांग में कमी दृष्टिगोचर हुई है। विशेष रूप से उपभोक्ता वस्तुओं के क्षेत्र में उत्पादन करने वाली कम्पनियों का इस संदर्भ में आंकलन बेहद चौंकाने वाला है। साथ ही, वित्तीय वर्ष 2023-24 की द्वितीय तिमाही में इन कम्पनियों द्वारा उत्पादित उपभोक्ता वस्तुओं की बिक्री एवं लाभप्रदता में भी कमी दिखाई दी है।

गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों के लिए केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा चलायी जा रही विभिन्न सहायता योजनाओं का लाभ अब सीधे ही इन परिवारों को पहुंचने लगा है। 80 करोड़ से अधिक नागरिकों को प्रतिमाह मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। किसानों के खातों में सहायता राशि सीधे ही जमा की जा रही है। विभिन्न राज्यों द्वारा लाड़ली लक्ष्मी योजना, लाड़ली बहिना योजना आदि माध्यम से महिलाओं के खातों में सीधे ही राशि जमा की जा रही है। इसके साथ ही इन परिवारों के सदस्यों को रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध होने लगे हैं। जिससे इस श्रेणी के परिवारों में से कई परिवार

अब मध्यमवर्गीय श्रेणी के परिवारों में शामिल हो रहे हैं। केंद्रीय श्रम मंत्री ने हाल ही में भारतीय संसद को बताया है कि देश में पिछले 10 वर्षों में रोजगार उपलब्ध नागरिकों की संख्या 36 प्रतिशत बढ़कर वित्तीय वर्ष 2023-24 में 64.33 करोड़ के स्तर पर आ गई है, यह संख्या वर्ष 2014-15 में 47.15 करोड़ के स्तर पर थी। वर्ष 2024 से वर्ष 2014 के बीच, 10 वर्षों में रोजगार में लगभग 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई थी अर्थात इस दौरान केवल 2.9 करोड़ अतिरिक्त नौकरियां सृजित हो सकीं थी, जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2024 के बीच 17.19 करोड़ अतिरिक्त नौकरियां सृजित हुई हैं, यह लगभग 6 गुना से अधिक की वृद्धि दशार्ता है। पिछले केवल एक वर्ष अर्थात वित्तीय वर्ष 2023-24 के बीच ही देश में लगभग 4.6 करोड़ नौकरियां सृजित हुई हैं। कृषि क्षेत्र में वर्ष 2004 से वर्ष 2014 के बीच रोजगार में 16 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2023 के बीच कृषि के क्षेत्र में रोजगार में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई हैं। इसी प्रकार विनिर्माण के क्षेत्र में भी वर्ष 2004 से वर्ष 2014 के बीच रोजगार में केवल 6 प्रतिशत दर्ज हुई थी जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2023 के बीच विनिर्माण के क्षेत्र में रोजगार में 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। सेवा के क्षेत्र में तो और भी अधिक तेज वृद्धि दर्ज हुई है। वर्ष 2004 से वर्ष 2014 के बीच सेवा के क्षेत्र में रोजगार 25 प्रतिशत की दर से बढ़ा था, जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2023 के बीच इसमें 36 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस सबका असर बेरोजगारी की दर में कमी के रूप में देखने में आया है। देश में बेरोजगारी की दर वर्ष 2017-18 के 6 प्रतिशत से वर्ष 2023-24 में घटकर 3.2 प्रतिशत रह गई है। इसका सीधा असर कामकाजी आबादी अनुपात पर भी पड़ा है जो वर्ष 2017-18 के 46.8 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 58.2 प्रतिशत पर पहुंच गया है। सबसे अच्छी स्थिति तो संगठित क्षेत्र में कार्य कर रहे नागरिकों की संख्या में वृद्धि से बनी है। क्योंकि संगठित क्षेत्र में कार्य कर रहे युवाओं को नियोक्ताओं द्वारा कई प्रकार की अतिरिक्त सुविधाएं केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा जारी नियमों के अंतर्गत प्रदान की जाती है। संगठित क्षेत्र में शामिल होने वाले युवाओं (18 से 28 वर्ष के बीच की आयु के) की संख्या में सितम्बर 2017 से सितम्बर 2024 के बीच 4.7 करोड़ की वृद्धि दर्ज हुई है, ये युवा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ई पी एफ ओ) से भी जुड़े हैं।

यदि किसी देश में मुद्रा स्फीति की दर लगातार लम्बे समय तक उच्च स्तर पर बनी रहे एवं नागरिकों की आय में वृद्धि दर मुद्रा स्फीति में हो रही वृद्धि दर से कम रहे तो इसका सीधा असर मध्यमवर्गीय परिवार के बचत एवं खर्च करने की क्षमता पर पड़ता है। यदि मध्यमवर्गीय परिवार के खर्च करने की क्षमता कम होगी तो निश्चित ही बाजार में विभिन्न उत्पादों की मांग भी कम होगी इससे विभिन्न कम्पनियों द्वारा उत्पादित वस्तुओं की बिक्री भी कम होगी। यह स्थिति हाल ही के समय में भारत की अर्थव्यवस्था में दृष्टिगोचर है। अतः वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट से यह अपेक्षा की जानी चाहिए कि केंद्र सरकार द्वारा इस प्रकार के प्रयास किए जाएंगे जिससे मुद्रा स्फीति की दर देश में कम बनी रहे एवं मध्यमवर्गीय परिवारों की आय में वृद्धि हो। साथ ही, मध्यमवर्गीय परिवारों की आय पर लगाए जाने वाले आय कर में भी कमी की जानी चाहिए। बैंकों द्वारा प्रदान किए जा रहे ऋणों पर ब्याज दरों में कमी की घोषणा द्वारा भी मध्यमवर्गीय परिवारों को कुछ हद तक राहत पहुंचाई जा सकती है। ऋण पर ब्याज दरों में कमी करने से मध्यमवर्गीय परिवारों द्वारा ऋण खातों में जमा की जाने वाली मासिक किस्त की राशि में कमी होती है और उनकी खर्च करने की क्षमता में कुछ हद तक सुधार होता है। मध्यमवर्गीय परिवारों के हित में यदि उक्त उपाय नहीं किया जाते हैं तो बहुत सम्भव है कि यह मध्यमवर्गीय परिवार एक बार पुनः कहीं गरीबी रेखा के नीचे नहीं खिसक जाय। अतः वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट के माध्यम से मध्यमवर्गीय परिवारों को राहत प्रदान करने का भरपूर प्रयास किया जाना चाहिए।

संपादकीय

चुनौती है बड़ी

डार्क वेब, क्रिप्टोकरेंसी और ड्रोन देश के लिए चुनौती बने हुए हैं, और इनको लेकर सख्त कदम उठाने होंगे। नई दिल्ली में 'मादक पदार्थों की तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा' विषयक क्षेत्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि राष्ट्र मादक पदार्थ की तस्करी देशके अंदर या बाहर कतई नहीं होने देगा। कहा कि सरकार ने न केवल मादक पदार्थों के कई नेटवर्क को खत्म करने में सफलता पाई है, बल्कि उनसे जुड़े. आतंकवाद को भी नेस्तानाबूद किया है। जम्मू-कश्मीर, पंजाब, गुजरात और उत्तर प्रदेश में नार्को-आतंकवाद के कईमामलों का भंड़ाफोड. किया गया है और ये बड़ी उपलब्धियां हैं।

बेशक, केंद्र और राज्य सरकार की कानून प्रवर्तन एजेंसियां चाक-चौबंदी से नशे के काले का धंधे पर जोरदार प्रहार कर रही हैं, लेकिन यह भी सच है कि ड़ार्क वेब, क्रिप्टोकरेंसी, ऑनलाइन मार्केटप्लेस, ड्रोन का इस्तेमाल आज भी हमारे लिए चुनौती बने हुए हैं। ड़ार्क वेब इंटरनेट के उस गुप्त हिस्से को संदर्भित करता है, जिस तक केवल विशेष सॉफ्टवेयर और टूल के जरिएही पहुंचा जा सकता है। जहां तक क्रिप्टोकरेंसी की बात है, तो यह एक आभासी मुद्रा है, जो भारत में नियमित नहीं है। इसके जरिए लेन देन पर निगरानी रखने में एजेंसियों को खासी दिक्कत दरपेश रहती हैं।अलबत्ता, ड्रोन के जरिए सीमा पार से भारतीय सीमा में नशीले पदार्थ में ड्रॉप किए जाने के तरीके पर खासी हद तक लगाम कसमें भारतीय सुरक्षा बल सफल हुए हैं। बहरहाल, नशीले पदार्थों की तस्करी संबंधी कार्यकलाप देश की सुरक्षा और विकास के लिएखासा खतरा हैं और राज्य सरकारों, केंद्र सरकार और तकनीशियनों को अपने संयुक्त प्रयासों से इन चुनौतियों से पार पाना होगा। इसके लिए तकनीकी सुरक्षा तंत्र को मजबूत किया जाना जरूरी है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि सरकार के स्तर पर इच्छाशक्ति होना बेहद जरूरी है। अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मादक पदार्थों के खिलाफ लड़ाई को नईताकत मिली है। इसी का नतीजा है कि बीते दस वर्षों में मादक पदार्थ की जब्ती में सात गुना वृद्धि हुई है, और मोदी सरकार ने बारंबार संकल्प दोहराया है कि मादक पदार्थ के सूमचे तंत्र को उखाड़ फेकेंगे। इसके लिए 8 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में मादक पदार्थों के तस्करी पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। प्रयासों के नतीजाकुन होने के लिए जरूरी है कि नशामुक्त भारत अभियान में तेजी लाई जाए। नशे के व्यसन से मुक्त समाज ही सबसे बड़ा सुरक्षा उपाय है।

चिंतन-मनन

मिथ्या और वास्तविक अहंकार

मिथ्या अहंकार का अर्थ है, इस शरीर को आत्मा मानना। जब कोई यह जान जाता है कि वह शरीर नहीं, अपितु आत्मा है तो वह वास्तविक अहंकार को प्राप्त होता है। अहंकार तो रहता ही है। मिथ्या अहंकार की भर्त्सना की जाती है, वास्तविक अहंकार की नहीं। वैदिक साहित्य में कहा गया है अहं ब्रह्मास्मि- मैं ब्रह्म हूं, मैं आत्मा हूं। 'मै हं' ही आत्म भाव है और यह आत्म साक्षात्कार की मुक्त अवस्था में भी पाया जाता है। 'मै हं' का भाव ही अहंकार है लेकिन जब 'मै हं' भाव को मिथ्या शरीर के लिए प्रयुक्त किया जाता है, तो वह मिथ्या अहंकार होता है। जब इस आत्म भाव (स्वरूप) को वास्तविकता के लिए प्रयुक्त किया जाता है, तो वह वास्तविक अहंकार होता है। ऐसे कुछ दार्शनिक हैं जो यह कहते हैं कि हमें अपना अहंकार त्यागना चाहिए। लेकिन हम अपने अहंकार को त्यागे कैसे? क्योंकि अहंकार का अर्थ है स्वरूप। लेकिन हमें मिथ्या देहात्मबुद्धि का त्याग करना ही होगा।

जन्म, मृत्यु, जरा तथा व्याधि को स्वीकार करने के कष्ट को समझना चाहिए। वैदिक ग्रन्थों में जन्म के अनेक वृत्तान्त है। श्रीमद्भागवत में जन्म से पूर्व की स्थिति, माता के गर्भ में बालक के निवास, उसके कष्ट आदि का सजीव वर्णन है। चूंकि हम भूल जाते हैं कि माता के गर्भ में हमें कितना कष्ट मिला है, अतएवं हम जन्म तथा मृत्यु की पुनरावृत्ति का कोई हल नहीं निकाल पाते। इसी प्रकार मृत्यु के समय भी सभी प्रकार के कष्ट मिलते हैं, जिनका उल्लेख प्रामाणिक शास्त्र में हुआ है। इनकी विवेचना की जानी चाहिए। जहां तक रोग तथा वृद्धावस्था का प्रश्न है, सबको इनका व्यावहारिक अनुभव है। कोई भी रोगग्रस्त नहीं होना चाहता, कोई भी बूढ़ा नहीं होना चाहता, लेकिन इनसे बचा नहीं जा सकता। जब तक हम जन्म, मृत्यु, जरा तथा व्याधि के दुखों को देखते हुए इस भौतिक जीवन के प्रति निराशावादी दृष्टिकोण नहीं बना पाते, तब तक आध्यात्मिक जीवन में प्रगति करने के लिए कोई प्रोत्साहन नहीं रह जाता।

आस्था और विश्वास का संगम है गंगासागर

रमेश सर्राफ धमोरा

भारत में सबसे पवित्र गंगा नदी गंगोत्री से निकल कर पश्चिम बंगाल में सागर से मिलती है। गंगा का जहां सागर से मिलन होता है उस स्थान को गंगासागर के नाम से जाना जाता है। इस स्थान को सागरद्वीप के नाम से भी जाना जाता है। गंगासागर सिर्फ. एक तीर्थस्थल नहीं है। यह भावना, संस्कृति, आस्था और विश्वास का संगम है। जीवन का उत्सव है। धर्म हमेशा से ही इस भूमि की संस्कृति में समाया हुआ है। कुम्भ मेले को छोडकर देश में आयोजित होने वाले अन्य सभी मेलों में गंगासागर का मेला सबसे बड़ा मेला होता है। हिन्दू धर्मग्रन्थों में इसकी चर्चा मोक्षधाम के तौर पर की गई है। जहां मकर संक्रान्ति के मौके पर दुनिया भर से लाखों श्रद्धालु मोक्ष की कामना लेकर आते हैं और सागर-संगम में डुबकी लगाते है।

मान्यता के अनुसार साल की 12 संक्रान्तियों में मकर संक्रान्ति का सबसे महत्व ज्यादा है। इस दिन सूर्य मकर राशि में आता हैं और इसके साथ देवताओं का दिन शुरू हो जाता है। गंगासागर के संगम पर श्रद्धालु समुद्र को नारियल और यज्ञोपवीत भेंट करते हैं। समुद्र में पूजन एवं पिण्डदान कर पितरों को जल अर्पित करते हैं। गंगासागर में स्नान-दान का महत्व शास्त्रों में विस्तार से बताया गया है। मेले में आये लोग कपिल मुनि के आश्रम में उनकी मूर्ति की पूजा करते हैं। मन्दिर में गंगा देवी, कपिल मुनि तथा भागीरथ की मूर्तियां स्थापित हैं। मकर संक्रांति पर जैसे ही सूर्य देव धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करते हैं। लाखों तीर्थयात्री पवित्र संगम पर डुबकी लगाते हैं। गंगासागर में मकर संक्रांति के दिन स्नान करने का विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यता है कि इस दिन गंगासागर में जो श्रद्धालु एक बार स्नान करता है उसे 10 अश्वमेध यज्ञ और एक हजार गाय दान करने का फल मिलता है। गंगासागर की तीर्थयात्रा सैकड़ों तीर्थयात्राओं के समान मानी जाती है।

पहले गंगासागर जाना हर किसी के लिये सम्भव नहीं होता था। तभी कहा जाता था कि सारे तीरथ बार-बार गंगासागर एक बार। हालांकि यह पुराने जमाने की बात है जब यहां सिर्फ जल मार्ग से ही पहुंचा जा सकता था। आधुनिक परिवहन साधनों से अब यहां आना सुगम हो गया है। पश्चिम बंगाल के दक्षिण चौबीस परगना जिले में स्थित इस तीर्थस्थल पर कपिल मुनि का मंदिर बना हुआ हैं। जिन्होंने भगवान राम के पूर्वज और इक्ष्वाकु वंश के राजा सगर के 60 हजार पुत्रों का उद्धार किया था। मान्यता है कि यहां मकर संक्रान्ति पर पुण्य-स्नान करने से मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है।

सुन्दरवन निकट होने के कारण गंगासागर मेले को कई विषम स्थितियों का सामना करना पड़ता है। तूफान व ऊंची लहरें हर वर्ष मेले में बाधा डालती हैं। इस द्वीप में ही रॉयल बंगाल टाइगर का प्राकृतिक आवास है। यहां दलदल, जलमार्ग तथा छोटी छोटी नदियां, नहरें भी है। बहुत पहले इस स्थान पर गंगा जी की धारा सागर में मिलती थी। किंतु अब इसका मुहाना पीछे हट गया है। अब इस द्वीप के पास गंगा की एक बहुत छोटी सी धारा सागर से मिलती है। यह मेला पांच दिन चलता है। इसमें स्नान मुहूर्त तीन दिनों का होता है। यहां अलग से गंगाजी का कोई मंदिर नहीं है। मेले के लिये एक स्थान निश्चित है। कहा जाता है कि यहां स्थित कपिल मुनि का प्राचीन मंदिर सागर की लहरें बहा ले गयी थी। मन्दिर की मूर्ति अब कोलकाता में रहती है और मेले से कुछ सप्ताह पूर्व यहां के पुरोहितों को पूजा अर्चना के लिये मिलती है।

गंगासागर में मकर संक्रान्ति से पन्द्रह दिन पहले ही मेला शुरू हो जाता है। मेले में दुनिया के विभिन्न भागों से तीर्थयात्री, साधु-संत आते हैं और संगम में स्नान कर सूर्यदेव को अर्घ्य देते हैं। मेले की विशालता के कारण लोग इसे मिनी कुंभ मेला भी कहते हैं। मकर संक्रान्ति के दिन यहां सूर्यपूजा के साथ विशेष तौर कपिल मुनि की पूजा की जाती है। ऐसी मान्यता है कि ऋषि-मुनियों के लिए गृहस्थ आश्रम या पारिवारिक जीवन वर्जित होता है। भगवान विष्णु जी के कहने पर कपिलमुनी के पिता कर्दम ऋषि ने गृहस्थ आश्रम में प्रवेश किया। उन्होने विष्णु भगवान से शर्त रखी कि भगवान विष्णु को उनके पुत्र रूप में जन्म लेंना होगा। भगवान विष्णु ने शर्त मान ली फलस्वरुप कपिलमुनी का जन्म हुआ जिन्हें विष्णु का अवतार माना गया। आगे चल कर गंगा और सागर के मिलन स्थल पर कपिल मुनि आश्रम बना कर तप करने लगे।

इस दौरान राजा सगर ने अश्वमेध यज्ञ आयोजित किया। इस के बाद यज्ञ के अश्वों को स्वतंत्र छोड़ा गया। परिपाटी है कि ये जहां से गुजरते हैं वे राज्य अधीनता स्वीकार करते है। अश्व को रोकने वाले राजा को युद्ध करना पड़ता है। राजा सगर ने यज्ञ अश्वों के रक्षा के लिए उनके साथ अपने 60 हजार पुत्रों को भेजा। अचानक यज्ञ अश्व गायब हो गया। खोजने पर यज्ञ का अश्व कपिल मुनि के आश्रम में मिला। फलतः सगर पुत्र साधनरत ऋषि से नाराज हो उन्हे अपशब्द कहने लगे। ऋषि ने नाराज हो कर उन्हे शापित करते हुये अपने नेत्रों के तेज से भस्म कर दिया। मुनि के श्राप के कारण उनकी आत्मा को मुक्ति नहीं मिल सकी। काफी वर्षों के बाद राजा सगर के पौत्र राजा भागीरथ कपिल मुनि से माफी मांगने पहुंचे। कपिल मुनि राजा भागीरथ के व्यवहार से प्रसन्न हुए। उन्होने कहा कि गंगा जल से ही राजा सगर के 60 हजार मृत पुत्रों का मोक्ष संभव है। राजा भागीरथ ने अपने अथक प्रयास और तप से गंगा को धरती पर उतारा। अपने पुरखों के भस्म स्थान पर गंगा को मकर संक्रान्ति के दिन लाकर उनकी आत्मा को मुक्ति और शांति दिलाई। यही स्थान गंगासागर कहलाया। इसलिए यहां स्नान का इतना महत्व है।

गंगासागर का मेला 5 दिन तक चलता है। इस दौरान तीर्थयात्री लोग मुंडन, श्राद्ध, पिण्डदान और समुद्र में पितरों को जल अर्पित करते हैं। गंगासागर में कपिल मुनि का प्राचीन मंदिर था जोकि समुद्र में समा गया। 1973 में यहाँ कपिल मुनि का नया मंदिर बना जहां श्रद्धालु दर्शन करते हैं। गंगासागर गंगा नदी का एक छोटा डेल्टा द्वीप है जिसकी आबादी करीब 2 लाख और क्षेत्रफल 282 वर्ग किमी है। सागर द्वीप के एक ओर बंगाल की खाड़ी और दूसरी ओर बांग्लादेश है। इस सुंदर द्वीप के ज्यादातर क्षेत्र में घने जंगल है। कपिल मुनि के मंदिर, आश्रम के अलावा यहाँ महादेव मंदिर, शिव शक्ति-महानिर्वाण आश्रम, भारत सेवाश्रम संघ का मंदिर, धर्मशालायें भी है।

गंगासागर वास्तव में एक टापू है जो गंगा नदी के मुहाने पर स्थित है। यहां बंगला भाषी आबादी रहती है। यह पूरी तरह से ग्रामीण ईलाका है। यहां आने वाले तीर्थयात्रियों के रहने के लिए यहां पर होटल, आश्रम व

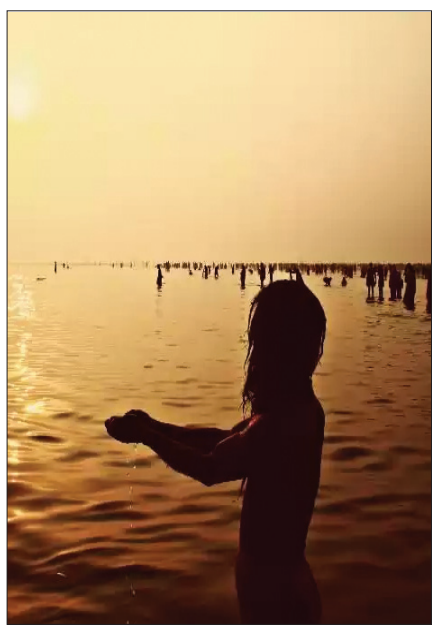

धर्मशालायें है। अब पूरे वर्ष लोग यहां लोगों का आवागमन लगा रहता है। कोलकाता से पूरे मार्ग में सडक बनी हुयी है मात्र 5 किलोमीटर पानी में नाव का सफर करना पड़ता है। गंगासागर में मकर संक्रांति के दिन 14 व 15 जनवरी को मुख्य मेला लगता है। जिसमें लाखों लोग स्नान और पूजा करने आते हैं।

पश्चिम बंगाल सरकार मुख्य भूमि को सागर द्वीप से जोड़ने वाली मुरी गंगा नदी पर चार साल में पांच किलोमीटर लंबा गंगासागर सेतु बनाएगी। जिसके निर्माण पर 1500 करोड़ रुपये खर्च होंगे। मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित होने वाला गंगासागर मेला 17 जनवरी तक चलेगा। इस साल देश भर से 50 लाख से अधिक लोगों के मेले में शामिल होने की उम्मीद है। ब्रिज बनने से श्रद्धालु जलमार्ग की बजाय सड़क मार्ग से कचुबेरिया तक आ सकेगें। गंगासागर मेला किसी भी तरह कुम्भ मेले से कम नहीं है। यहां दुनियाभर से श्रद्धालु आते हैं। इस कारण गंगासागर मेले को भी कुंभ मेले जैसा दर्जा मिलना चाहिये। ताकि यहां के विकास के लिये कुम्भ मेले की तरह अलग से बजट उपलब्ध हो सके।

प्रवासी सम्मेलनः कई मायनों में रहा अहम

गिरीश चन्द्र पाण्डे

इस बार 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का आयोजन 8-10 जनवरी, 2025 तक ओडिशा सरकार के साथ साझेदारी में किया गया। भुवनेश्वर में संपन्न इस 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में 75 देशों से लगभग छह हजार भारतवंशियों ने शिरकत की। विदेश मंत्री डा. एस. जयशंकर ने इस मौके पर लैंगिक समानता और महिला विकास को भारत की विदेश नीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों का अभिन्न अंग बताया। उनका यह कहना भी सही था कि ओडिशा में प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन की मेजबानी केंद्र सरकार की 'पूर्वोदय' नीति को दशार्ती शार्ती है, जो पूर्वी भारत के विकास और सांस्कृतिक समृद्धि को प्रदर्शित करती है। गौरतलब है कि प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन केंद्र सरकार का महत्त्वकपूर्ण कार्यक्रम है, जिसे 9 जनवरी को महात्मा गांधी के 1915 में दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

दरअसल, प्रवासी भारतीय सम्मेलन की अवधारणा पूर्व प्राधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के मस्तिष्क की उपज थी जिसकी शुरू आत उन्होंने 17 वर्ष पहले की थी। वाजपेयी को उस वक्त प्रवासी भारतीयों की बहुत याद आई जब 1998 में पोखरण में परमाणु विस्फोट के बाद अमेरिका और उसके साथी देशों ने भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगा दिया था। भारत ने इस मुसीबत से छुटकारा पाने के लिए विदेशों में रहने वाले भारतीय समुदाय से अनुरोध किया कि वह भारत की मदद करें ताकि भारत को अमेरिका और उसके साथी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का कम से कम असर पड़े। वाजपेयी का यह संदेश राजदूतावासों और उच्चायोग के माध्यम से प्रवासी भारतीयों तक पहुंचाया गया। परिणाम यह हुआ कि भारत के कोष विदेशी मुद्रा से भर गए। गौर करने योग्य है कि भारत 2010 (53.48 बिलियन डॉलर), 2015 (68.91 बिलियन डॉलर) और 2020 (83.15 बिलियन डॉलर) में प्रेषण प्राप्त करने वाला शीर्ष देश था। विश्व प्रवासन रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2022 में भारत को 111 बिलियन डॉलर से अधिक का प्रेषण प्राप्त हुआ जो विश्व में सबसे अधिक है और इस प्रकार भारत 100 बिलियन डॉलर के आंकड़े तक पहुंचने वाला पहला देश बन गया था। इस बार के सम्मेलन का विषय था- 'विकसित भारत में प्रवासी भारतीयों का योगदान'। राज्य सरकार ने युवा कार्य एवं खेलकूद मंत्रालय के सहयोग से आयोजन किया था। सम्मेलन की खास बात त्रिनिदाद और टोबैगो के राष्ट्रपति क्रिस्टीनन कार्ला कैंगलू की मौजूदगी रही जिन्होंने सम्मेलन में मुख्य अतिथि के तौर पर वर्चुअल रूप से भाग लिया। इस कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संबोधन में अन्य बातों के साथ-साथ तीन महत्त्वपूर्ण बातें कहीं। पहली, भविष्य युद्ध में नहीं, बुद्ध में निहित है। दूसरी, भारत लोकतंत्र की जननी ही नहीं, बल्कि जीवन का हिस्सा है। तीसरी, 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में प्रवासी भारतीयों की निर्णायक भूमिका है। भारत की विभिन्न क्षेत्रों में चहुंमुखी विकास यात्रा का उल्लेख करते हुए मोदी का कहना था कि आज भारत मेड इन इंडिया फाइटर जैट बना रहा है। ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट बना रहा है और वो दिन भी दूर नहीं जब मेन इन इंडिया प्लेन से ही प्रवासी भारतीय दिवस मनाने भारत आएंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्म ने समापन सत्र में विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय प्रवासियों की उपलब्धियों को मान्यता देने के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान भी प्रदान किया। सऊदी अरब के भारतीय चिकित्सक डॉ. सैयद अनवर खुर्शीद को प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया।

यह भारत सरकार द्वारा प्रवासी भारतीयों को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है। निस्संदेह प्रवासी भारतीय सम्मेलन से जहां भारत और प्रवासी समुदाय के बीच साझा पहचान को बढ़ावा मिलता है, वहीं उनमें आपसी सम्बन्ध मजबूत बनते हैं, और वे अपनी माटी से जुड़ कर गौरव अनुभव भी करते हैं, लेकिन इससे भी इंकार नहीं किया जा सकता कि प्रवासन के बदलते परिदृश्य में प्रवासी भारतीयों के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए ठोस प्रयास जरूरी हैं। किसी भी तरह

श्रमिकों का शोषण न हो और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों का समाधान करने की जरूरत है। यह भी सुनिश्चित करने की जरूरत है कि भारतीय कामगारों के लिए सुरक्षित-व्यवस्थित प्रवासन मार्ग संभव हो सके। यह समावेशी विकास की पहली शर्त भी है। सरकार के अलावा हर भारतीय का भी नैतिक दायित्व बनता है कि विदेशों में कामगारों के हितों की रक्षा के साथ ही भारत में रह रहे उनके परिवारों का भी विशेष ख्याल रखा जाए जिससे उनका देश के प्रति लगाव और गहरा हो सके। फिलहाल जो हालात हैं, उनमें वैश्विक श्रम की गतिशीलता भारत की आर्थिक कूटनीति की प्राथमिकता होनी चाहिए। भारत के हितों की रक्षा की जानी चाहिए जहां संरक्षणवाद तेजी से बढ़ रहा है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

SC verdicts hold out hope for India's vexed democracy

At a time when the nation's fractious political discourse is loaded with conflicting and competing perspectives on constitutionalism, the Supreme Court's role as the arbiter of constitutional conscience assumes heightened significance. Invested with a wide judicial review jurisdiction, the apex court has earned the nation's respect for its wisdom in charting the course of balanced constitutionalism in testing times.

This is so notwithstanding the occasional errors of judgment. The court's acknowledgment of its fallibility and a demonstrated willingness to correct itself has added to its weight as the ultimate forum for judicial justice.In the context of some of its past decisions perceived as equivocate and flawed for want of a clear statement, its recent pronouncements signal a welcome affirmation of liberty and human dignity as the nation's core constitutional values, holding out hope for India's vexed democracy in 2025.Some recent decisions that have quietly found their way into the lexicon of human rights jurisprudence and inspire confidence in the resilience of our constitutional institutions deserve mention. These include the Surender Panwar [2025] case, in which the Supreme Court declined to interfere with the observations of the Punjab and Haryana High Court terming the 14 hours 40 minutes' long custodial interrogation of the accused as "not heroic" and "against the dignity of a human being."The decision is a resounding judicial rejection of tortious custodial interrogation. It draws attention to the imperative of fair investigation in accordance with international human rights norms laid down by the UN.

The decision is particularly significant in the context of India's much-delayed ratification of the UN Convention Against Torture (UNCAT), which it had signed in 1997.While the Supreme Court has consistently treated all forms of torture as violative of the individual's right to dignity under Article 21 of the Constitution [DK Basu (1997), Tusharbhai Rajnikantbhai Shah (2024) et al], it has been inexplicably ambivalent in nudging the government to legislate a comprehensive legislation against torture in line with the UNCAT as a necessary step towards the elimination of all forms of custodial torture.Having proclaimed the unconstitutionality of tortious investigative measures, the court is expected to proactively facilitate the enactment of a comprehensive legislation against torture. Its power to do so stems from the willing allegiance of the people to its commands anchored in legal integrity and reflecting the 'community's coherent conception of justice and fairness' (Ronald Dworkin, Law's Empire, 1986).Treading on the libertarian pathin a correction of past aberrations and restoring the constitutional balance, the highest court, speaking through Justices Abhay Oka and AG Masih in Atharv Parvez [2024] has ruled that the restrictions on bail under a stringent penal statute needed to be harmonised with powers exercisable under the constitutional jurisdiction. It affirmed that long incarceration of the accused without bail is an infraction of Article 21 and that the criminal law doctrine of presumed innocence of the accused is not displaced by the seriousness of the crime with which the accused is charged. The same Bench declared in Parvinder Singh Khurana [2024] that a stay of the order granting bail can be passed only rarely and for reasons indicated in the statute.The underlying premise of these judgments is the supremacy of the libertarian philosophy of the Constitution, reaffirmed in Sidhant [2024], in which the court granted bail to the accused despite stringent statutory conditions. It is hoped that the libertarian judicial approach will determine the fate of detenues, such as Umar Khalid, who has been in detention since September 2020.Another significant decision of the Supreme Court in Urmila Dixit [2025], that emphatically asserts the right to dignity and succour for the elderly, merits the nation's fulsome commendation for a compelling moral dimension. Authored by Justice Sanjay Karol, the judgment, in a purposive interpretation of Section 23 of the Maintenance and Welfare of the Parents and Senior Citizens Act, 2007, declared that the 'tribunals under the Act may order eviction [of the donee/children] if it is necessary and expedient to ensure the protection of the senior citizen' and.

Diversify MSP to empower farmers

A restructured MSP would broaden safety nets and encourage sustainable practices, empowering farmers to thrive amidst challenges.

The minimum support price (MSP) system was a significant policy intervention for ensuring food security and protecting farmers from market fluctuations. However, it has begun to show limitations and is now a source of unrest among farmers. Its narrow focus on a few crops has drawn criticism as today's agricultural challenges are evolving, with rising costs, ecological concerns and the need for viable alternatives.While the MSP system successfully stabilised wheat and paddy production, it inadvertently discouraged crop diversification, leaving farmers vulnerable to market volatility and climate impacts. The demand for reform is escalating, with farmers advocating for a legal MSP framework that encompasses a broader range of crops, backs sustainability and enhances economic security.Opponents of an expanded MSP, including many economists, argue that such a system is impractical and financially unsustainable for the government, which they believe should not be obligated to purchase all crops. They argue for a more liberated agricultural market, similar to other economic sectors.However, the agricultural market is not as free as it might seem; government regulations to maintain affordable food prices sometimes create opacity and most of the small and marginal farmers cannot compete against powerful traders and intermediaries.Moreover, there is no demand requiring government purchases at MSP. Yet, it is crucial that MSP serves as a price floor — ensuring market prices do not drop below it. Reforming the MSP to align with free-market principles requires creative thinking from policymakers, economists and legal experts.A promising approach is the establishment of a diversified MSP. Expanding coverage beyond wheat and paddy to include pulses, oilseeds, millets and horticultural produce would create a more inclusive and dynamic system, responsive to farmers' needs. This will not only secure farmers financially but also promote sustainable practices. For instance, millets need less water than paddy, making them ideal for drought-prone areas, while pulses can enrich soil quality.To successfully implement a diversified MSP, five key elements are essential:1. Dynamic pricing: MSP rates should adapt to regional needs, market trends and environmental conditions to ensure equitable compensation and promote sustainable practices.2. Robust infrastructure: Significant investments are necessary to enhance storage, transportation and processing facilities, helping reduce post-harvest losses.3. Legal safeguards: Farmers must have legal protections to secure fair prices and mechanisms to deter exploitation.4. Technological integration: Utilising digital platforms can aid in transparent price discovery and facilitate direct sales between farmers and consumers.5. Education: Training and awareness campaigns are crucial to inform farmers

about the benefits of diversification.The demand for reformed and expanded MSP is justified because in the last over five decades, states have not evolved any sustainable alternative marketing intervention for the farmers. The Government of India made special financial provisions for MSP as a marketing intervention to meet the challenges of food security.

The food credit limits sanctioned to the Green Revolution states were not included in their public borrowings. This special dispensation, often termed special central assistance, was crucial for these states. However, during all these years, innovative market access systems should have been developed to give farmers alternative options. In the absence of any other alternatives, the farmers' dependence on MSP and their demand for its expansion is appropriate.However, it is never too late. Both the Central and state governments need to evolve alternative market mechanisms for the farmers that assure them of good remuneration while maintaining the floor process for the produce.There are good examples to emulate. Some countries have implemented agricultural support mechanisms that could inspire MSP reforms in India. For example, the US employs a combination of direct payments, crop insurance and market loans to support its farmers. These steps ensure that farmers have multiple safety nets and are not overly dependent on any single policy. The US Farm Bill includes provisions for price loss coverage and agricultural risk coverage, which help stabilise farmers' incomes during price drops. Similarly, the European Union's Common Agricultural Policy (CAP) offers subsidies and incentives for sustainable farming practices, which can be adapted to Indian conditions to promote crop diversification and environmental conservation.Further, farmer cooperatives have shown promise in providing market stability and better bargaining power for small farmers. These cooperatives can be leveraged to aggregate produce, negotiate better prices and reduce dependency on middlemen.Examples fro countries like Israel and the Netherlands illustrate how cooperative models can significantly enhance the profitability and sustainability of farming communities. In Israel, cooperative societies like Tnuva have helped farmers secure better market access and fairer prices through collective marketing and distribution networks.While government intervention is crucial in determining MSP for crops, a collaborative approach that includes private sector involvement in procurement could alleviate the financial load on public systems. Incentivising private companies through tax benefits to procure products at or above MSP can enhance market competitiveness and opportunities for farmers. This model has seen success in the contract farming system in Thailand, where private companies provide guaranteed prices to farmers, ensuring stable incomes.

Further, connecting farmers directly to consumers or industries through digital platforms can bypass intermediaries, resulting in fairer prices. Initiatives like e-NAM (National Agriculture Market) in India are steps in the right direction. They promote a unified online trading platform for agricultural commodities. Investing in training for young farmers and providing transport support to target markets is vital for achieving better pricing. Digital literacy programmes and mobile-based applications can empower farmers with real-time market information, enhancing their decision-making capabilities.

Online lies

End of Meta fact-checking a setback

META's announcement of abandoning its fact-checking programme, starting with the United States, comes as a setback to the global campaign against misinformation and disinformation online. The dramatic policy shift marks an end to the independent, third-party fact-checking programme launched by the social media giant in 2016. It cannot be mere coincidence that the decision comes ahead of US President-elect Donald Trump — a vocal critic of Meta for censoring right-wing voices — assuming office. CEO Mark Zuckerberg's pitch that the key motivation is a desire to embrace free speech is hard to swallow. A reluctant proponent of content moderation, a series of controversies attributed to fake news led him and other social media leaders to take aggressive steps to police discourse. Zuckerberg's move to mend the rocky relationship with Trump may make business sense, but on all other counts,

it is irresponsible. It does not bode well for information integrity worldwide.Instead of relying on professional fact-checkers to moderate content, Meta is going X's way, that banks on volunteers writing contextual notes to be added below misleading posts. Serious concerns are being raised about the implications of loosening controls. Watchdogs warn of the ripple effects of removing strong guardrails, and how it could enable misinformation to thrive unchecked on Facebook, Instagram and Threads. The proliferation of falsehoods and in India's case, hate speeches as well, not only weakens people's access to trustworthy information, but also the ability to confront their political leaders.

The notion of a 'WhatsApp university' that consistently misrepresents facts and twists history has come to denote the pitfalls of giving free rein to social media platforms. Toxic floods of lies need more fact-checkers, not less. Their absence can only mean an open invitation to spread falsehoods and misinformation, with zero accountability.

Dr Singh deserves a befitting memorial

The scams reported during his second term in office were a result of his reluctance to discipline colleagues

Resuming my column after the Xmas break, I look back at the happenings in our country during the past few weeks. The distinct brand of democracy that is taking root in India was on display within the new Parliament building and outside. Elected members came to blows, a feature of some parliaments in the Far East.Outside the building's precincts, a Virat Kohli-like shove was attempted by Rahul Gandhi on a BJP elder. Virat's target on the cricket ground resumed his innings after the encounter. Rahul's opponent found himself in a hospital, chattering about the strengt of the younger man pitted against him.While the country watched the antics of our elected representatives, their party bosses got into a slanging match in poll-bound Delhi. The verbal duel has graduated to a poster war between the BJP and AAP, with the two opponents denigrating each other in print. We are amused and disgusted simultaneously, and in equal measure.

Mercifully, there was the proverbial silver lining. Priyanka Gandhi Vadra delivered her maiden speech in the Lok Sabha. In fact, she opened the Opposition's arguments on disrespect to the Constitution. She also mentioned the vituperative attacks on her great-grandfather, Jawaharlal Nehru, the bête noire of the present dispensation. She spoke well and sensibly too. She resurrected a flicker of hope for the return of decency and substance to proceedings in Parliament, as was prevalent in the times of Pandit Nehru.An extremely decent human being, who was our Prime Minister for a decade, breathed his last in a hospital in Delhi. Dr Manmohan Singh was truly respected not only in Punjab and the North, from where he hailed, but also in other parts of the country where perceptive citizens ferret out decent and credible leaders when they perceive the existence of such a rare specimen.It was not as a Sikh but as a Congress leader and the Prime Minister that Manmohan Singh apologised to the Sikh community for the injustices heaped upon them after Indira Gandhi's assassination in 1984. Such a gesture of humility and contrition was not attempted by the Congress government in Maharashtra after the slaughter of Muslims in Mumbai in 1993 or by the BJP in Gujarat in 2002.

I had occasion to interact with Dr Singh during my years in service and later. Two such occasions remain etched in memory. The first arose when the IPS Officers' Association asked me to meet the PM to plead its case when the Pay Commission's recommendations were being considered by the Union Government. had retired by then and set up home in Mumbai, the city of my birth. I asked the officer who had spoken to me on the phone why that was necessary when the PM's own son-in-law was a member of our service. The officer replied that the son-in-law would not dare to broach the subject to the PM. In a country where nepotism is an accepted evil, the thought that the PM was beyond such weaknesses was certainly exhilarating.After the 2008 Mumbai terror attacks, famous lyricist and screenwriter Javed Akhtar and influential Marathi journalist Kumar Ketkar asked me to accompany them to Delhi to meet the PM to discuss the repercussions of this incident for the polity.Dr Singh listened carefully to each of us. I spoke about inter-community relations and how civil society in my city was involved in finding acceptable solutions. He obviously took my suggestions to heart because when I arrived back at Mumbai's airport, the Chief Minister sent an emissary to request me to drive straight to his residence to discuss with him the suggestions I had made to the PM.Dr Singh was an attentive listener. He acted on ideas if he perceived some merit in them. He was not merely humble; his credibility was high. It is true that his sense of decency sometimes worked against him. The scams that were reported during his

second term in office were a result of his reluctance to discipline colleagues, especially those from other political parties which were part of the coalition government. Narendra Modi scores much better than him in the ability to manage coalition partners.

An unseemly row has erupted between the Congress and the BJP about the site of a memorial to honour the former PM's contribution to the country and its people. Dr Singh was the only non-politician to rise to this pedestal. He did not command a following among citizens like other Prime Ministers did to a larger or smaller degree. But he deserves a monument in marble to remind us of the man who opened our economy and lifted crores of Indians to the ranks of the middle income groups from near-poverty levels.In Maharashtra, the BJP-led coalition is wrestling with the financial downside of the Ladki Bahin project, which literally took Mahayuti over the finishing line in the 2024 Assembly elections. A massive exercise is afoot to ascertain the eligibility of crores of applicants whom the scheme was not supposed to cover. Half of the would-be beneficiaries will find themselves deprived of the promised largesse. They are bound to grumble. In the meantime, the Agriculture Minister is finding it hard to pacify farmers who were promised loan waivers, which the treasury cannot accommodate at present.

'Grumbling' was the word most in evidence when the state's Cabinet was to be formed. The number of aspirants for ministerial status exceeded the figure permitted by law. The 41 MLAs belonging to Ajit Pawar's NCP faction and the 57 from Eknath Shinde's Shiv Sena had a tough time concluding who should be in and who could be left out. This is a common occurrence that has been experienced earlier, but this time around, the aspirational levels had risen so sharply that it took a month after the election results to arrive at a solution.

The police establishment will be forced to part with many more personnel to provide security (status, really) to the 40-odd Ministers. Status and importance are what they all crave for. Some, of course, are in search of 'creamy' portfolios! It will be difficult for CM Devendra Fadnavis to please them all. I reckon it will be a test of his leadership skills.

China's exports in December up 10.7 per cent, beating estimates as higher US tariffs loom

HONG KONG. China's exports in December grew at a faster-than-expected pace as factories rushed to fill orders in anticipation of higher tariffs threatened by U.S. President-elect Donald Trump once he takes office.Exports rose by 10.7% compared to the same month last year, surpassing economists' expectations of a 7% increase. Imports, on the other hand, rose by 1% year-on-year, defying analysts' forecasts of a 1.5% decline. As exports outpaced imports, China's trade surplus surged to 104.84 billion dollars.

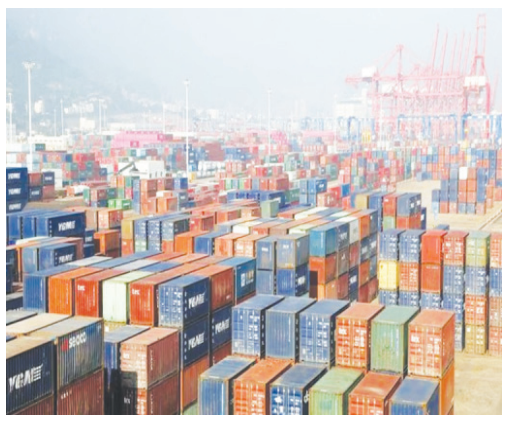

Trump has pledged to raise tariffs on Chinese goods and close loopholes that exporters currently use to sell products more cheaply in the U.S. If these plans are enacted, they are expected to increase prices in the U.S. and squeeze sales and profit margins for Chinese exporters. However, Zichun Huang of Capital Economics believes China's exports will remain strong in the near term as businesses rush to front-run the anticipated tariff hikes. "Outbound shipments are likely to stay resilient, supported by further gains in global market share, thanks to a weak real effective exchange rate," Huang wrote in a note. Nonetheless, she warned that exports could weaken later in the year if Trump follows through on his tariff threats.

Officials in Beijing reported that the total value of China's imports and exports reached a record 43.85 trillion yuan (nearly $6 trillion) in 2024, marking a 5% increase from the previous year. China remains the world's largest exporter and the primary trading partner of over 150 countries and regions, according to Wang Lingjun, deputy director-general of the Customs Administration. Despite a slowdown in other sectors of China's economy, partly due to the pandemic and a downturn in the housing industry, exports have surged. Under President Xi Jinping, the ruling Communist Party has been promoting the upgrading of factories and a shift towards high-tech manufacturing.The report highlighted that China's export of mechanical and electrical products increased by nearly 9% in 2024, with exports of high-end equipment growing by more than 40%. Specific sectors saw impressive growth, with exports of electric vehicles rising by 13%, 3D printers jumping almost 33%, and shipments of industrial robots surging 45%. E-commerce trade, including sales from companies like Temu, Shein, and Alibaba, reached 2.6 trillion yuan ($350 billion), more than double the level seen in 2020.While China aims to increase its imports, the value of imports still lagged behind exports, partly due to lower prices for key commodities such as oil and iron ore. Officials noted that there is still significant room for growth in imports, citing China's large market capacity and vast potential. However, China is blocked from importing some products due to trade restrictions, particularly in strategically sensitive areas such as advanced semiconductors and military-related items.

Want to get your credit card's annual fee waived? Follow these steps

NEW DELHI Owning a credit card often comes with perks, but the annual fee can feel like a hidden cost. What if you could enjoy all the benefits without paying this fee? Surprisingly, many banks offer ways to get your credit card's annual fee waived—if you meet specific spending criteria.

SPEND MORE, SAVE MORE

Some banks allow you to waive your annual fee by crossing a pre-defined spending threshold.For instance, several cards, like the Axis Bank Rewards Credit Card, waive a Rs 1,000 fee if you spend Rs 2 lakh annually. Similarly, the Axis Bank Freecharge Plus Credit Card removes fees for spending Rs 50,000 in a year, while the Axis Bank Cashback Credit Card waives its Rs 1,000 fee if you spend Rs 4 lakh.For those who want to avoid annual fees altogether, there are options like ICICI Bank's Platinum Credit Card, which has no joining or annual fees.

HOW TO ENSURE FEE WAIVERS

To maximise your chances:

Leverage regular spending: Use your card for groceries, dining, travel, or other everyday expenses to reach the threshold.

Check eligibility: Before applying, confirm if the card offers a fee waiver on specific spending levels.Contact the bank: If you've hit the spending mark but still see a fee, call customer service to request a waiver.Be a loyal customer: Banks often reward long-standing customers with fee waivers, even if you don't meet the exact criteria.

SMART SPENDING PAYS OFF

While fee waivers are attractive, it's essential to evaluate whether the card's benefits justify its costs. Cards offering rewards, cashback, or travel perks may be worth the fee if the returns outweigh the expense.

Trading platform Groww plans IPO at $6-8 billion valuation: Report

NEW DELHI Trading platform Groww is preparing to file for its initial public offering (IPO) within the next 10 to 12 months, reported TechCrunch.Quoting sources familiar with the company's plans, the report suggested that the Bengaluru-based trading platform aims to raise its valuation to between $6 billion and $8 billion.This marks a significant jump from its last funding round in October 2021, which valued the company at $3 billion.If successful, Groww's listing will mark the first IPO by a digital trading platform in India, adding a new chapter to the rapidly expanding fintech landscape.The company has already begun discussions with investment banks and is expected to select advisors for the IPO soon, added the report.

To strengthen its position, Groww also made strategic moves last year by shifting its domicile to India from the U.S., aligning itself with local market regulations in preparation for the public offering.

Backed by major investors such as Peak XV, Tiger Global, and Alkeon, Groww has firmly established itself as a leader in India's competitive retail investing market.The platform boasts 13.2 million active users as of December, significantly surpassing its closest rival, Zerodha, which has 8.1 million users, according to National Stock Exchange data.

Groww's growth trajectory has also been impressive, having added between 325,000 to 550,000 new users each month, which is more than double that of its competitors.

HCLTech share price flat ahead of Q3 earnings. What to expect

NEW DELHI. Shares of HCL Technologies fell slightly ahead of its Q3 earnings announcement later in the day. At 12:34 pm, HCLTech shares were trading marginally lower by 0.17% at Rs 1,992.20.

The IT giant is set to report its quarterly results with expectations of a modest rise in profit and revenue despite challenges in key business segments.

As investors wait for the results, here's a look at what brokerages are forecasting for the company.Brokerage firm Prabhudas Lilladher predicts a 3.9% year-on-year (YoY) increase in HCL Tech's net profit, which is expected to reach Rs 4,520 crore, up from Rs 4,350 crore in the same quarter last year.Revenue is anticipated to rise 6% YoY to Rs 30,200 crore, compared to Rs 28,450 crore in Q3 FY24. However, the brokerage expects a slight contraction in the EBIT margin, projecting a decrease of 54 basis points to 19.2%, down from 19.7% in the previous year.

Despite this, the brokerage firm forecasts a sequential improvement in the margin, which should grow by 62 basis points from the 18.6% recorded in the September quarter.

JM Financial is more optimistic, projecting an 8.5% YoY increase in profit to Rs 4,593.5 crore, along with a 5.3% rise in revenue to Rs 30,393 crore.

The brokerage expects the EBIT margin to reach 19.1%. It notes that the quarter's results will benefit from a $20 million contribution from the one-month consolidation of CTG, along with anticipated 1.5% growth in IT Services and ERS/Product & Platform businesses in USD terms.However, wage hikes are expected to be a headwind, potentially impacting margins.

Brokerage firm Nuvama anticipates a 13.1% YoY increase in profit to Rs 4,790 crore and a 4.3% YoY rise in revenue to Rs 30,110 crore for Q3.

It also expects the company to slightly upgrade its FY25 revenue growth guidance to 4-5% CC YoY growth, from the earlier forecast of 3.5-5%.

NPCI issues clarification on 'Jumped Deposit Scam.' 3 key things to know

NEW DELHI As digital payments revolutionise India, fraudsters are devising new tactics to exploit unsuspecting users. The latest concern, dubbed the 'Jumped Deposit Scam,' has sparked fears amongst Unified Payments Interface (UPI) users.However, the National Payments Corporation of India (NPCI) has assured users of UPI's robust security and clarified misconceptions surrounding the alleged scam.

HOW THE SCAM OPERATES

In the Jumped Deposit Scam, fraudsters transfer small amounts of money to a victim's account to build trust. They then send payment collection requests, urging the victim to refund the amount.The scam escalates when users, in their haste, authorise these requests by entering their UPI PIN, mistakenly believing it's required for verifying account balances.NPCI stated that a UPI PIN is never needed to receive funds and is only used to authorise outgoing payments.

Cyber experts reveal that scammers manipulate victims by creating urgency and using emotional appeals, such as claims of mistaken transfers or

fabricated emergencies. These tactics exploit human psychology, making even financially savvy individuals vulnerable to fraud.

NPCI'S CLARIFICATIONS AND SAFETY TIPS

NPCI has reiterated that no cases of this scam have been observed on the UPI platform.The organisation emphasises that UPI transactions are device-based and require explicit user authorisation with a PIN. Merely opening a UPI app or entering a PIN does not initiate or approve any transaction.

To protect yourself, NPCI advises scepticism towards unexpected deposits.Avoid clicking on suspicious links or responding to unverified requests. If you receive an unsolicited deposit, consult your bank or UPI service provider. Educating yourself about digital payments and staying alert are key to preventing fraud.

STAY VIGILANT

While scams like the Jumped Deposit Scam highlight the need for vigilance, NPCI's clarifications reaffirm UPI's security and reliability. By understanding how UPI works and being cautious, users can confidently embrace the convenience of digital payments without falling prey to cybercriminals.

Boss bought Lamborghini, thanked our 90-hour workweek: Investor adds to L&T memes

NEW DELHI The suggestion of a 90-hour workweek by L&T Chairman SN Subrahmanyan has sparked widespread controversy, raising important questions about work-life balance.Subrahmanyan's comments, which recommended employees work longer hours—including Sundays—have ignited strong reactions across the business world and beyond.

VIJAY KEDIA'S SARCASTIC TAKE

Veteran investor Vijay Kedia shared a sarcastic remark on X, humorously highlighting the disconnect between employee effort and employer reward.He wrote, "A heartfelt moment at the office today: Our boss just bought a Lamborghini! We gathered to congratulate him, and his words truly inspired us: "Thank you all for this achievement. Without you, it wouldn't have been possible. Your relentless 90-hour weeks made this Lamborghini a reality. Today, I promise you all..... if you continue to work this hard, I'll buy another one next year!"

INDUSTRY TITANS AND CELEBRITIES SPEAK UP

While Subrahmanyan's remarks drew support from some, industry giants like Anand Mahindra and Harsh Goenka offered a contrasting perspective.During the Viksit Bharat Young Leaders Dialogue 2025, Mahindra stated that impactful change can happen in just 10 hours, highlighting that productivity stems from effective time management rather than extended work hours.Goenka, chairperson of RPG Enterprises, responded humorously, "Why not rename Sunday to 'Sun-duty' and make 'day off' a mythical concept?" He stressed the importance of work-life balance, warning against turning life into a "perpetual office shift."Adar Poonawalla, CEO of Serum Institute of India, echoed Mahindra's views, highlighting the value of "work-life balance." Poonawalla jokingly added, "Even my wife loves staring at me on Sundays."Bollywood star Deepika Padukone, known for her advocacy of mental health, also voiced her concern. Sharing a screenshot of Subrahmanyan's statement on Instagram, she remarked, "And they just made it worse," pointing to the detrimental effects of overworking employees.THE CALL FOR A SMARTER APPROACH TO WORK

The 90-hour workweek debate has illuminated a broader conversation about the need for smarter work strategies, not longer hours.

Rupee crashes 27 paise to hit all-time low of 86. 31 against US dollar in early trade

MUMBAI. The rupee has made one of its worst opening sessions on Monday, plumbing past the 86 level, losing as many as 27 paise to touch 86.31, after a blowout US jobs report has left the market believing that the likelihood of the Federal Reserve leaving the rates high for longer than expected.

The rupee opened at 86.12 but quickly fell to the historic low of 86.31 in early trading, registering a 27-paise loss from its previous close of 86.04 last Friday. This slide was primarily driven by a strong US dollar, along with volatile global market conditions.Forex traders told the that a surge in crude prices (sniffing the USD 81/barrel mark), persistent foreign capital outflows, and a negative trend in the domestic equity markets also added pressure on the rupee.The benchmarks had a bloody day to begin with Monday losing almost 1.25 per cent in the opening one hour of trade which marginally recovered later on still down about 75 bps from the Friday close.US employers added 2,56,00 jobs last month, compared to the 1,60,000 jobs expected, while the unemployment rate unexpectedly dipped to 4.1 per cent in the world's largest economy.

US interest rate futures show that market is expecting the Fed to cut rates only once this year, as against the two the Fed chair had said after the December review. The dollar index rose to a more than two-year high on Friday, to nearly 110. The 10-year US yield climbed to a 14-month high.For speculators who are already into bearish bets on the rupee, the US job numbers provide one more reason to hold onto them, a currency trader at a public sector bank has said."Having said that I think we are now near levels where a number of negatives for the rupee are in the price. Plus, we are long overdue a decent correction," the trader added.Options pricing suggests rupee is likely to weaken further and some are expecting the unit to drop to 88 over the medium term and plumb even to 90-92 levels in the next 6-10 months.According to forex traders, the dollar was bolstered by better-than-expected job growth in the US, which led to a rise in benchmark US treasury yields amid expectations that the Federal Reserve may slow its interest rate cuts.

Laxmi Dental IPO: Should you bid for the Rs 698.06 crore public listing?

Laxmi Dental IPO will remain open for subscription until January 15, 2024 with allotment for shares expected to be completed on January 16, 2025.

NEW DELHI. The initial public offering (IPO) of Laxmi Dental Limited was booked fully a few hours after it opened for bidding on Monday looking to raise Rs 698.06.Laxmi Dental IPO will remain open for subscription until January 15, 2024 with allotment for shares expected to be completed on January 16, 2025.Laxmi Dental IPO was subscribed 2.39 times overall on its first day of bidding as of latest update. The retail portion of the issue saw the highest interest, being subscribed 7.2 times. Meanwhile, there was no subscription recorded from qualified institutional buyers (QIBs), and the non-institutional investor (NII) segment was subscribed 3.96 times.

The price band for the IPO has been set between Rs 407 and Rs 428 per share. Retail investors can apply for a minimum of 33 shares, translating to an initial investment of Rs 14,124. For small non-institutional investors (sNII), the minimum application size is 15 lots, which equals 495 shares and requires an investment of Rs 2,11,860.

Meanwhile, for large non-institutional investors (bNII), the minimum requirement is 71 lots, or 2,343 shares, amounting to Rs 10,02,804.

SHOULD YOU SUBSCRIBE?

Master Capital Services Ltd in its IPO report said that the global dental consumables market is expected to grow at a CAGR of 10.5% from USD 177.4 billion in 2023 to USD 356.8 billion in 2030, and emerging countries such as India and China are expected to witness higher growth compared to developed countries.

It further added that the company is one of the very few organised players in dental laboratories segment having sufficient scale of operations, following quality standards, and catering to both domestic and international markets.

"The company continues to scale up branded product offerings and undertake product enhancements of existing dental products and launch new dental products. Investors looking to invest can invest in the IPO for the long term," said Master Capital Services Ltd.

LATEST GMP FOR LAXMI DENTAL IPO

The latest grey market premium (GMP) for the Laxmi Dental IPO stands at Rs 145 as of January 13, 2025, at 10:55 AM.Given the IPO's price band of Rs 428, the estimated listing price is projected to be around Rs 573. This calculation is based on adding the cap price to the current GMP. If these projections hold, investors could see an estimated gain of 33.88% per share upon listing.Laxmi Dental IPO raised Rs 314.13 crore from anchor investors ahead of opening for subscription.Laxmi Dental IPO is expected to be listed on both the BSE and NSE, with the tentative listing date scheduled for Monday, 20 January 2025.

Union Budget May See Fiscal Consolidation But Rural, Welfare, Subsidies May Go Up: Report

The report highlighted that the upcoming budget will be crucial for balancing growth and fiscal discipline.

New Delhi. With the Union Budget for FY26 scheduled to be presented on February 1, 2025, a report by Goldman Sachs underlined two key concerns for policymakers, the pace of fiscal consolidation and the government's spending priorities.The report highlighted that the upcoming budget will be crucial for balancing growth and fiscal discipline as India stands out for its high levels of public debt and fiscal deficit as compared with other emerging markets.

Goldman Sachs noted that the government is likely to keep the fiscal consolidation path intact, driven by the need to manage high public debt-to-GDP ratios.However, the report cautioned that this fiscal tightening could act as a drag on economic growth in the upcoming fiscal year.

The report also highlighted a slowdown in public capital expenditure (capex). It mentioned that the fastest growth phase in public capex is now behind us, with future capex growth expected to align with or fall below nominal GDP growth rates. Welfare spending, too, is unlikely to see significant increases, although pre-pandemic trends in such spending are expected to continue.The report noted that India is currently experiencing a cyclical growth slowdown, the report said, primarily due to fiscal tightening and slower credit growth as a result of the Reserve Bank of India's macro-prudential measures to control consumer loans.The central government's fiscal deficit is expected to be targeted at between 4.4-4.6 per cent of GDP for FY26, down from the target of 4.9 per cent for FY25.The reduction reflects the government's focus on fiscal consolidation amid elevated public debt levels.

It said, "We think elevated public debt-to-GDP is likely to keep the fiscal consolidation path intact, and we expect the government to target fiscal deficit at 4.4 - 4.6 per cent of GDP in FY26 (from 4.9 per cent of GDP in FY25)".In the ongoing fiscal year FY25, robust tax collections, particularly from direct taxes, have provided the government some leeway to increase current expenditures. However, capital expenditure has remained subdued.The budget is also likely to make an overarching statement about the long-term economic policy of the government towards 2047. The focus will be on job creation through labour-intensive manufacturing, credit for MSMEs, promoting rural housing programs, and sustained focus on the domestic food supply chain and inventory management to control price volatility.

Why Steve Jobs' Wife Was Not Allowed To Touch Shivling In Varanasi

New Delhi. As the Maha Kumbh 2025 kicks off, late Apple co-founder Steve Job's wife Laurene Powell Jobs visited the Kashi Vishwanath temple in Varanasi. She later travelled to Prayagraj, where she will stay at the Niranjini Akhara camp till January 15, before returning to the US to attend the swearing-in ceremony of President-elect Donald Trump on January 20.

At the Kashi Vishwanath temple, she was not allowed to touch the Shivling inside the sanctum sanctorum. Spiritual leader Swami Kailashanand Giri, the Acharya Mahamandleshwar of Niranjini Akhara, explained, "She is very religious and spiritual. She is my daughter, and Maharishi

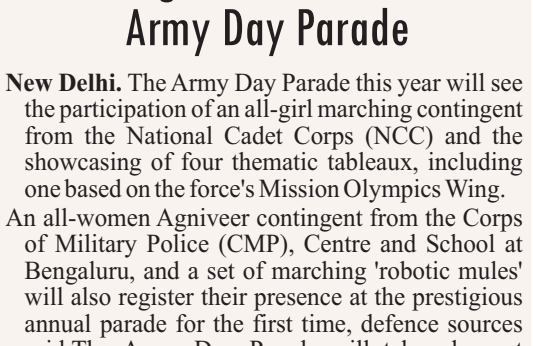

Vyasananda was also there. All of our family did 'Abhishek' and worshipped. She was given prasad and a garland, but there is a tradition that anyone other than a Hindu cannot touch Kashi Vishwanath. If I do not maintain this tradition, then it will be broken."During her stay in Prayagraj, Ms Jobs is also planning to take a dip in the Ganga river. She was given the Hindu name 'Kamala' by Kailashnand Giri, symbolising her spiritual engagement. Dressed in a salwar-suit, she was welcomed to the camp with trumpets and served tea in a traditional kulhad.

She later participated in the Pattabhishek (coronation) ceremony of Vyasanand Giri Maharaj.

Maha Kumbh will take place from January 13 till February 26 and is expected to be attended by 45 crore pilgrims. The main bathing rituals (Pavitra Snan) will take place on January 14 (Makar Sankranti), January 29 (Mauni Amavasya), and February 3 (Basant Panchami).

Parents visit IIT-Kharagpur to meet son, find him hanging in his room

New Delhi. A 21-year-old IIT-Kharagpur student was found dead inside his hostel room by his parents who had come to meet him on Sunday, police said.Shawn Malik, a third-year Electrical Engineering student at IIT-Kharagpur, was staying in the Azad Hall of Residence of IIT-Kharagpur. According to IIT officials, Malik's parents and the institute's security guards had to forcibly open the door of the hostel room after he did not respond to repeated calls."The reason for the extreme step was not clear. We have not received any suicide notes. The boy's parents came to meet him with food. Like they do every Sunday. They were the first to see the body hanging. The boy was very good at his studies," IIT Kharagpur Director Amit Patra said.

"Nothing suspicious was found. Malik had good relations with the teachers. He didn't tell anyone about the rest. A lab assistant died a few days ago. But there's no connection to it," he said.After the incident, Malik's body was recovered and sent for autopsy to Medinipur Medical College for postmortem. The police are investigating, Patra said.A senior police officer said the post-mortem had been completed, and the process was videographed. An investigation is underway, he said.

IIT-Kharagpur has seen several incidents of student deaths in recent years. In June 2024, another IIT-Kharagpur student, Devika Pilai, was found hanging on the college campus.In October 2023, a fourth-year Electrical Engineering student, K Kiran Chandra, was found dead. Prior to this, in 2022, another IIT student, Faizan Ahmed, was found dead on the campus.

From Humble Start To Cutting-Edge Tech, IMD Leads Weather Race At 150

New Delhi. From a few rain gauges in 1875 to rivalling the world's best weather agencies, the India Meteorological Department (IMD) has weathered its way to becoming a global leader in forecasting. Born out of calamities -- a devastating cyclone in 1864 and monsoon failures in 1866 and 1871 -- the IMD, turning 150 on January 15, has transformed from a humble setup into a cutting-edge hub of weather science."HF Blandford, the first Meteorological Reporter to the then Government of India, prepared the first rainfall map of the country (undivided India) using data from 77 rain gauges... The IMD has come a long way since its modest start," IMD Director General Mrutyunjaya Mohapatra told PTI.

According to its 2023 report, the IMD operates 39 Doppler Weather Radars, INSAT 3D/3DR satellites providing 15-minute cloud updates, and a robust network of 806 Automatic Weather Stations, 200 Agro-AWS, 5,896 rain monitoring stations, 83 lightning sensors and 63 Pilot Balloon Stations.The IMD's key advancements include rapid severe weather assessments (2015), 6-minute cyclone scans (2018) and upgraded satellite systems.

Its advanced numerical weather prediction models now deliver seamless forecasts from a few hours to an entire season, backed by high-resolution global models and seasonal forecast systems introduced between 2016 and 2021.

Mohapatra said improvements in observations, communication, modelling and infrastructure have significantly enhanced weather and climate services.

"Forecast accuracy for severe weather events improved by about 50 per cent in 2023 compared to 2014. This has significantly reduced the loss of lives and property during extreme weather events," he said.By 2023, the accuracy of five-day forecasts matched the one-day forecast accuracy of 2017. Cyclone landfall forecasts have become highly precise, with zero error in most cases (20 km for 24-hour forecasts).

The 24-hour forecast accuracy stands at 80 per cent for heavy rainfall, 86 per cent for thunderstorms, and 88 per cent for heat and cold waves.To make this information accessible to the public in simple language, the IMD has launched several mobile applications, including 'Mausam', which provides weather forecasts for every location in the country.The IMD achieved all this despite India's complex weather patterns compared to many developed countries.

M Ravichandran, Secretary, Ministry of Earth Sciences, said India's tropical weather is characterised by extreme variations, making it more challenging to predict than Europe's relatively stable weather patterns.

India summons Bangladesh envoy day after Dhaka's summons to its diplomat

New Delhi. The government on Monday summoned Bangladesh Deputy High Commissioner Nural Islam amid escalating border tensions between the two nations. The development comes a day after the Bangladesh Foreign Ministry summoned Indian High Commissioner Pranay Verma over the issue.Nural Islam was seen leaving from South Block after he was summoned by the Ministry of External Affairs, as per a report by news agency ANI.The border tensions between India and Bangladesh have escalated after Dhaka alleged that India was trying to construct fences at five locations along the India-Bangladesh border, violating a bilateral agreement.

According to Bangladesh Home Affairs Adviser, Lt Gen (retd.) Jahangir Alam Chowdhury, the conflicts have surfaced in five areas, including (northwestern) Chapainawabganj, Naogaon, Lalmonirhat, and the Tin Bigha Corridor.Chowdhury claimed that "several issues have arisen along the Bangladesh-India border" due to imbalanced agreements signed by the previous government. He criticised the former Sheikh Hasina-led government for signing unequal agreements, which he said contributed to disputes over fencing at 160 sites between 2010 and 2023.

Meanwhile, Indian High Commissioner Pranay Verma, who entered the Bangladesh foreign ministry on Sunday, said after the meeting that Dhaka and New Delhi "have understandings with regard to fencing the border for security".

Our two border guard enforcements - BSF and BGB (Border Security Force and Border Guard Bangladesh) - have been in communication in this regard. We expect that this understanding will be implemented and there will be a cooperative approach to combating crimes along the border," Verma added.

In A First, All-Girl NCC Contingent To Take Part In Army Day Parade

New Delhi. The Army Day Parade this year will see the participation of an all-girl marching contingent from the National Cadet Corps (NCC) and the showcasing of four thematic tableaux, including one based on the force's Mission Olympics Wing.

An all-women Agniveer contingent from the Corps of Military Police (CMP), Centre and School at Bengaluru, and a set of marching 'robotic mules' will also register their presence at the prestigious annual parade for the first time, defence sources said.The Army Day Parade will take place at Bombay Engineering Group (BEG) and Centre in Maharashtra's Pune on January 15 which comes under the Army's Southern Command.In the evening, a programme called 'Gaurav Gatha' is planned to be held showcasing the evolution of welfare from ancient period to the contemporary era. Defence Minister Rajnath Singh is likely to grace this event, the sources said.

The theme for the 77th Army Day celebrations is 'Samarth Bharat, Saksham Sena', and the focus this time is to demonstrate the capabilities of the Army contributing to a stronger nation.

Some of the platforms that will be showcased during the parade include K9 Vajra self-propelled howitzer, BMP-2 Sarath infantry combat vehicle, T-90 tanks, Swathi weapon locating radar, Sarvatra Bridging System, Multi-Barrel Rocket System, ATOR N1200 all-terrain vehicle, drone jammer systems and mobile communication nodes, sources in the defence establishment said."This year's parade will include an all-girl contingent of the NCC and an all-women Agniveer contingent from the Corps of Military Police centre in Bengaluru and both will be taking part in the Army Day Parade for the first time," a defence source said.

Cold but extraordinary: Foreign devotees take dip in Sangam as Maha Kumbh begins

New Delhi. As the Maha Kumbh Mela, the biggest spiritual gathering in the world, began in Uttar Pradesh's Prayagraj on Monday, devotees from across the world arrived in the city to take a holy dip in the Ganga river.Several foreign devotees took a dip in the Triveni Sangam, a confluence of the Ganga, the Yamuna and the mythical Saraswati, on the first 'Shahi Snan' on the occasion of Paush Purnima on Monday.

Francisco Soares de Guzman, who has come to Prayagraj from Brazil, said that India is a place filled with spirituality.He was quoted as saying by news agency ANI that although the water at the Triveni Sangam confluence "was cold", his heart "was filled with warmth" after he took a dip.

Anthony Thompson came from London to take a dip in the Ganga during the Maha Kumbh. He said that he was very "humbled and privileged" to be in Prayagraj.Thompson said that it was an "extraordinary experience" for him, and he had been dreaming of coming to Prayagraj for over 40 years. Thomspon was quoted as saying by ANI that his dip in the Ganga was not just swimming, but "much more elemental and essential for the spirit".

Another foreign devotee who took a bath in the confluence said that he visits the Ganga every year to take a dip."It is a very good experience to be with other spiritual seekers. I think the holy dip is the best. Every year, I visit the Ganga in Rishikesh for a holy dip. I've been to Prayagraj once before and look forward to taking part in the Maha Kumbh," he told ANI.The 45-day Maha Kumbh, happening after a gap of 144 years, started at the confluence of Ganga, Yamuna and the mystical Saraswati rivers on Monday, and over 45 crore devotees are expected to visit the event.

From boosting defence logistics to tourism, here's why Z-Morh Tunnel is important

NEW DELHI. Prime Minister Narendra Modi inaugurated the 6.5-kilometer-long Z-Morh Tunnel in Jammu and Kashmir's Ganderbal district on Monday (January 13), marking a historic step in boosting connectivity between Srinagar and Sonamarg. The two-lane bi-directional road tunnel, built at an altitude of over 8,650 feet, will ensure year-round accessibility to the Sonamarg tourist resort, bypassing landslide and avalanche-prone areas.

The Z-Morh Tunnel, would not only connect roads but also bridge economic opportunities, boost defence logistics, and tourism potential, solidifying its place as a landmark project in Jammu and Kashmir.

STRATEGIC IMPORTANCE FOR DEFENCE, ECONOMY

Union Transport Minister Nitin Gadkari, who was present at the inaugural event, said that the tunnel, which has a capacity of handling 1000 vehicles per hour, holds immense strategic importance, particularly for the armed forces.

"The inauguration of the tunnel ensures uninterrupted supply chains for military essentials, safeguarding lives by mitigating avalanche-related risks," said the Transport Minister.The minister further added that the tunnel also creates employment opportunities for local residents.Residents in Ganderbal are optimistic that the tunnel will boost the local economy and tackle unemployment.

"We are happy that now tourists can come to Sonamarg throughout the year. Earlier, the region remained cut off for four months due to snow. Now, not just Sonamarg, but areas like Drass and Kargil will remain connected. People in this area are poor, but this tunnel will provide year-round livelihood opportunities now," he added.

BOOST FOR TOURISM

The inauguration has been hailed as a turning point for tourism. Jammu and Kashmir Chief Minister Omar Abdullah emphasised the tunnel's potential to transform Sonamarg into a premier winter sports destination, rivalling the popular Gulmarg skiing resort."The opening of the Z-Morh tunnel will enable the development of Sonamarg resort in Ganderbal district as a winter sports destination, similar to the famous Gulmarg skiing resort town", said the Jammu and Kashmir Chief Minister.He added that the project would unlock new opportunities for tourism, economic growth, and winter sports, bringing international attention to the region.

Tourist guide Fayaz Ahmad Sheikh, who has worked in Sonamarg for years, expressed relief that the region would now have a year-round tourist season."The tunnel would bring tourists all year, providing better facilities and more income opportunities for locals, he said, adding that earlier the tourist season was limited to only six months in the region due to road closures caused by snowfall.

The project, completed at a cost of over Rs 2,700 crore, also features a parallel 7.5-meter-wide parallel escape tunnel for enhanced safety. It significantly reduces travel time between Srinagar and Sonamarg, allowing vehicles to travel at speeds of up to 70 km/h, compared to the previous 30 km/h on winding mountain roads.

NEWS BOX

Man dressed as firefighter caught looting homes in Los Angeles amid deadly fires

World. Los Angeles Police on Sunday arrested a man impersonating a firefighter while robbing homes in fire-stricken Los Angeles. This arrest comes amid a surge in looting-related crimes as wildfires rage across the region.Los Angeles County Sheriff Robert Luna confirmed that at least 29 arrests were made on Sunday (January 12), according to the New York Post. Of these, 25 arrests occurred in the Eaton Fire area, while four were reported near the Palisades Fire region."I saw a gentleman who looked like a firefighter, and I asked if he was OK because he was sitting down. I didn't realize we had him in handcuffs. He just got caught burglarising a home," Sheriff Luna recounted the incident.

Authorities also revealed that two arrests were made for curfew violations near Vice President Kamala Harris's residence in Brentwood early Saturday.In response to the rising crime, 400 National Guard troops have been deployed to the affected areas to enhance security and deter looting.

The Los Angeles Police Department Chief Jim McDonald emphasised that the 6 pm to 6 am urfew remains in effect through Monday.At least 24 people have died, and 16 others were reported missing due to the wildfires in Los Angeles as firefighters raced to contain the inferno for the sixth day on Monday. Over 12,000 structures have been destroyed due to the wildfires so far, according to officials.

Zelensky Offers To Exchange North Korean Soldiers With Captive Ukrainians

Kyiv, Ukraine. Ukrainian President Volodymyr Zelensky said Sunday he was ready to hand over captured North Korean soldiers to Pyongyang in exchange for the return of Ukrainian POWs held in Russia. Zelensky's offer came hours after South Korea's National Intelligence Service confirmed Ukraine's announcement from the previous day that it had captured two North Korean soldiers.

Kyiv said Saturday they had been wounded fighting Ukraine's troops in Russia's Kursk region, but at the time did not provide any proof of their nationality.But on Sunday, the NIS told AFP it had "confirmed that the Ukrainian military captured two North Korean soldiers on January 9 in the Kursk battlefield in Russia".In a post on X Sunday, Zelensky said: "Ukraine is ready to hand over Kim Jong Un's soldiers to him if he can organize their exchange for our warriors who are being held captive in Russia." There would "undoubtedly be more" North Korean soldiers captured by Kyiv, he added.

"For those North Korean soldiers who do not wish to return, there may be other options available," said Zelensky."In particular, those who express a desire to bring peace closer by spreading the truth about this war in Korean will be given that opportunity."

Russia-North Korea ties

Ukraine, the United States and South Korea have accused nuclear-armed North Korea of sending more than 10,000 soldiers to help bolster Russian forces. Neither Moscow nor Pyongyang has acknowledged that North Koreans have been deployed to fight against Ukraine. The two countries have boosted their military cooperation since Russia launched its 2022 invasion of Ukraine."There should be no doubt left in the world that the Russian army is dependent on military assistance from North Korea," said Zelensky.The Ukrainian president posted a video of an interrogation of the two North Korean prisoners of war, one of whom is lying in a bunk bed and the other is sitting up in bed with a bandage around his jaw.

One man can be heard speaking to a Ukrainian official through an interpreter, saying in translated comments that he did not know he was going to fight in a war with Ukraine and that his commanders "told him it was just training".

In translated comments, one of the men says he wants to return to North Korea. The other says he will do what he is told but, if given the chance, wants to live in Ukraine.

'Significant losses'

South Korea's confirmation Sunday added weight to Kyiv's account, confirming details released by Ukraine the previous day.

Three killed in Israeli Airstrike In Lebanon

Beirut. Three people were killed in an Israeli airstrike that targeted a group of people near the Shebaa Farms in southern Lebanon, a Lebanese military source said.

The source, speaking on condition of anonymity, told Xinhua on Sunday that an Israeli drone fired an air-to-ground missile at the Bastra area south of the town of Shebaa, resulting in the fatalities.

The Israel Defense Forces said in a statement on Saturday that its air force had identified and attacked three "suspects" near the Israeli-annexed Shebaa Farms area, Xinhua news agency reported. Lebanon's General Directorate of Civil Defence announced on Sunday it had retrieved two bodies in the Lebanese town of Khiam, the bodies and remains of eight people in the town of Naqoura, two bodies in the village of Biyyadah, and one body in the village of Tayr Harfa.

Meanwhile, Israeli warplanes launched airstrikes on Sunday night, targeting areas surrounding Baalbek city in eastern Lebanon for the first time since the ceasefire between Hezbollah and Israel went into effect on November 27, 2024. Lebanon's National News Agency (NNA) reported that the raids hit the town of Jenta in the Baalbek-Hermel district, but did not provide information on whether there were any casualties. Meanwhile, in southern Lebanon, Israeli warplanes conducted six intense airstrikes targeting several areas, according to NNA.

The ceasefire, brokered by the US and France, was meant to end nearly 14 months of fighting between Israel and Hezbollah. The terms of the agreement include Israel's withdrawal from Lebanese territory within 60 days, with the Lebanese army taking over security along the Lebanese-Israeli border.

Drugged, gang-raped, burned alive: 5 cases reveal horror of UK grooming gangs

World. A girl from Rotherham in England had been raped from the age of 13 to 15 and believed her mother would be the next victim. A 15-year-old was told at all times that she was a bullet away from death. Sometimes beaten with claw hammers, other times brutally raped and silenced.Several white girls in the UK were befriended by young Muslim men and then passed on to older men who would become their boyfriends. What followed was gang rapes and several degrees of other forms of violence. These stories of grooming gangs, operating in the UK since the 90s, could send a chill down anyone's spine.The grooming gangs and their nefarious activities made headlines due to the remarks by Tesla boss, Elon Musk, who called out UK Prime Minister, Keir Starmer, for not acting against them.

These grooming gangs had a pattern: girls as young as 10-year-old girls in Rotherham, Oldham and other areas were lured by

Pakistani-origin men, then taken to older men who would control and manipulate them. These young girls would then be gang-raped by these men and their relatives and friends for years. The authorities also did not act when these women reported their abuse as they allegedly tried to avoid hurting cultural senstivities in the UK.

Investigations by counties, accounts by survivors and media reports have revealed the extent of sexual abuse and violence used by the members of the grooming gangs, who were predominantly Pakistani men. However, people are demanding a probe across the UK to find out the real extent of the crimes of these gangs.Here are five cases that reveal the horrors perpetrated by grooming gangs in the UK.

1. THE HUSSAIN BROTHERS WHO TRAUMATISED MANY

Jessica (name changed), 14, was first abused by Arshid Hussain, 24. At first, he was gentle and kind to her, but what gradually followed were many forms of manipulation—control, isolation, and coercion."It became like the only person in my world was him," she told the BBC. He even convinced her that her family members, who were trying to help her, were against her and were jealous of her. She believed in what he said.

But then there was anger and violence.There were times when she felt that he would kill her at any moment. Raped, tormented, and scared, Jessica and many women lke her had lost all hope.Many people who were victimised by the Hussain brothers—Arshid, Bannaras Hussain, and Basharat Hussain—were scared of what they could do to them.They had locked up a girl for several weeks, and she had to "pay her way" out, according to a Guardian report.The victims even had long-term impacts from the abuse.One girl only undressed in the dark because she had started hating her body, suffered from depression, and had eating disorders.

This has been seen in many victims of grooming gang abuses.

2. LOUISE, ABUSED BY OVER 100 MEN

A girl, Louise (name changed), who spoke to Sky News, described how she had been raped by more than 100 men in Telford."He would take me around the corner of the restaurant, and he would have sex with me," she said. "Then he would pin me down so all the rest of the restaurant workers could do it to me."

Blue Origin Or SpaceX? Amazon Boss Bezos On Musk's Influence On Trump

Washington. Jeff Bezos said he does not think SpaceX CEO Elon Musk will use his close ties with US President-elect Donald Trump to undercut his space company Blue Origin, adding he feels "very optimistic" about the incoming administration's space agenda."Elon has been very clear that he's doing this for the public interest and not for his personal gain. And I take him at face value," Bezos, founder of Blue Origin which rivals SpaceX in the space industry, told Reuters in an interview on Sunday.

Bezos spoke with Reuters in Cape Canaveral, Florida where he will watch the debut launch of Blue Origin's New Glenn, a 30 story-tall rocket that is expected to chip away at SpaceX's market dominance and kick start Blue Origin's long-delayed entrance in the satellite launch business.Musk, who spent more than a quarter billion

dollars to help elect Trump, has had the president-elect's ear on space matters.Last month he said the US should send missions straight to Mars instead of going to the moon first, fueling industry concerns of a major shakeup to NASA's space exploration program.

"My own opinion is that we should do both - we need to go to the moon and we should go to Mars," Bezos said, when asked if he was concerned about changes to NASA's moon program."What we shouldn't do is start and stop things. We should continue with the lunar program for sure," Bezos said.Trump in his second term as president is expected to make sweeping changes to NASA's moon program and focus heavily on sending missions to Mars.Amazon has donated $1 million to Trump's inauguration fund and will stream the event on its Prime Video service. Bezos, Amazon's founder and executive chairman, has met with Trump but told Reuters "We really haven't talked about space."

Blue Origin, founded by Bezos in 2000, has a $3 billion contract with NASA to land humans on the moon later this decade after missions by SpaceX's Starship, Musk's fully reusable rocket in development that is designed to put humans and cargo on both the moon and Mars.

Aim to build relationship of trust: Japan Foreign Minister to attend Trump's oath

Washington D.C. Japanese Foreign Minister Takeshi Iwaya said on Sunday he planned to attend Donald Trump's inauguration as US president on January 20, as Prime Minister Shigeru Ishiba's government hopes to maintain close ties with its security ally.

"We aim to build a relationship of trust with the Trump administration," Iwaya told a talk show on public broadcaster NHK. He said he was seeking a meeting with Senator Marco Rubio, Trump's pick to be Secretary of State.India and Australia also said their foreign ministers would attend the swearing-in ceremony as Trump returns to the White House.

It will be Iwaya's first visit to the US since he became foreign minister in October. Japan, a longtime US ally that had good relations with Trump during his first administration, is keen to get off to a good start for his second.Ishiba is looking into visiting the United States as early as the first half of February for his first meeting with Trump, Japan's Yomiuri Shimbun newspaper reported on Sunday.

Iwaya said he aimed to meet other senior officials from

the incoming administration to lay the groundwork for an Ishiba visit.Indian Foreign Minister Subrahmanyam Jaishankar will attend the inauguration at the invitation of the Trump team and meet members of his incoming administration, his ministry said in a statement.

Penny Wong, foreign minister of fellow US Pacific ally Australia, said on Sunday she would also attend the inauguration, calling it "an important opportunity to discuss how we can advance the benefits of our strong economic and security partnership and expand our cooperation".She has said Australia's centre-left Labor government was confident of its alliance with the United States, its biggest security partner, under the incoming Republican administration.Australia, India, Japan and the United States, which form the Quad security group, have started making arrangements to hold a four-way foreign ministers' meeting in Washington following Trump's swearing-in, Japan's Nikkei business daily said.China has objected to the Quad grouping as an effort to encircle Beijing and ramp up conflict, while the four member nations say they are like-minded democracies seeking to bolster stability in the Indo-Pacific region.

UK Tech Minister Says Children Should Be Allowed To Use ChatGPT For Homework

World. Britain's Science and Technology Secretary Peter Kyle has said that children should be allowed to use ChatGPT to help with their homework. During an interview on BBC, Mr Kyle was quizzed whether it was "okay for kids to use ChatGPT to do their homework?" as the UK attempts to build a framework regarding the future of artificial intelligence (AI).He responded: "Actually with supervision and used in the right way, then yes, because ChatGPT and the AI technology that is using language is already being used across the economy."

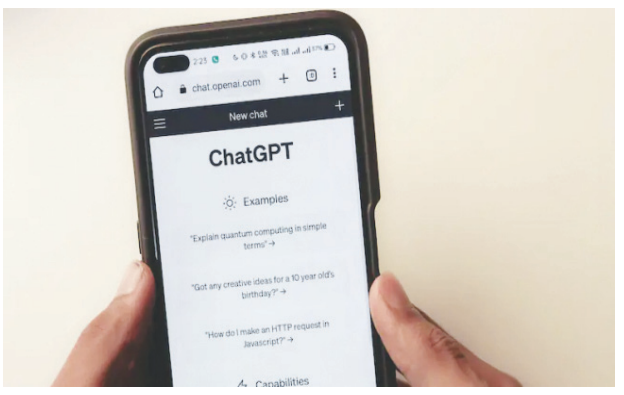

"I am of an age where I remember this conversation about calculators. We need to make sure that kids and young people are learning how to use this technology and integrate it into their learning development," he added when pressed if it was the correct approach.ChatGPT is an online AI-powered large language model (LLM) that enables users to have human-like conversations and much more with a chatbot. The rise of AI chatbots in the last couple of years has raised questions regarding the learning structure in schools and colleges where more and more students are simply relying on such programs to complete homework and pass examinations.

However, as per Mr Kyle, the use of ChatGPT could 'turbo-charge' the minds of the children."There are kids with real outlier talents. Using ChatGPT and other AI assistance could really turbo-charge [them] and give them a challenge they're not getting in other places."

AI action plan

The British government under Prime Minister Keir Starmer will be launching its AI Action Plan this week. Mr Starmer's administration has been largely optimistic regarding the technology with its ministers claiming that if AI is "fully embraced", it could bring £47 billion to the economy every year. With the private sector set to invest £14 billion in the field as well, it could bring around 13,000 jobs.Though the complete details of the AI plans are not yet clear beyond rumours of a "sovereign AI team", it is already evident that the Labour Party is taking a stance that is radically different from its Conservative predecessors.

As per Mr Kyle, the Labor administration will implement a "course correction" on AI safety, after former PM Rishi Sunak placed an overbearing amount of attention, spooking the public in the process.

Biden speaks to families of 3 Americans detained in Afghanistan since 2022

Washington D.C. US President Joe Biden spoke on Sunday with the families of three Americans detained in Afghanistan by its Taliban rulers since 2022, and emphasised his commitment to bringing home Americans wrongfully held overseas, the White House said.Biden's administration has been negotiating with the Taliban since at least July about a US proposal to release the three Americans - Ryan Corbett, George Glezmann and Mahmood Habibi - in exchange for Muhammad Rahim al-Afghani, a high-profile prisoner held in Guantanamo Bay, Reuters reported last week, citing a source familiar with the discussions.Efforts to secure the release of the Americans continue, a second source familiar with the initiative said on Sunday.

Corbett and Habibi were detained in separate incidents in August 2022 a year after the Taliban seized Kabul amid the chaotic US troop withdrawal. Glezmann was detained later in 2022 while visiting as a tourist.Ahmad Habibi, Mahmood Habibi's brother, who was on the call on Sunday, welcomed the discussion with Biden."President Biden was very clear in telling us that he would not trade Rahim if the Taliban do not let my brother go," he said. "He said he would not leave him behind. My family is very gratefl that he is standing up for my brother."The Taliban, which denies holding Habibi, had countered the US proposal with an offer to exchange Glezmann and Corbett for Rahim and two others, one of the sources told Reuters last week.The White House noted that Biden has brought home more than 75 Americans unjustly detained around the world, including from Myanmar, China, Gaza, Haiti, Iran, Russia, Rwanda, Venezuela and West Africa. His administration also brought home all Americans detained in Afghanistan before the US military withdrawal, it said.

"President Biden and his team have worked around the clock, often in partnership with key allies, to negotiate for the release of Americans held hostage or unjustly detained abroad so that they can be reunited with their families, and will continue to do so throughout the remainder of the term," it added.

A Senate intelligence committee report on the agency's so-called enhanced interrogation program called Rahim an "al Qaeda facilitator" and said he was arrested in Pakistan in June 2007 and "rendered" to the CIA the following month.He was kept in a secret CIA "black site," where he was subjected to tough interrogation methods, including extensive sleep deprivation, and then sent to Guantanamo Bay in March 2008, the report said.Biden last week sent 11 Guantanamo detainees to Oman, reducing the prisoner population at the detention center in Cuba by nearly half as part of its effort to close the facility as the president prepares to leave office on Jan. 20.

NEWS BOX

Barcelona coach Flick hails 'incredible team' after Super Cup win vs Real Madrid

New Delhi .FC Barcelona coach Hansi Flick praised his team after winning his first trophy at the club. Barcelona, who struggled last season under the coaching of Xavi have won their first trophy in an year. Under Flick's coaching, Barcelona beat their bitter rivals Real Madrid 5-2 in the Spanish Super Cup Final.Barcelona came back from one goal down to win the match 5-2 in Jeddah on Sunday, 12 January. Barcelona scored 4 goals in the first half itself and then put in a steely show of defence after their goalkeeper Wojciech Szczesny was sent off in the 56th minute."I'm very proud of the team, the staff, the club, the fans... everyone who supports Barça. I am proud to manage such an incredible team."

"After Szczesny was sent off, it wasn't easy for anyone. We the coaches had a little discussion and I thank them all because in the end we made the right decision. And Iñaki did a great job and we defended as a team. I loved it."

Flick credited the team for playing as a unit and, more importantly, for playing to win, a spirit that was missing in December last year. Last month, Barcelona suffered an unexpected form slump that displaced them from the top of the LaLiga table.

"We are a team. You could see that after the win, but it always shows. We stick together and our aim is to learn from every game. At big clubs, the goal is to win titles. And that's what we're working towards. We are very happy and proud but we need to keep showing that we are the best inevery game," Flick concluded.On Sunday, Lamine Yamal, Raphinha, Robert Lewandowski and Alejandro Balde were on the scoresheet for Barcelona. The team scored 4 goals in the first half itself to dent Real Madrid's hopes of winning the game. Raphinha was the star of the show, scoring two stunners against Thibaut Courtois.

Abhishek Sharma says IndiGo staff misbehaved at Delhi airport, ruined his holiday

☛Cricketer Abhishek Sharma lashed out at the popular airline, saying its staff misbehaved with him at the Delhi airport on Monday, January 13. Abhishek said he had only a day's holiday to spend with his close ones before he headed to Kolkata for the opening match of a T20I series against England.

New Delhi . Indian cricketer Abhishek Sharma criticised IndiGo Airlines on Monday, January 13, alleging misconduct by a staff member at Delhi Airport. Abhishek expressed frustration, stating that his single day of holiday was ruined after missing a flight despite arriving on time. Abhishek, 24, is set to join the Indian team for the much-awaited five-match T20I series against England, starting January 22.

In a strongly worded statement shared on social media, Abhishek claimed he was unnecessarily redirected between counters, causing him to miss the flight. He named a specific staff member and demanded action.

"I had the worst experience with Indigo at Delhi airport, and the behaviour of staff, especially counter manager Ms Sushmita Mittal, was absolutely unacceptable. I arrived on time at the correct counter, but they redirected me unnecessarily to another counter. only to tell me later that check-in was closed, making me miss my flight. I only had a one-day holiday, which has now been completely ruined. To make it even worse, they are offering no further helpful assistance.

This is by far the worst airline experience, and worst staff management I've ever had,"

Abhishek Sharma said in his Instagram story.Abhishek Sharma was recently named in India's 15-man squad for the T20I series against England. He had been representing Punjab in the Vijay Hazare Trophy. Abhishek played for Punjab as recently on January 11. He was part of the XI that lost to Maharashtra in Vadodara and bowed out of the competition.It is likely Abhishek had planned to spend his brief holiday with family and friends before joining the national squad in Kolkata, where the first match of the series is scheduled for January 22. The players are expected to arrive a few days earlier to prepare under the leadership of Suryakumar Yadav and head coach Gautam Gambhir.

ALL EYES ON ABHISHEK IN ENGLAND T20Is

Abhishek Sharma was in fine form during the Vijay Hazare Trophy, India's premier domestic 50-over tournament.

The left-hander scored 467 runs, including a century and three fifties, in eight matches.bhishek made a solid start to his T20I career, scoring a century in only his second match at the highest level — against Zimbabwe in Harare in July 2024. However, he struggled for consistency, going seven innings without a score of 20 or more.Questions were raised about his place in the T20I squad after failures in the first two knocks of India's tour of South Africa in November 2024. A few pundits defended him, arguing that Abhishek is a natural aggressor and should be allowed occasional failures.Abhishek regained some form towards the latter half of the tour, scoring a fifty in Centurion and a crucial 36 in Johannesburg.

Champions Trophy: Pat Cummins to lead as Australia announce 15-member squad

New Delhi . Australia have announced their preliminary squad for the Champions Trophy 2025. Chief of selectors George Bailey named 15 players in the squad, including the injured fast bowling duo Pat Cummins and Josh Hazlewood. Cummins, who is the ODI captain of Australia, is currently on a family break after the team's victorious Border-Gavaskar Trophy campaign. While the break was decided beforehand, Australia notified after the Test series that Cummins had an injury concern as well.Bar Cummins, pacer Josh Hazlewood has also been named in th side, despite missing half the Border-Gavaskar Trophy due to a back injury. Australia have named a strong squad, which includes two fresh call-ups (for ICC tournament) - Matt Short and Aaron Hardie. Short has been in blazing form off late, and has hit a hundred in the Big Bash League against Brisbane Heat.Australia have made three changes to their regular squad. Short replaces David Warner, who retired from international cricket at the start of 2024. Injured Cameron Green has been ruled out, while Sean Abbott has missed the 15-member pack.

Australia Preliminary Squad for Champions Trophy

Pat Cummins (c), Alex Carey, Nathan Ellis, Aaron Hardie, Josh Hazlewood, Travis Head, Josh Inglis, Marnus Labuschagne, Mitchell Marsh, Glenn Maxwell, Matt Short, Steve Smith, Mitchell Starc, Marcus Stoinis, Adam Zampa Australia pacer Nathan Ellis has been rewarded for strong Big Bash League form with the Hobart Hurricanes, who have locked in a finals berth in Australia's domestic T20 tournament. All-rounders Matt Short and Aaron Hardie will offer the side much-needed versatility in the tiring wickets of Pakistan and UAE.Short has been a One Day International mainstay for the Aussies wince Warner's retirement in November 2023, while Hardie has also represented Australia in the format cricket 11 times."It offers a variety of options for touring management depending on the opposition and the conditions that may present in Pakistan," said selection chair George Bailey.

India not doing well in Test cricket: New BCCI secretary vows to make changes

New Delhi . Newly appointed Board of Control for Cricket in India secretary Devajit Saikia has admitted that India is struggling in red-ball cricket. Speaking to reporters in Mumbai after being elected unopposed, Saikia said that it would be a big challenge to return India to its former glory.India have lost two back to back Test series against New Zealand and Australia. After losing 0-3 to New Zealand at home, India were hammered by Australia 3-1 in the Border-Gavaskar Trophy.

Saikia said that the BCCI is speaking to all the experts and trying to find a positive outcome. He added that India will take it series by series and at the moment focus on the white-ball bilateral series against England.

“It is a big challenge because if you see, we are not doing good in Test cricket in the last two series against Australia as well as New Zealand. So, immediately we are having the England series so far as T20 is concerned and thereafter the big event of the Champions Trophy in Dubai. We have to think about one

(tournament) at a time. We have had a lot of discussions during the last two days and we are trying to streamline; whatever our drawbacks are, we have to overcome them,” he told reporters at the BCCI headquarters.

“We are taking all the expert opinion also. So, we look forward to a very positive outcome from these discussions and exercise. Our immediate challenge is the England series (at home) and thereafter the Champions Trophy. I will carry forward the work done by ICC chairman and former BCCI secretary Jay Shah,” he added.

WHO IS DEVAJIT SAIKIA?

Hailing from Assam, Devajit Saikia has a multifaceted background that includes a career in cricket, law, and administration. As a former first-class cricketer, Saikia played four matches between 1990 and 1991, serving as a wicketkeeper. Although his cricketing career was relatively short, he managed to collect 53 runs and managed to exact 9 dismissals.

Karma hit me: Stefanos Tsitsipas reflects on shock Australian Open first-round loss

Melbourne. Eleventh seed Stefanos Tsitsipas suffered a shock first-round exit at the Australian Open on Monday, January 13. The 2023 finalist was defeated by 20-year-old American Alex Michelsen, 5-7, 6-3, 2-6, 4-6, in a match lasting 2 hours and 43 minutes at John Cain Arena in Melbourne.The Australian Open has traditionally been a successful tournament for Tsitsipas, with the Greek star having reached the semi-finals three times before making the final in 2023. Explaining his shock defeat - the first big upset of Australian Open 2025 - Tsitsipas attributed it to a lack of match practice in the new season. The World No. 12 had withdrawn from the doubles competition, where he was scheduled to partner his brother, Petros Tsitsipas, in a bid to conserve energy for the singles event.

“It’s quite ironic. My whole idea was to try to go deep into the Australian Open. I knew the

first thing I had to consider was not playing doubles,” Tsitsipas said after his defeat.

“I guess karma hit me. I was not able to deliver or play the way I had hoped to at this year's event. The whole purpose was to conserve energy and be fresher for the later stages of the tournament.”The match saw fluctuating fortunes for both players. Michelsen dominated early, securing a 7-5, 6-3 lead, but Tsitsipas rallied to win the third set 6-2. As Michelsen edged closer to victory, nerves set in; the American committed three double faults and surrendered two service breaks in the fourth set. Despite his struggles, Tsitsipas, who appeared dejected throughout, double-faulted at 5-all to hand back a crucial break. Michelsen capitalised on the opportunity, sealing the match without further errors.Since reaching the Australian Open final in 2023, Tsitsipas has failed to progress beyond the quarter-finals at any Grand Slam. His struggles continued with a first-round exit at last year's US Open and two defeats in the three matches he has played so far in the 2025 season.

El Clasico: 10-men Barcelona thrash Real Madrid 5-2 to win Spanish Super Cup

New Delhi. Barcelona came from an early goal down to beat Real Madrid 5-2 in a thrilling Spanish Super Cup final on Sunday, January 12. Playing at Jeddah, Barcelona secured their 15th title in the competition’s history.

Despite being reduced to 10 men following a red card for goalkeeper Wojciech Szczesny in the 56th minute, Barcelona won the match owing to their stunning first-half performance. This was Barcelona's first silverware in over a year.

Real Madrid made a dream start when Kylian Mbappé opened the scoring in the fifth minute, finishing a solo run with a powerful shot inside the far post. However, Barcelona responded quickly, levelling the score through Lamine Yamal in the 22nd minute. Yamal's sensational run from the right side saw the youngster cut back and calmly slot the ball past Thibaut Courtois' left side.

Robert Lewandowski then gave Barcelona the lead in the 36th minute, converting a penalty after Eduardo Camavinga fouled Gavi in the box. The Catalan side extended their advantage just minutes later with a brilliant header from Raphinha in the 39th minute,

thanks to a perfect cross by Jules Koundé. Alejandro Balde added a fourth in stoppage time, finishing after a poor Real Madrid corner, making it 4-1 at the break.eal Madrid started the second half with renewed hope when Rodrygo struck the crossbar early on, but Barcelona swiftly extinguished any chance of a comeback. Raphinha made it 5-1 in the 48th minute, slaloming through the Real defence before calmly finishing.

The match took another twist in the 56th minute when Barcelona goalkeeper Wojciech Szczesny was sent off for fouling Mbappé in the box. Rodrygo scored from the resulting free kick to pull one back for Real Madrid, but Barcelona’s defense, led by substitute keeper Inaki Peña, stood firm to seal a 5-2 victory.

Barcelona’s win ended Real Madrid’s hopes of winning their third title of the season, following their triumphs in the European Super Cup and the Intercontinental Cup. The result also marked a significant achievement for Barcelona, who had not won a trophy since last season.After the game, Barcelona coach Hansi Flick said: “A goal for big clubs is always to win titles, that’s why we work hard. But now we have to show it in the next games. Real Madrid made many mistakes, and we knew how to take advantage of them to control the match.”

After calling Gautam Gambhir hypocrite, Manoj Tiwary blames media for editing

New Delhi. Former India cricketer Manoj Tiwary has clarified his stance days after calling India head coach Gautam Gambhir a hypocrite. Taking to Twitter, Tiwary has blamed the media for editing and playing one particular chunk in his 20-minute interview.

On January 9, in an interview with News18, the former Bengal captain had lashed out at the current head coach. Tiwary had criticised Gautam Gambhir, calling the India head coach a hypocrite who "doesn’t walk the talk". Tiwary questioned Gambhir's appointment as head coach, claiming the former opener lacks clarity and a definitive coaching style. His strongly worded remarks came in the wake of India’s loss in the Border-Gavaskar Trophy and their failure to reach the World Test Championship

final."Gautam Gambhir is a hypocrite. He doesn’t do what he says," Manoj Tiwary told News18 Bangla.

"What is the use of a bowling coach? Whatever the coach says, he will agree. Morne Morkel came from Lucknow Super Giants. Abhishek Nayar was at Kolkata Knight Riders with Gambhir, and the Indian head coach knows that he will not go against his instructions," Tiwary added.However, three days later, Tiwary clarified his stance after criticism from former cricketer Aakash Chopra. Chopra had accused the former Bengal star of joining the criticism bandwagon against Gambhir.Manoj Tiwary addressed the video to Aakash Chopra and said that he only sad what he believed was right.

"I was at my coaching centre, sitting there after practice. The local media came there to take my interview. We spoke for 20-25 minutes, and you know that when these people [media] take interviews, they go back to the office and edit it – whatever is convenient, what they feel is required will be kept. They will try to keep whatever there is demand for," Manoj Tiwary clarified.

"There were two things Aakash bhai [Aakash Chopra] said. I am pretty sure that he may not have seen the interview of 20 minutes. And these four-five lines which came out from my interviews, he might have just seen that. I just want to clear this, Aakash bhai," he added.

"I like Aakash, I respect him, [he gives his] honest opinion. I feel it is important to clear this up. Aakash bhai said, 'Manoj behti Ganga mein haath dho raha hai [Manoj is washing his hands in the flowing Ganga],' (an idiom meaning to go with the tide), after people like Sunil Gavaskar and Sanjay Manjrekar were also criticising Gautam Gambhir. There is no such thing, Aakash bhai.

I have no need to wash my hands in the flowing Ganga. The river is close by, and I can wash my hands there any time, but I do not wish to. I had not been following what those people said. I just said what I felt in the interview," concluded Tiwary.

Virat Kohli Wraps His Arms Around

Anushka Sharma

At Gateway Of India, Stunned Fans Look On In

Star couple Virat Kohli and Anushka Sharma were spotted at the Gateway of India in Mumbai as they made their way to the jetty from their luxury car. Anushka kept it casual yet chic in a blue oversized shirt paired with black shorts and pink flats, accessorising her look with a black clutch. Virat sported an all-black ensemble, keeping it simple and stylish.As the paparazzi greeted them with a cheerful “Good morning," Virat acknowledged them with a quick hello and returned the greeting. However, Anushka chose to avoid engaging with the paps and walked ahead. In another video, Virat can be sending putting his arm around Anushka’s shoulders as they waited for their speedboat to dock. Despite the brief interaction, neither of them stopped to pose for the camera.

The couple has just returned from Australia, where the Indian cricket team faced a tough 3-1 defeat in the Border-Gavaskar Trophy.

Virat and Anushka also recently visited Premanand Govind Sharan Maharaj, bringing along their children, Vamika and Akaay. A video that surfaced on social media showed the couple greeting the Maharaj with folded hands, sitting on the floor as they listened to his teachings.During her conversation with the Maharaj, Anushka mentioned that she listens to his spiritual talks. “Pichli baar jab hum aaye the toh mann mein kuch sawaal the, mujhe laga ke poochungi lekin jo bhi baitha tha wahan pe unn sabne kuch na kuch vaisa sawaal kar liya tha. Jab aapke pass aane ke hum baat kar rahe the, main man hi man aapse baat kar rahe the, jo bhi sawaal mere aa rahe the," she said. Virat Kohli was also seen looking at her, with a smile on his face.

Anushka Sharma and Virat Kohli met in 2013 during an ad shoot and kept their relationship private.

They married in Italy in 2017. The couple welcomed their first child, a daughter named Vamika, in January 2021, and a baby boy in February last year.On the work front, Anushka has taken a break from acting since her 2018 film Zero, but she’s set to make a comeback in Chakda Xpress, a biographical film on cricket legend Jhulan Goswami, marking her return to the big screen.

Preity Zinta

Assures Fans She’s ‘Safe As Of Now’ Amid LA Wildfires: ‘I Never Thought I’d See...'

As the wildfires rage across Los Angeles, Bollywood star Preity Zinta took to social media to update fans about her safety and express her heartbreak over the devastation. Preity, who resides in the U.S. with her husband, financial analyst Gene Goodenough, reassured her followers, saying she is “safe as of now" but deeply affected by the ongoing crisis.Sharing her experience on X, Preity wrote, “I never thought I’d see a day when fires would ravage neighborhoods around us in LA. Friends and families

are either evacuated or on high alert, ash is falling from smoggy skies like snow, and there’s fear and uncertainty with toddlers and grandparents by our side." She added, “I’m heartbroken at the devastation around us and grateful to God ?? that we are safe for now. My thoughts and prayers are with those displaced and those who’ve lost everything. A big thank you to the firefighters and everyone helping to save lives and property. Stay safe, everyone ??."

Fans of the actor poured in their support. One follower commented, “Take care of yourself, Preity. Thoughts are with you and everyone affected." Another wrote, “It’s heartbreaking to see this. Stay strong and safe."

Preity isn’t the only Bollywood star caught in the chaos. Nora Fatehi, also in LA, shared her harrowing experience on Instagram. She revealed, “We just got an evacuation order. I quickly packed my stuff and I’m heading toward the airport. I hope my flight doesn’t get canceled because this is terrifying. I’ve never experienced anything like this."Priyanka Chopra Jonas, who resides in LA with her husband Nick Jonas and daughter Malti Marie, also shared her thoughts. Posting photos and videos of the wildfire’s impact, she wrote, “My thoughts are with everyone. I hope we can all stay safe tonight."The California wildfires have caused widespread destruction, with thousands displaced, homes reduced to ashes, and many others on high alert.

Ranveer Singh’s Shaktimaan-Inspired Superhero Film May Feature Wamiqa Gabbi As The Female Lead

Wamiqa Gabbi has been turning heads online since her standout performance in Baby John alongside Varun Dhawan and Keerthy Suresh. After exclusively breaking the news of her involvement in Akshay Kumar’s Bhooth Bangla, fresh reports now suggest that she may soon share the screen with Ranveer Singh in a superhero film inspired by the legendary Shaktimaan.As per a report by Mid-Day, Wamiqa is the frontrunner for Minnal Murali director Basil Joseph’s ambitious superhero project. This Bollywood adaptation of the iconic Indian superhero Shaktimaan will be led by Ranveer Singh.

A source close to the project revealed that the Baby John star continues to attract attention for her versatility in both Hindi and regional cinema. The actress is also rumored to be in talks for a Telugu film opposite Nani.“While discussions are still ongoing, the potential pairing of Wamiqa and Ranveer in Basil’s film would bring a fresh dynamic to a project that’s been in development for five years," the source shared.Though no official confirmation has been made, insiders report that pre-production is underway. Director Basil Joseph, despite not being fluent in Hindi, has been conducting script readings and meetings with Ranveer in Mumbai.

“Once the script is locked and schedules are finalized, the casting will be confirmed," said the source, adding that Ranveer Singh is currently wrapping up Aditya Dhar’s spy thriller and will shift his focus to the superhero film after March.

Earlier, Pinkvilla reported that Shaktimaan has been in the writing phase for over three years. Directed by Basil Joseph and backed by Sony Pictures India and Sajid Nadiadwala, the film is expected to go on floors in May 2025, aiming for a grand release in 2026. This promises to be one of Bollywood’s most ambitious superhero projects.

Is Ameesha Patel Dating Nirvaan Birla? He Clears The Air: ‘We Were Both In Dubai...’

Ameesha Patel sparked dating rumors in November last year after sharing a delightful picture with entrepreneur and singer Nirvaan Birla during their time in Dubai. The image, showing the duo dressed in matching black outfits and sharing smiles, quickly went viral, prompting fans to speculate about a potential relationship. However, Nirvaan has now set the record straight, confirming their bond is purely platonic.In an interview with the Free Press Journal, Nirvaan clarified, “Ameesha and I are not dating. She is a family friend and has known my father since their school days. We were in Dubai because I was shooting for my music album, which she features in."

The rumors originated when Ameesha captioned the photo, “DUBAI —- lovely evening with my darling @nirvaanbirla," accompanied by red heart emojis. The post, which even garnered a like from Nirvaan’s father, Yash Birla, ignited a flurry of comments. Fans called them a “beautiful couple" and wrote messages like, “Happy you finally found your soulmate" and “You two look adorable together."

For the uninitiated, Nirvaan Birla is a successful entrepreneur and singer, known for initiatives like Birla Brainiacs and Birla Open Minds. As the son of Yashvardhan and Avanti Birla, he is continuing his family’s legacy of excellence in business.Ameesha Patel, meanwhile, is enjoying a career resurgence. She recently celebrated the re-release of her iconic debut film, Kaho Naa Pyaar Hai, alongside Hrithik Roshan. Additionally, she starred in 2023’s blockbuster Gadar 2, the sequel to the 2001 classic Gadar: Ek Prem Katha. The film, directed by Anil Sharma, was a massive box office success, earning over Rs 500 crore in India.

Set against the backdrop of the 1971 Indo-Pak war, Gadar 2 follows Tara Singh’s (Sunny Deol) mission to rescue his son Jeete (Utkarsh Sharma) from Pakistan. Despite receiving mixed critical reviews, the movie’s patriotic narrative, emotional depth, and nostalgia struck a chord with audiences, making it one of the highest-grossing films of the year. A star-studded celebration of its success featured Bollywood icons like Shah Rukh Khan, Salman Khan, and Aamir Khan.Ameesha is also part of Netflix’s upcoming documentary, The Roshans. Reflecting on her involvement, she shared, “I’m absolutely looking forward to watching The Roshans.